

# शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2017-2018)

कक्षा : दसवीं

## सामाजिक विज्ञान

मार्गदर्शन:

श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव

सचिव (शिक्षा)

श्रीमती सौम्या गुप्ता

निदेशक (शिक्षा)

डॉ. सुनीता शुक्ला कौशिक

अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

समन्वयक:

श्रीमती रजनी रावल

अधिकारी (परीक्षा)

श्रीमती शारदा तनेजा

विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

डॉ. सतीश कुमार

विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

तकनीकी अधिकारी

दीपक तंवर

अधीक्षक

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में अनिल कौशल, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स अरिहन्त ऑफसेट, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।



**Smt. Punya Salila Srivastava**  
IAS



सचिव ( शिक्षा )  
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र  
दिल्ली सरकार  
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054  
दूरभाष : 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Secretary (Education)  
Government of National Capital Territory of Delhi  
Old Secretariat, Delhi-110054  
Phone : 23890187 Telefax : 23890119  
e-mail : secyedu@nic.in

## **SUBJECTWISE SUPPORT MATERIAL**

### **PREFACE**

It is a matter of great pleasure for me to present the Support Material for various subjects prepared for the students of classes IX to XII by a team of dedicated and sincere teachers and subject experts from the Directorate of Education.

The subject wise Support Material is designed to enhance the academic performance of the students and improve their understanding of the subject. It is hoped that this comprehensive study material will be put to good use by both the students and the teachers in order to achieve academic excellence.

I commend the efforts of the team of respective subject teachers and their group leaders who worked sincerely and tirelessly under the able guidance of the officers of the Directorate of Education to complete this remarkable work in time.

*Punya Salila*  
(Punya S. Srivastava)

**Saumya Gupta, IAS**



**Director**

Education & Sports, Govt. of NCT of Delhi  
Old Secretariat, Delhi - 110054  
Tel.: 23890172, Fax : 23890355  
E-mail : diredu@nic.in  
Website : www.edudel.nic.in

D.O. No. PS/DE/2017/304

Date : 30/08/2017

प्रिय विद्यार्थियों,

इस पुस्तक के माध्यम से आपके साथ सीधे संवाद का अवसर मिल रहा है। और अपने विद्यार्थियों के साथ जुड़ने के इस अवसर का मैं पूरा लाभ उठाना चाहती हूँ।

दिल्ली में आपके विद्यालय जैसे कोई १०३० राजकीय विद्यालय हैं, जिनका संचालन 'शिक्षा निदेशालय' करता है। शिक्षा निदेशालय का मुख्यालय पुराना सचिवालय (ओल्ड सेक्रेटेरिएट), दिल्ली-५४ में स्थित है।

इस निदेशालय में सभी अधिकारी दिन रात कार्य करते हैं ताकि हमारे स्कूल और अच्छे बन सकें; हमारे शिक्षक आपको नए-नए व बेहतर तरीकों से पढ़ा सकें; परीक्षा में हमारे सभी विद्यार्थी और अच्छे अंक ला सकें तथा उनका भविष्य सुनिश्चित हो।

इसी क्रम में पिछले कुछ वर्षों से शिक्षा निदेशालय ने कक्षा नवीं से बारहवीं तक के अपने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में 'सहायक सामग्री' उपलब्ध करवाना प्रारंभ किया है।

प्यारे बच्चों, आपके हाथ में यह जो पुस्तक है, इसे कई उत्कृष्ट अध्यापकों ने मिलकर विशेष रूप से आप ही के लिए तैयार किया है। इसे तैयार करवाने में काफी मेहनत और धन खर्च हुआ है। इसलिए अपनी मुख्य पाठ्यपुस्तक के साथ-साथ यदि आप इस सहायक सामग्री का भी अच्छे से अभ्यास करेंगे तो परीक्षा में आपकी सफलता तो सुनिश्चित होगी ही, आपको बाजार में बिकने वाली महंगी सहायक पुस्तकें भी खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। और हाँ, इस पुस्तक को हर साल हम CBSE के पाठ्यक्रम के अनुसार संवर्धित और परिमार्जित भी करते हैं ताकि छात्र छात्राओं की परीक्षा-तैयारी अध्ययन रहे।

अंततः, एक बात और। अपने विद्यार्थी काल के जिस पड़ाव से आप आज गुजर रहे हैं, यह आपके शेष जीवन की नींव के निर्माण का समय है। मुझे आप पर पूरा विश्वास है कि आप इस समय का सदुपयोग करेंगे, खूब अध्ययन करेंगे तथा अपने एवं अपने देश के लिए एक सार्थक भविष्य की नींव डालेंगे।

मेरी ढेरो शुभकामनाएं।

सौम्या गुप्ता

आपकी  
सौम्या गुप्ता

**Dr. Sunita S. Kaushik**  
Addl. Director of Edn. (School)/Exam



Govt. of N. C. T. of Delhi  
Directorate of Education  
Old Secretariat, Delhi-54  
Tel. : 23890283

D. O. No. PA/AA&u/DE/Sch/3

Dated. 14/09/2017

## विषयवार सहायक सामग्री

### प्रस्तावना

शिक्षा निदेशालय के अनुभवी एवं विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों हेतु नवीनतम सहायक सामग्री को प्रस्तुत करतें हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है।

गत वर्षों से विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही सहायक सामग्री हमारे विद्यालयों के उन छात्रों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है जो बाज़ार से गुणात्मक विषय सामग्री खरीदने में अक्षम हैं। निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री ऐसे छात्रों को सार्वजनिक परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का मौका प्रदान करती है। इस सहायक-सामग्री में निर्धारित शब्दों को स्पष्ट एवं व्यापक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

अध्यापकों से उम्मीद की जाती है कि वे विद्यार्थियों को इस सहायक-सामग्री का पर्याप्त अभ्यास करायेंगे जिससे इन छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में वृद्धि हो और साथ ही छात्रों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे इस सहायक सामग्री का अधिकतम उपयोग कर प्रत्येक विषय को ठीक ढंग से समझ सकें।

मैं, इस सहायक सामग्री को तैयार करने वाले सभी शिक्षकों का उनके बहुमूल्य योगदान के लिए अमार प्रकट करती हूँ।

*सुनीता कौशिक*

डॉ. सुनीता शुक्ला कौशिक  
अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (विद्यालय एवं परीक्षा)



**शिक्षा निदेशालय**  
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

**सहायक सामग्री**  
(2017-2018)

**सामाजिक विज्ञान**  
कक्षा : दसवीं  
( हिन्दी माध्यम )

निःशुल्क वितरण हेतु

---

दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित



**REVIEW/PREPARATION OF  
SUPPORT MATERIAL  
CLASS-X  
SOCIAL SCIENCE  
(2017-18)**

**Group Leader :**

Mrs. Anju Kumari  
HOS, GGSSS, East Park Road, Delhi

**Subject Expert :**

1. Sh. Gopal Prasad Shahi  
TGT (S.Sc.)  
R.P.V.V. Raj Niwas Marg, Delhi-110054
  
2. Mrs. Urmila Devi  
TGT (S.Sc.)  
GGSSS, Ram Nagar No.1, Paharganj,  
New Delhi-110055
  
3. Ms. Ranjeeta Kakkar  
PGT (History)
  
4. Sh. Nooruddin  
TGT (S.Sc.)  
Anglo Arabic SSS, Ajmeri Gate, Delhi

**SOCIAL SCIENCE (SUB. CODE)**  
**COURSE STRUCTURE CLASS - X (SESSION 2017-18)**

Time : 3 Hrs.

Marks : 80

Units		Marks	Periods
I	India and the Contemporary World-II	20	60
II	Contemporary India-II	20	55
III	Democratic Politics II	20	50
IV	Understanding Economic Development	20	50
	<b>Total</b>	<b>80</b>	<b>215</b>

**Unit 1 : India and the Contemporary World-II**

**60 Periods**

THEMES	OBJECTIVES
<p>In Sub-unit 1.1 Students are required to choose any two themes. In the sub-unit, theme 3 is compulsory and for second theme students are required to choose any one from the first two themes.</p> <p>In Sub-units 1.2 and 1.3 students are required to choose any one theme from each. Thus all students are required to study four themes in all.</p> <p>Sub-unit 1.1 : Events and processes : Any two of the following themes :</p> <p><b>1. The Rise of Nationalism in Europe:</b></p> <p>(a) The growth of nationalism in Europe after the 1830s. (b) The ideas of Giuseppe Mazzini, etc. (c) General characteristics of the movements in Poland, Hungary, Italy, Germany and Greece. (Chapter 1)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• The theme will discuss the forms in which nationalism developed along with the formation of nation states in Europe in the post-1830 period.</li> <li>• Discuss the relationship/difference between European nationalism and anti-colonial nationalisms.</li> <li>• Point to the way the idea of the form required nation states became generalized in Europe and elsewhere.</li> <li>• Discuss the difference between French colonialism in Indo-China and British colonialism in India.</li> <li>• Outline the different stages of the anti-imperialist struggle in Indo-China.</li> </ul>



<p><b>2. The Nationalist Movement in Indo-China :</b> Factors Leading to Growth of Nationalism in Indo-China. (a) French colonialism in INdo-China. (b) Phases of struggle against the French. (c) The ideas of Phan Chu Trinh, Phan Boi Chau, HO Chi Minh (d) The Second World War and the liberation struggle. (e) Ameri8ca and the Vietnam war. (Chapter 2)</p> <p><b>3. Nationalism in India :</b></p> <p>(a) Impact of First world war, Khilafat, Non-Cooperation and Differing Strands within the Movement. (b) Salt Satyagraha. (c) Movements of peasants, workers, tribals. (d) Limits of Civil Disobedience. (e) The sense of Collective Belonging. (Chapter 3)</p> <p>Sub-unit 1.2 : Livelihoods, Economies and Societies :</p> <p>Any one of the following themes :\</p> <p><b>4. The making of a Global World :</b></p> <p>(a) The Pre-modern world (b) The Nineteenth Century global economy, colonialism. (c) The Inter war Economy (Great Depression) (d) Rebuilding the World  Economy.</p> <p><b>5. The Age of Industrialization :</b></p> <p>(a) Proto-industrialization and pace of industrial change (b) Life of workers (c) Industrialization in the colonies (d) Early Entrepreneurs &amp; workers (e) The Peculiarities of Industrial Growth (f) Market for Goods.</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Familiarize the students with the differences between nationalist movements in Indo China and India</li> <li>• Discuss the characteristics of I(ndian nationalism through a case study of Civil Disobedience Movement.</li> <li>• Analyze the nature of the diverse social movements of the time.</li> <li>• Familiarize students with the writings and ideals of different political groups and individuals, notably Mahatma Gandhi.</li> <li>• Show that globalization has a long history and point to the shifts within the process.</li> <li>• Analyze the implication of globalization for local economies.</li> <li>• Discuss how globalization is experienced differently by different social groups.</li> <li>• Familiarize students with the Proto-Industrial phase and Early-factory system.</li> <li>• To make them understand, about the process of industrialization and its impact on labour class.</li> <li>• To explain them about industrialization in the colonies in reference to Textile Industries.</li> </ul>
---	--

<p><b>6. Work, Life &amp; Leisure :</b></p> <p>(a) Development of modern cities due to Industrialization in London &amp; Bombay. (b) Housing and Land Reclamation (c) Social Changes in the cities (d) Cities and the challenge of the Environment.</p> <p>Sub-unit 1.3 : Everyday Life, Culture and Politics any one of the following themes :</p> <p><b>7. Print Culture and the Modern World :</b> (a) The history of print in Europe. (b) The growth of press in nineteenth century India. (c) Relationship between print culture, public debate and politics. (Chapter 7)</p> <p><b>8. Novels, Society and History :</b></p> <p>(a) Emergence of the novel as a genre in the west. (b) The relationship between the novel and changes in modern society. (c) Early novels in nineteenth century India. (d) A study of two or three major writers. (Chapter 8)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Show the difference between urbanization in two different contexts. A Focus on Bombay and London will allow the discussions on urbanization and industrialization to complement each other.</li> <li>• Discuss the link between print culture and the circulation of ideas.</li> <li>• Familiarize students with pictures, cartoons, extracts from propaganda literature and newspaper debates on important events and issues in the past.</li> <li>• Show that forms of writing have a specific history, and that they reflect historical changes within society and shape the forces of change.</li> <li>• Familiarize students with some of the ideas of writers who have had a powerful impact on society.</li> </ul>
--	--

## Unit 2 : Contemporary India II

**55 Periods**

THEMES	OBJECTIVES
<p>1. Resources and Development : Types natural and human; Need for resource planning, natural resources, land as a resource, soil types and distributing; changing land-use pattern; land degradation and conservation measures. (Chapter 1)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Understand the value of resources and the need for their judicious utilisation and conservation.</li> <li>• Understand the importance of water as a resource as well as develop awareness towards its judicious use and conservation.</li> </ul>

<p>3. Water Resources : Sources, distribution, utilisation, multi-purpose projects, water scarcity, need for conservation and management, rainwater harvesting. (one case study to be introduced) (Chapter 3)</p> <p>4. Agriculture : Types of farming, major crops, cropping pattern, technological contribution of Agriculture to national economy-employment and output.</p> <p>None : Content of page no. 44-47 of NCERT Textbook is to be deleted. (Chapter 4)</p> <p><b>5. Minerals and Energy Resources</b> : Types of minerals, distribution (Note : one map only) use and economic importance of minerals, conservation, types of power resources : conventional and non-conventional, distribution and utilization, and conservation. (Chapter 5)</p> <p><b>6. Manufacturing Industries</b> : Types, spatial distribution (Note : on map only) contribution of industries to the national economy, industrial pollution and degradation of environment, measures to control degradation. Note : Content mentioned on page no. 74-75 of NCERT, Geography Textbook i.e. Aluminium Smelting, Chemical Industries, Fertilizer Industry, Cement Industry is not required to be delivered in class room during instruction.</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Understand the importance of agriculture in national economy.</li> <li>• Identify various types of farming and discuss the various farming methods; Describe the spatial distribution of major crops as well as understand the relationship between rainfall regimes and cropping pattern.</li> <li>• Explain various government policies for institutional as well as technological reforms since independence.</li> <li>• Discuss various types of minerals as well as their uneven nature of distribution and explain the need for their judicious utilisation.</li> <li>• Discuss various types of conventional and non-conventional resources and their utilization.</li> <li>• Discuss the importance of industries in the national economy as well as understand the regional disparities which resulted due to concentration of industries in some areas.</li> <li>• Discuss the need for a planned industrial development and debate over the role of government towards sustainable development.</li> </ul>
---	--

<p>7. Life Lines of National Economy : Importance of means of Communication and transportation, Trade &amp; Tourism. (Chapter 7)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• To explain the importance of transport and communication in the ever shrinking world.</li> <li>• To understand the role of trade in the economic development of country.</li> </ul>
--	--

### **Project / Activity :**

- Learners may collect photographs of typical rural houses, and clothing of people from different regions of India and examine whether they reflect any relationship with climatic conditions and relief of the area.
- Learners may write a brief report on various irrigation practices in the village and the change in cropping pattern in the last decade.

### **Posters :**

- Pollution of water in the locality.
- Depletion of forests and the greenhouse effect.

Note : Any similar activity may be taken up.

**Unit 3: Democratic Politics - II****50 Periods**

THEMES	OBJECTIVES
<p><b>1 &amp; 2. Power Sharing &amp; Federalism :</b> Why and how is power shared in democracies? How has federal division of power in India helped national unity? To what extent has decentralisation achieved this objective? How does democracy accommodate different social groups? (Chapter 1 &amp; 2)</p> <p><b>3 &amp; 4. Democracy and Diversity &amp; Gender, Religion and Caste :</b> Are divisions inherent to the working of democracy? What has been the effect of caste on politics and of politics on caste? How has the gender division shaped politics? How do communal divisions affect democracy? (Chapter 3 &amp; 4)</p> <p><b>5. Popular Struggles and Movements</b> (Note : Ch-5 is to be done as project work only and will not be evaluated in theory)</p> <p><b>6. Political Parties :</b> What role do political parties play in competition and contestation? Which are the major national and regional parties in India? (Chapter 6)</p> <p><b>7. Outcomes of Democracy :</b> Can or should democracy be judged by its outcomes? What outcomes can one reasonably expect of democracies? Does democracy in India meet these expectations? Has democracy led to development, security and dignity for the people? What sustains democracy in India? (Chapter 7)</p>	<ul style="list-style-type: none"><li>• Introduce students to the centrality of power sharing in a democracy.</li><li>• Understand the working of spatial and social power sharing mechanisms.</li><li>• Analyse federal provisions and institutions.</li><li>• Understand the new Panchayati Raj institutions in rural and urban areas.</li><li>• Analyse the relationship between social cleavages and political competition with reference to Indian situation.</li><li>• Understand and analyse the challenges posed by communalism to Indian democracy.</li><li>• Understand the enabling and disabling effects of caste and ethnicity in politics.</li><li>• Develop a gender perspective on politics.</li><li>• Understand the vital role of struggle in the expansion of democracy.</li><li>• Analyse party systems in democracies.</li><li>• Introduction to major political parties in the country.</li><li>• Analyse the role of social movements and non-party political formations.</li><li>• Introduction to the difficult question of evaluating the functioning of democracies.</li></ul>

<p><b>8. Challenges to Democracy :</b></p> <p>Is the idea of democracy shrinking? What are the major challenges to democracy in India? How can democracy be reformed and deepened? What role can an ordinary citizen play in deepening democracy? (Chapter 8)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Develop the skills of evaluating Indian democracy on some key dimensions : development, security and dignity for the people.</li> <li>• Understand the causes for continuation of democracy in India.</li> <li>• Distinguish between sources of strength and weaknesses of Indian democracy.</li> <li>• Reflect on the different kinds of measures possible to deepen democracy.</li> <li>• Promote an active and participatory citizenship.</li> </ul>
---	--

#### Unit 4 : Understanding Economic Development

**55 Periods**

THEMES	OBJECTIVES
<p><b>1. Development :</b> The traditional notion of development; National Income and Per capita Income. Growth of National Income-critical appraisal of existing development indicators (PCI, IMR, Sr and other income and health indicators) The need for health and educational development; Human Development Indicators (in simple and brief as a holistic measure of development).</p> <p><b>2. Sectors of Indian Economy :</b> Sectors of Economic Activities; Historical change in sectors; Rising importance of tertiary sector; Employment Generation; Division of Sectors-Organised and Unorganised; Protective measures for unorganised sector workers. (Chapter 2)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Familiarisation of some macroeconomic concepts.</li> <li>• Sensitizing the child about the rationale for overall human development in our country, which include the rise of income, improvements in health and education rather than income.</li> <li>• It is necessary to raise question in minds of the children whether the increase in income alone is sufficient for a nation.</li> <li>• How and why people should be healthy and provided with education.</li> </ul>

<p><b>3. Money and Credit :</b> Role of money in an economy : Formal and Informal financial institutions for Savings and Credit-General Introduction; Select one formal institution such as a nationalized commercial bank and a few informal institutions; Local money lenders, landlords, chit funds and private finance companies. (Chapter 3) (Note : Ch-3 will also be evaluated in theory)</p> <p><b>4. Globalisation and the Indian Economy :</b> Production accross countries, Foreign trade and Interaction of Markets, whast is Globalization? Factors, WTO, Impact, Fair Globalization (Chapter 4)</p> <p><b>5. Consumer Rights :</b> ***How consumer is exploited (one or two simple case studies) factors causing exploitation of consumers; Rise of consumer awareness; how a consumer should be in a market; role of government in consumer protection. (Chapter 5)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• To make aware of a major empolymment generating sector.</li> <li>• Sensitise the learner of how and why governments invest in such an important sector.</li> <li>• Familiarize the concept of money as an economic concept.</li> <li>• Create awareness of the role of financial institutions from the point of view of day-to-day life.</li> <li>• Provide children with some idea about how a particular economic phenomenon is influencing their surroundings and day-to-day life.</li> <li>• Making the child aware of her rights and duties as a consumer;</li> <li>• Familiarising the legal measures available to protect from being exploited in karkets.</li> </ul>
--	---

### **Suggested Activities/Instructions :**

Theme 2\* : Visit to banks and money lenders/pawnbrokers and discuss various activities that you have observed in banks in the classroom.

Participate in the meetings of Self Help Groups, which are engaged in micro credit schemes in the locality of learners and observe issues discussed.

Theme 4\*\* : Provide many examples of serdvice sector activities. Use numerical examples, charts and photographs.

Theme 5\*\*\* : Collect logos of standards available for various goods and services. vbisit a consumer cout nearby and discuss in the class the proceedings; Collect stories of consumer fexploitation and grievances from newspapers and consumer couts.

### **Class -X**

#### **Project Work :**

**05 Periods (5 Marks)**

Every student has to compulsorily undertake any one project on the following units/topics.

1. Diaster Management (Pertaining to Class Xth curriculum of Diaster Management only).  
OR
2. Popular Struggles and Movements.  
OR
3. Money and Credit.

The project have been carefully designed so as to -

- (a) Create awareness in learners
- (b) Enable them to understand and co-relate all aspects of selected topic
- (c) Relate theory with practice
- (d) Relation of different aspects with life
- (e) Provide hands on experience

The distribution of marks over different aspects relating to Project Work is as follows :

<b>Sr.No.</b>	<b>Aspects</b>	<b>Marks</b>
1.	Content accuracy and originality	1
2.	Presentation and creativity	1
3.	Process of Project Completion : Initiative, cooperativeness, participation and punctuality	1
4.	Viva or written test for content assimilation	2



The projects carried out by the students in different topics should subsequently be shared among themselves through interactive sessions such as exhibitions, panel discussions, etc. All documents pertaining to assessment under this activity should be meticulously maintained by concerned schools. A Summary Report should be prepared highlighting :

- objectives realized through individual or group interactions ;
- calendar of activities;
- innovative ideas generated in this process;
- list of questions asked in viva voce

It is to be noted here by all the teachers and students that the projects and models prepared should be made from eco-friendly products without incurring too much expenditure. The Project Report should be handwritten by the students themselves and comprise of not more than 15 foolscap pages. Records pertaining to projects (internal assessment) of the students will be maintained for a period of three months from the date of declaration of result for verification at the discretion of Board. Subjudiced cases, if any or those involving RTI/Grievances may however be retained beyond three months.

**Prescribed Books :**

1. Indian and the Contemporary World-II (History) - Published by NCERT.
2. Contemporary India II (Geography) - Published by NCERT
3. Democratic Politics II (Political Science) - Published by NCERT
4. Understanding Economic Development - Published by NCERT
5. Together Towards a Safer India - Part III, a textbook on Disaster Management - Published by CBSE.

## Question Paper Design - Social Science

### Class - X Session 2017-18

S. No.	Typology of Questions	Very Short Answer (VSA) (1 Mark)	Short Answer (SA) (3 Marks)	Long Answer (LA) (5 Marks)	Total Marks	% Weightage
1.	Remembering (Knowledge based simple recall questions, to now specific facts, terms, concepts, principles, or theories, Identify, define or recite, information)	--	2	2	16	20%
2.	Understanding (Comprehension to be familiar with meaning and to understand conceptually, interpret, compare, contrast, explain, paraphrase, or interpret information)	3	1	2	16	20%
3.	Application (Use abstract information in concrete situation, to apply knowledge to new situations, use given content to interpret a situation provide an example, or solve a problem)	2	3	2	21	26%
4.	High Order Thinking Skills (Analysis & Synthesis-Classify, compare, contrast, or differentiate between different pieces of information, Organize and/or integrate unique pieces of information from a variety of sources)	2	3	1	16	20%
5.	Creating, Evaluation and Multi-Creating Evaluation and Multi-Disciplinary (Generating new ideas, product or ways of viewing things Appraise, judge, and/or justify the value or worth of a decision or outcome, or to predict outcomes based on values).	--	2	--	6	08%
6.	<b>Map</b>	<b>2</b>	<b>1</b>	<b>--</b>	<b>5</b>	<b>06%</b>
	<b>Total</b>	<b>1×9 = 9</b>	<b>3×12 =36</b>	<b>5×7=35</b>	<b>80</b>	<b>100%</b>

**CLASS - X**  
**2017-18**  
**LIST OF MAP ITEMS FOR SOCIAL SCIENCE**

**A. History - Outline Political Map of India**

Lesson - 3 Nationalism in India - (1918-1930).

For locating and labelling / Identification.

**1. Indian National Congress Sessions :**

Calcutta (Sep. 1920)

Nagpur (Dec. 1920)

Madras (1927)

Lahore (1929)

**2. Important Centres of Indian National Movement**

(Non-cooperation and Civil Disobedience Movement)

(i) Champaran (Bihar) - Movement of Indigo Planters

(ii) Kheda (Gujarat) - Peasant Satyagrah

(iii) Ahmedabad (Gujarat) - Cotton Mill Workers Satyagraha

(iv) Amritsar (Punjab) - Jallianwala Bagh Incident

(v) Chauri Chaura (U.P.) - calling off the Non Cooperation Movement

(vi) Dandi (Gujarat) - Civil Disobedience Movement

**B. Geography**

Outline Political Map of India

**Chapter 1 : Resources and Development**

Identification only : Major soil Types.

**Chapter 3: Water Resources**

Locating and Labelling -

**Dams :**

- (i) Salal
- (ii) Bhakra Nangal
- (iii) Tehri
- (iv) Rana Pratap Sagar
- (v) Sardar Sarovar
- (vi) Hirakud
- (vii) Nagarjuna Sagar
- (viii) Tungabhadra. (Along with rivers)

**Chapter 4 : Agriculture**

Identification only :

- (a) Major areas of Rice and Wheat.
- (b) Largest/Major producer states of Sugarcane; Tea; Coffee; Rubber; Cotton and Jute.

**Chapter 5: Mineral and Energy Resources**

Minerals : (Identification only)

**(i) Iron ore mines:**

Mayurbhanj  
Durg  
Bailadila  
Bellary  
Kudremukh

**(ii) Mica mines :**

Ajmer  
Beawar  
NelloreGaya  
Hazaribagh

(iii) Coal mines :

Raniganj

Jharia

Bokaro

Talcher

Korba

Singrauli

Singareni

Neyveli

(iv) Oil Fields :

Digboi

Naharkatia

Mumbai High

Bassien

Kalol

Ankaleshwar

(v) Bauxite deposits :

The Amarkantak plateau

Maikal hills

The plateau region of Bilaspur-Katni.

Orissa Panchpatmali deposits in Koraput district

(vi) Mica deposits :

The Chota Nagpur plateau.

Koderma Gaya - Hazaribagh belt of Jharkhand

Ajmer

Nellore mica belt

**Power Plants :**

(Locating and Labelling only)

(a) Thermal :

Namrup

Talcher

Singrauli

Harduaganj

Korba

Uran

Ramagundam

Vijaywada

Tuticorin

(b) Nuclear :

Narora

Rawat Bhata

Kakrapar

Tarapur

Kaiga

Kalpakkam

**Chapter 6: Manufacturing Industries**

Locating and Labelling Only

(i) Cotton Textile Industries :

Mumbai

Indore

Ahmedabad

Surat

Kanpur

Coimbatore

Madurai

**(ii) Iron and Steel Plants :**

Buranpur  
Durgapur  
Bokaro  
Jamshedpur  
Raurkela  
Bhilai  
Vijaynagar  
Bhadravati  
Vishakhapatnam  
Salem

**(iii) Software Technology Parks :**

Mohali  
Noida  
Jaipur  
Gandhinagar  
Indore  
Mumbai  
Pune  
Kolkata  
Bhubaneswar  
Vishakhapatnam  
Hyderabad  
Bangalore  
Mysore  
Chennai  
Thiruvananthapuram

**Chapter 7: Lifelines of National Economy.**

Identification Only : Golden Quadrilateral, North-South Corridor, East-West Corridor.

**National Highway :**

NH-1

NH-2

NH-7

**Locating and Labelling :****Major Ports :**

Kandla

Mumbai

Jawahar Lal Nehru

Marmagao

New Mangalore

Kochi

Tuticorin

Chennai

Vishakhapatnam

Paradip

Haldia

Kolkata

**International Airports :**

Amritsar (Raja Sansi)

Delhi (India Gandhi International)

Mumbai (Chhatrapati Shivaji)

Thiruvananthapuram (Nedimbacherry)

Chennai (Meenam Bakkam)

Kolkata (Netaji Subhash Chandra Bose)

Hyderabad (Rajiv Gandhi)

**Note :** Items of Locating and Labelling may also be given for Identification.



# विषय सूची

## कक्षा - दसवीं

इतिहास	पेज नं.
1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	1
2. इंडो-चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन	12
3. भारत में राष्ट्रवाद	21
4. भूमंडलीकृत विश्व का बनना	34
5. औद्योगीकरण का युग	41
6. काम, आराम और जीवन	47
7. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनियाँ	54
8. उपन्यास, समाज और इतिहास	61
 भूगोल	
1. संसाधन एवं विकास	70
2. जल संसाधन	80
3. कृषि	88
4. खनिज और ऊर्जा संसाधन	98
5. विनिर्माण उद्योग	108
6. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	118

## राजनीति विज्ञान

1.	सत्ता की साझेदारी	127
2.	संघवाद	134
3.	लोकतंत्र और विविधता	142
4.	जाति, धर्म और लैंगिक मसले	149
5.	राजनीतिक दल	156
6.	लोकतंत्र के परिणाम	162
7.	लोकतंत्र की चुनौतियाँ	167

## अर्थशास्त्र

1.	विकास	171
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षेत्रक	176
3.	मुद्रा और साख	185
4.	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	191
5.	उपभोक्ता अधिकार	199
	प्रश्न-पत्र	206

## यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

---

**महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-**

1. 18वीं सदी में कई देश जैसे जर्मनी, इटली तथा स्विटजरलैंड आदि उस रूप में नहीं थे जैसा कि आज हम इन्हें देखते हैं। ये छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित थे जिनका अपना एक स्वतंत्र शासक था।
2. **1789 की फ्रांसीसी क्रांति** - 1789 की फ्रांसीसी क्रांति राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति थी। इसने फ्रांस में राजतंत्र समाप्त कर प्रभुसत्ता फ्रांसीसी नागरिकों को सौंपी। इस क्रांति से पहले फ्रांस एक ऐसा राज्य था जिसके संपूर्ण भू-भाग पर एक निरंकुश राजा का शासन था।
3. **1804 की नेपोलियन संहिता** - इसे 1804 में लागू किया गया। इसने जन्म पर आधारित विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया। इसने न केवल न्याय के समक्ष समानता स्थापित की बल्कि सम्पत्ति के अधिकार को भी सुरक्षित किया।
4. क्रान्तिकारी फ्रांस उदारवादी प्रजातंत्र का पहला राजनैतिक प्रयोग था। वहाँ वोट देने और चुने जाने का अधिकार केवल उन्हीं पुरुषों को था जिनके पास सम्पत्ति थी। सम्पत्ति विहीन पुरुषों और सभी औरतों को राजनैतिक अधिकारों से वंचित रखा गया। केवल थोड़े ही समय के लिए जैकोबिन शासक के समय सभी व्यस्क पुरुषों को मताधिकार प्राप्त था मगर नेपोलियन की संहिता पुनः सीमित मताधिकार वापिस लाई और उसमें महिलाओं को अवयस्क दर्जा देते हुए उन्हें पिताओं और पतियों के अधीन कर दिया।

- 
5. **वियना कांग्रेस** – 1815 में ब्रिटेन, प्रशा, रूस और ऑस्ट्रिया जैसी यूरोपीय शक्तियों (जिन्होंने मिलकर नेपोलियन को हराया था) के प्रतिनिधि यूरोप के लिए एक समझौता तैयार करने के लिए वियना में इकट्ठा हुए जिसकी अध्यक्षता आस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मैटरनिख ने की।
  6. वर्साय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जनवरी 1871 में जर्मनी का सम्राट घोषित कर दिया।
  7. 1861 में इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।
  8. **राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका :-** राष्ट्रवादी आंदोलन में सभी यूरोपीय राज्यों जैसे फ्रांस, इटली की औरतों ने सक्रिय योगदान दिया। महिलाओं ने अपने समाचार पत्र शुरू किए, अनेक स्वतन्त्र राजनैतिक संगठन बनाये और प्रदर्शनों में भाग लिया। इतना होने पर भी उन्हें असेम्बली के चुनावों में मतदान का अधिकार नहीं था।

## 2. महत्वपूर्ण शब्दावली :-

1. **कुलीन वर्ग** – ये जमीन के मालिक व यूरोपीय महाद्वीप का सबसे शक्तिशाली वर्ग था।
2. **निरंकुशवाद** – एक ऐसी सरकार या शासन व्यवस्था जिसकी सत्ता पर किसी प्रकार का कोई अंकुश नहीं होता।
3. **उदारवाद** – यानि Liberalism शब्द लातिनी भाषा के मूल शब्द liber पर आधारित है। जिसका अर्थ है स्वतंत्रता। नए मध्यम वर्ग के लिए उदारवाद का अभिप्राय था व्यक्ति के लिए आज़ादी व कानून के समक्ष समानता।
4. **जनमत संग्रह** – एक प्रत्यक्ष मतदान जिसके द्वारा एक क्षेत्र की सारी

---

जनता से किसी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए पूछा जाता है।

5. **रूढ़िवाद** – एक ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परंपरा, स्थापित संस्थानों, पौराणिक परंपराओं और रिवाजों पर बल देता है।
6. **यूटोपिया (कल्पनादर्श)** – एक ऐसे समाज की कल्पना जो इतना आदर्श है कि उसका साकार होना लगभग असंभव होता है।
7. **रूमानीवाद** – एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन जो एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था।
8. **नारीवाद** – स्त्री-पुरुष को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समानता की सोच के आधार पर महिलाओं के अधिकारों और हितों का बोध नारीवादी है।
9. **जुंकर्स** – प्रशा की एक सामाजिक श्रेणी का नाम जिसमें बड़े-बड़े जमींदार शामिल थे।
10. **जॉलवेराइन** – यह एक जर्मन शुल्क संघ था जिसमें अधिकांश जर्मन राज्य शामिल थे। यह संघ 1834 में प्रशा की पहल पर स्थापित हुआ था। इसमें विभिन्न राज्यों के बीच शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया गया और मुद्राओं की संख्या दो कर दी जो पहले बीस से भी अधिक थीं यह संघ जर्मनी के आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था।

#### महत्वपूर्ण व्यक्ति :

1. **ज्यूसेपे मेत्सिनी** – इटली का एक महान क्रांतिकारी जिसने “यंग इटली” नामक आंदोलन चलाया और जिसके फलस्वरूप इटली में एकीकरण की भावना को बल मिला। वह राजतन्त्र के घोर विरोधी थे।
2. **गैरीबाल्डी** – इटली का महान क्रांतिकारी जो मेत्सिनी का सहयोगी व समकालीन था। उसने लाल कुर्ती नामक सेना तैयार की जिसकी

---

सहायता से उसने ऑस्ट्रिया को हराया। उसने इटली की स्वतंत्रता के लिए कई आंदोलन किए।

3. **कावूर** – कावूर को इटली का बिस्मार्क माना जाता है। वह इटली के सार्डीनिया राज्य का प्रधानमंत्री था। उसने सर्वप्रथम अपने राज्य को इटली में मिलाने का कार्य किया।
4. **बिस्मार्क** – जर्मनी के इतिहास में अद्वितीय स्थान प्राप्त है। उसने जर्मनी के एकीकरण के लिए 'रक्त तथा लौह की नीति अपनाई। उसके प्रयासों से ही जर्मनी का एकीकरण संभव हुआ।

### प्रतीकों का अर्थ

प्रतीक	महत्त्व
1. टूटी हुई बेड़ियाँ	1. आज़ादी मिलना
2. बाज़ छाप वाला कवच	2. जर्मन समुदाय की प्रतीक शक्ति
3. बलूत पत्तियों का मुकुट	3. वीरता
4. तलवार	4. मुकाबले की तैयारी
5. तलवार पर लिपटी जैतून की डाली	5. शांति की चाह
6. काला, लाल और सुनहरा तिरंगा	6. 1848 में उदारवादी राष्ट्रवादियों का झंडा, जिसे जर्मन राज्यों के ड्यूक्स ने प्रतिबंधित कर दिया
7. उगते सूर्य की किरणें	7. एक नए युग का सूत्रपात

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. फ्रेडरिक सॉरयू कौन था ?
2. अन्स्ट रेनन कौन था ?
3. जर्मन राष्ट्र का रूपक क्या था ? वह किस बात का प्रतीक था ?
4. मांटेस्क्यू ने किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया ?

- 
5. कौन सी विश्वविख्यात घटना को राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति माना जाता है ?
  6. जॉलवेराइन क्या था व किस प्रकार वह जर्मनी के आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था ?
  7. मैत्सिनी द्वारा स्थापित दो भूमिगत संगठनों के नाम लिखिए।
  8. 19वीं सदी में ऐसी कौन सी ताकत उभरी जिसने यूरोप की राजनैतिक और भौतिक दुनिया में भारी परिवर्तन किये ?
  9. बाल्कन क्षेत्र के निवासियों को क्या कहा जाता था ?
  10. वियना कांग्रेस किस वर्ष आयोजित की गई ?
  11. 1815 की वियना सन्धि से किसका सम्बन्ध है ?
  12. नेपोलियन युद्धों के दौरान हुए बदलावों को खत्म करना किस सन्धि का उद्देश्य था ?
  13. किसने कहा था कि जब फ्रांस छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी जुकाम हो जाता है ?
  14. किस संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी ?
  15. आयरलैंड में प्रोटेस्टेंट के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किसने किया ?
  16. आँखों पर पट्टी बांधे हुए और तराजू लिये हुए महिला किस बात का प्रतीक है ?

### लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक वाले)

1. फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने फ्रांसीसी लोगों में सामूहिक पहचान की भावना किस प्रकार पैदा की ?
2. नेपोलियन ने प्रशासनिक क्षेत्र में क्रान्तिकारी सिद्धांतों का समावेश किया जिसने पूरी व्यवस्था को अधिक कुशल व तर्कसंगत बना दिया। समीक्षा कीजिए ?
3. यूरोप के “राष्ट्र” के विचार के निर्माण में संस्कृति ने किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ?

- 
4. जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ?
  5. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन करें। इसके मार्ग में आने वाली मुख्य बाधाएँ क्या थीं ?
  6. ब्रिटेन में राष्ट्र राज्य का निर्माण एक लंबी प्रक्रिया का परिणाम किस प्रकार था ?
  7. यूरोप में राष्ट्रवाद के उत्थान के लिए कौन से कारण उत्तरदायी थे ?
  8. फ्रांसीसी क्रांति का न केवल फ्रांस पर अपितु पूरे विश्व पर गहरा प्रभाव पड़ा। समीक्षा कीजिए ?
  9. 1804 की नागरिक संहिता के प्रावधानों का उल्लेख कीजिए ?
  10. यूरोप के कुलीन वर्ग की विशेषताएँ लिखिए ?
  11. 1815 की वियना संधि के उद्देश्य बताइए। इसके प्रमुख प्रस्ताव व व्यवस्थाओं का वर्णन कीजिए।
  12. यूरोप में उदारवादियों द्वारा समर्थित राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक आदर्श क्या थे ?
  13. औद्योगिकरण की वृद्धि ने किस प्रकार यूरोप के सामाजिक और राजनैतिक समीकरण बदल दिए ?
  14. यूरोप के राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका क्या थी ?
  15. 19वीं सदी में यूरोप में राष्ट्रवाद की लहर के क्या कारण थे ?
  16. 1815-1914 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय केन्द्रों के तीन प्रवाहों को विस्तार से लिखिए ?

### उत्तर माला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. फ्रांसीसी चित्रकार
2. फ्रांसीसी दार्शनिक
3. जर्मनिया। जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।
4. शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत या अधिकार विभाजन



- 
5. फ्रांसीसी क्रांति
  6. एक जर्मन शुल्क संघ। अधिकांश जर्मन राज्य शामिल थे। 1834 में स्थापित इस संघ ने विभिन्न जर्मन राज्यों के बीच शुल्क अवरोधों को समाप्त किया व मुद्राओं की संख्या तीस से दो कर दी। इस प्रकार यह आर्थिक एकीकरण का प्रतीक था।
  7. 1) यंग इटली 2) यंग यूरोप
  8. राष्ट्र राज्य का उदय
  9. स्लाव
  10. 1815
  11. ड्यूक मैटरनिख
  12. वियना संधि
  13. मैटरनिख
  14. कांस्टेन्टीनोपल संधि
  15. वोल्फटोन
  16. न्याय

**लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले)**

1.
  - ★ पितृभक्ति और नागरिकता के विचार
  - ★ नए राष्ट्रीय चिह्न
  - ★ केन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था
  - ★ राष्ट्रीय भाषा
  - ★ एक समान भार व मान की व्यवस्था।
2. नेपोलियन की संहिता
  - ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार
  - शहरी क्षेत्र में सुधार
  - व्यापार में सुधार

- 
3. 1) कला, काव्य, कहानियों, संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित किया
- 2) लोकगीत, जन-काव्य व लोक नृत्य
- 3) स्थानीय बोलियों व लोक साहित्य पर बल
- 4) भाषा
4. ★ आरंभ विलियम प्रथम के प्रशा के सिंहासन पर आसीन होना।
- ★ बिस्मार्क द्वारा जर्मन एकीकरण की भूमिका तैयार करना।
- ★ वियना कांग्रेस
- ★ फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट
- ★ एकीकरण में बाधाएँ
- ★ बिस्मार्क द्वारा ऑस्ट्रिया, फ्रांस आदि पराजित, विश्व शक्तियों को तटस्थ किया व एकीकृत जर्मनी का एक राष्ट्र के रूप में उभरना।
5. एकीकरण की प्रक्रिया :-
- 1832 - कावूर सार्डीनिया का प्रधानमंत्री बना। फ्रांस से संधि, ऑस्ट्रिया पराजित व 1859 में लुंबार्डी को राज्य में मिला लिया।
- द्वितीय चरण - मोडेना, टस्कनी, पार्मा आदि का जनमत संग्रह द्वारा सार्डीनिया में विलय।
- तृतीय चरण - 1860 में गैरीबाल्डी द्वारा सिसली व नेपल्स पर विजय।
- चतुर्थ चरण - वेनेशिया व रोम पर अधिकार।
- 1871 में पोप से समझौता व एकीकृत इटली का उदय।

एकीकरण में बाधाएँ :-

- 1) राजनीतिक विखंडन का लंबा इतिहास
- 2) विदेशी शक्तियों का आधिपत्य
- 3) पोप का शासन

- 
- 4) वियना कांग्रेस
- 5) अनुदारवादी शासक।
6. यह किसी उथल-पुथल या क्रांति का नहीं, एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया का नतीजा था।
- पहले नृजातीय पहचान। राष्ट्र की अहमियत व सत्ता में वृद्धि।
  - 1688 में राजतंत्र से संसद द्वारा ताकत छीने जाना
  - 1707 में यूनाइटेड किंगडम ऑफ ब्रिटेन का गठन।
  - स्कॉटलैंड पर प्रभुत्व। आयरलैंड को 1801 में बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल किया गया।
  - नए ब्रिटिश राष्ट्र का निर्माण। आंग्ल संस्कृति का दबदबा।
  - राष्ट्र के प्रतीक - झंडा व राष्ट्रगान को बढ़ावा। पुराने राष्ट्र मात्र सहयोगी रूप में।
7. यूरोप पर प्रभाव - 1) राष्ट्र-राज्यों का उदय 2) लोकतंत्रीय सिद्धांत को बढ़ावा 3) सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक समानता पर बल 4) अन्य राष्ट्रों में मानवीय अधिकारों की मांग 5) निरंकुश राजतंत्रों में क्रांतिकारी प्रतिक्रियाएँ।
8. फ्रांस पर प्रभाव - 1) लोकतांत्रिक शासन की स्थापना 2) लोक कल्याणकारी कार्य 3) समानता, स्वतंत्रता, भ्रातृत्व से भरे नए समाज की नींव 4) नवीन कानून संहिता लागू 5) नेशनल असेंबली का गठन 6) आर्थिक एकीकरण 7) कानून के समक्ष बराबरी, 8) संपत्ति का अधिकार सुरक्षित।
- 1) मध्यम वर्ग का उदय 2) उदारवादी विचारधारा का प्रारंभ 3) यूनान का स्वतंत्रता संग्राम 4) संस्कृति व भाषा की भूमिका 5) जन विद्रोह
-

- 
9.     ★     जन्म पर आधारित सुविधाओं की समाप्ति।  
      ★     सम्पत्ति के अधिकार की बहाली  
      ★     ज़मींदारी व सामंती व्यवस्था की समाप्ति।  
      ★     यातायात तथा संचार व्यवस्था में सुधार।  
      ★     मानक नाप-तौल के पैमाने चलाए गए।  
      ★     एक राष्ट्र मुद्रा चलाई गई।
10.    --     जीवन जीने की समान शैली  
      --     भू-स्वामित्व  
      --     कूटनीतिक भाषा  
      --     आपस में वैवाहिक संबंध  
      --     उच्च वर्गों के बीच फ्रेंच भाषा का प्रयोग
11.    1)     उत्तर नीदरलैंड में साम्राज्य की स्थापना  
      2)     दक्षिण में जेनेवा को पिडमाण्ट के साथ मिला दिया गया।  
      3)     प्रशा को पश्चिम में नए क्षेत्र दिए गए।  
      4)     पूर्व में रूस को पोलैंड का हिस्सा दे दिया गया।  
      5)     ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया।
12.    ★     कानून के समक्ष समानता  
      ★     व्यस्क मताधिकार के पक्ष में नहीं  
      ★     बाज़ार की स्वतंत्रता तथा राज्य द्वारा वस्तुओं एवं पूंजी के प्रवाह पर लगे प्रतिबन्ध को समाप्त करने के पक्षधर।
13.    1)     पश्चिमी और मध्य यूरोप के हिस्सों में औद्योगिक उत्पादन और व्यापार में वृद्धि। शहरों का विकास और वाणिज्यिक वर्गों का उदय।
-

- 
- 2) श्रमिक व मध्य वर्ग का उदय।
  - 3) कुलीन विशेषाधिकार की समाप्ति के विचारों की लोकप्रियता।
- 
14. -- स्वयं के राजनैतिक संगठन बनाना।  
-- समाचार पत्रों का प्रकाशन।  
-- मताधिकार प्राप्त नहीं। मताधिकार प्राप्ति हेतु संघर्ष।  
-- राजनैतिक बैठकों तथा प्रदर्शनों में हिस्सा लेना।
- 
15. 1) जनता पर अत्याचार  
2) निरंकुश शासन व्यवस्था  
3) उदारवादी विचारों का प्रसार  
4) स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व का नारा।  
5) शिक्षित मध्य वर्ग की भूमिका।
- 
16. 1) वस्तुओं का प्रवाह  
2) पूँजी का प्रवाह  
3) लोगों का प्रवाह।

---

## इतिहास कक्षा 10वीं

### अध्याय - 2

## इंडो चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन

---

महत्वपूर्ण घटनाएँ / तथ्य :-

1. औपचारिक रूप से वियतनाम को 1945 में स्वतंत्रता मिली।
2. इंडो चाइना तीन देशों से मिलकर बना है - वियतनाम, कंबोडिया और लाओस।
3. 1858 में फ्रांस ने पहली बार वियतनाम में प्रवेश किया। धीरे-धीरे उसने पूरे वियतनाम पर कब्जा कर लिया।
4. 1887 ई० ने फ्रेंच इंडो चाइना का गठन किया गया।
5. फ्रांसीसी शिक्षा देकर अपनी सभ्यता के रंग में रंगना चाहते थे।
6. 1907 में टोंकिन फ्री स्कूल खोला गया। विज्ञान, स्वच्छता व फ्रांसीसी भाषा की कथाएँ शामिल थीं।
7. 1926 में साइगॉन नेटिव गर्ल्स स्कूल में आंदोलन। विवाद का कारण कतार में बैठने के लिए कहना।
8. 1903 हनोई में ब्यूबॉनिक प्लेग की महामारी फैल गई। चूहों को पकड़ने की मुहिम शुरू हो गई।
9. होआ - हाओ आंदोलन (1939)- इस आंदोलन के संस्थापक हुइन्ह फू सो थे। वह जादू टोना करते व गरीबों की मदद करते थे। फ्रांसीसी सरकार ने इन्हें पागल घोषित कर दिया। उन्हें पागल कहकर बुलाया जाता था।
10. 1854 ई० - फ्रांसीसियों की पराजय के बाद जिनेवा में चली शांति वार्ता में वियतनामियों को देश का विभाजन मानने को बाध्य कर दिया गया। उत्तर और दक्षिणी वियतनाम दो अलग-अलग राज्य बन गए।

- 
12. 1974 - में पेरिस में एक शांति सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए गए। अमेरिका के साथ टकराव की समाप्ति।
  13. 1975 ई0 में एन.एल.एफ द्वारा राष्ट्रपति महल पर कब्जा व वियतनाम के दोनों राष्ट्रों को मिलाकर एक राष्ट्र की स्थापना कर दी गई।

### महत्वपूर्ण शब्दावली :-

1. **औपनिवेशिक व्यवस्था** - वह व्यवस्था जिसमें कोई देश किसी दूसरे देश पर कब्जा करके उसका आर्थिक और राजनीतिक शोषण करे, औपनिवेशिक व्यवस्था कहलाती है।
2. **समन्वयवाद** - एक ऐसा विश्वास जिसमें विभिन्नताओं की बजाय समानता पर ध्यान देते हुए अलग-अलग मान्यताओं और आचारों को एक दूसरे के साथ लाने का प्रयास किया जाता है।
3. **यातना शिविर** - एक प्रकार की जेल जिसमें कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ही लोगों को कैद में डाल दिया जाता है व उन्हें कठोर यातनाएँ दी जाती हैं।
4. **गणतंत्र** - आम जनता की सहमति और जन-प्रतिनिधित्व पर आधारित शासन व्यवस्था।
5. **साम्यवाद** - एक राजनैतिक आंदोलन जो एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था पर विश्वास करता है जिसमें राज्य जनता की ओर से सभी उत्पादन साधनों पर नियंत्रण रखता है। इसका उद्देश्य समाज में सभी को समान अधिकार देना है।
6. **नापाम** - अमेरिका में विकसित किया गया एक ऐसा ऑर्गेनिक रसायन जो धीरे-धीरे जलता है और मानव त्वचा जैसी किसी भी सतह के संपर्क में आने पर उससे चिपक जाता है व जलता रहता है।
7. **स्कॉलर्स रिवोल्ट** - एक आंदोलन जो 1868 में फ्रांसीसी कब्जे और ईसाई धर्म के प्रसार के खिलाफ प्रारंभ हुआ था। इस आंदोलन की बागडोर शाही दरबार के अफसरों के हाथों में थी।

---

### महत्वपूर्ण व्यक्तित्व :

1. **फान चू त्रिन्ह** – वियतनाम के एक राष्ट्रवादी नेता थे जो राजतंत्र के कट्टर विरोधी थे। वे फ्रांसीसियों को देश से निकालने के लिए शाही दरबार अथवा राजा की सहायता लेने के पक्ष में नहीं थे।
2. **हुइन्-फू सो** – वे होआ-होआ आंदोलन के संस्थापक थे जो 1939 में वियतनाम में प्रारंभ हुआ। वह गरीबों की सहायता करते व जादू टोना करते।
3. **फान बोई चाऊ** – वियतनाम के महत्वपूर्ण राष्ट्रवादी। 1903 में उन्होंने रिबोल्यूशनरी सोसाइटी (दुई वान होई) नामक एक पार्टी का गठन किया।
4. **कन्फ्यूशियस** – ये एक चीनी विचारक थे, उन्होंने सदाचार, व्यवहार बुद्धि और उचित सामाजिक संबंधों को आधार बनाते हुए एक दार्शनिक व्यवस्था विकसित की।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. इंडो चाइना में कौन से देश सम्मिलित हैं ?
2. संरचनागत परियोजनाएँ क्या होती हैं ?
3. 1930 की महामंदी का वियतनाम पर क्या प्रभाव पड़ा ?
4. वियतनाम की लपलपाती चिंगारी किसे कहा जाता था और क्यों ?
5. एजेंट ऑरेंज क्या है ? अमेरिकी सेनाओं ने वियतनाम पर इसका छिड़काव क्यों किया ?
6. उपनिवेशों को क्यों स्थापित किया गया ?



- 
7. सन यात सेन कौन था ?
  8. कन्फ्यूशियस कौन था ?
  9. 1903 में हनोई के नवनिर्मित आधुनिक भाग में कौन सी महामारी फैली थी ?
  10. एकतरफा अनुबंध व्यवस्था से क्या तात्पर्य है ?

### 3/5 अंक वाले प्रश्न -

1. वियतनाम पर फ्रांसीसियों के कब्जे के बाद टकराव क्यों होने लगा ? कारण लिखो।
2. वियतनाम की सम्पदा का शोषण करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए फ्रांसीसियों द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या करो।
3. फ्रांसीसियों ने वियतनाम में संरचनात्मक परियोजनाओं का निर्माण क्यों और कैसे किया ?
4. वियतनाम के बँटवारे से पूरा देश युद्ध के मोर्चे में तब्दील होकर रह गया। इस कथन की पुष्टि कीजिए।
5. उन संरचनात्मक परियोजनाओं का वर्णन कीजिए, जिन्हें फ्रांसीसी उपनिवेशकों ने वियतनाम में विकसित किया।
6. उपनिवेशों का विकास करना क्यों जरूरी है ? कारण लिखो।
7. फ्रांसीसियों की शिक्षा नीति का वर्णन करें। वियतनाम में टोंकिन प्री स्कूल खोलने के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए।
8. चीन में शुरू हुए पूर्व की ओर चलो आन्दोलन की क्या विशेषताएँ थीं ?
9. स्वतंत्रता के लिए वियतनाम के संघर्ष में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
10. हो चि मिन्ह मार्ग की चार विशेषताओं का वर्णन करो।

- 
11. फ्रांसीसियों द्वारा प्लेग की समस्या को हल करने के लिए कौन से कदम उठाए गए ?

### उत्तर माला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया
2. ऐसी विशाल परियोजनाएँ जिनसे अर्थव्यवस्था का ढाँचा तैयार होता है।
3. वियतनाम पर प्रभाव -
  - 1) रबड़ और चावल के दाम गिर गए।
  - 2) किसानों पर कर्जा बढ़ने लगा।
  - 3) बेरोजगारी में तेजी से वृद्धि।
4. न्हो अल और हा तिन्ह प्रांतों को रैडिकल आंदोलन की चली आ रही एक लंबी परंपरा के कारण लपलपाती चिंगारी कहा जाता था।
5. एक ऐसा जहर जिसके छिड़काव से पेड़ों की पत्तियाँ झड़ जाती हैं, पौधे मर जाते हैं। जिन ड्रमों में इसे रखा जाता था उन पर ऑरेंज रंग की पट्टियाँ बनी होती थीं। इस जहर का छिड़काव इसलिए किया गया क्योंकि वे वियतनाम के जंगलों को नष्ट कर देना चाहते थे।
6. साम्राज्यवादी देश की भलाई के लिए।
7. चीन के महान नेता थे।
8. चीनी दार्शनिक
9. ब्यूबॉनिक प्लेग
10. ऐसा अनुबंध जिसके तहत मजदूरों को कोई अधिकार नहीं दिए जाते थे। शर्तों के अनुसार काम न कर पाने पर मालिक उनके खिलाफ मुकदमें दायर कर देते, उन्हें सजा देते व जेलों में डाल देते थे।

---

### 3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1.
  - 1) फ्रांसीसियों का दबाव सबसे ज्यादा सैनिक व आर्थिक मामलों में था।
  - 2) उन्होंने वियतनामी संस्कृति को तहस-नहस करने की कोशिश की।
  - 3) फ्रांसीसियों और उनके वर्चस्व का अहसास करने वाली हर चीज के खिलाफ वियतनाम के लोगों ने विरोध किया।
  - 4) यहाँ से वियतनाम में राष्ट्रवाद के बीज पड़े।
2.
  - फ्रांसीसियों ने मेकांग डेल्टा इलाके में खेती बढ़ाने के लिए नहर बनवाई, जल निकासी का प्रबंध।
  - लोगों को जबरन काम पर लगाया गया।
  - चावल के उत्पादन में वृद्धि। संसार का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन गया।
3. 

वस्तुओं के आवागमन, फौजी टुकड़ियों की आवाजाही और पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कायम करने के लिए।

  - विशाल रेल नेटवर्क का निर्माण। वियतनाम के उत्तरी व दक्षिणी भागों को जोड़ा गया।
  - रेल लाइन के जरिए कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह के रास्ते से होते हुए वियतनाम को स्याम देश से जोड़ दिया गया।
  - फ्रांसीसी व्यवसायियों द्वारा कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए सरकार पर दबाव।
4.
  - ★ अपने ही लोगों और पर्यावरण की तबाही।
  - ★ तख्तापलट में बायो डाई को गद्दी से हटाया गया। दिएम की अगुवाई में एक और निरंकुश शासन की स्थापना।
  - ★ तानाशाही के खिलाफ एन.एल.एफ की स्थापना। इसने हो ची मिन्ह

---

के नेतृत्व वाली सरकार की सहायता से देश के एकीकरण के लिए आवाज़ उठाई।

5. -- विनयनाम के मेकोंग डेल्टा इलाके में खेती बढ़ाने के लिए सबसे पहले वहाँ नहरें बनाई, जल निकासी प्रबंध शुरू किया।
- सिंचाई व्यवस्था का विस्तार किया गया। कई नहरें व भूमिगत जल धाराएँ बनाई गई।
- लोगों को जबरन काम पर लगाने से चावल के उत्पादन में वृद्धि हुई। वियतनाम चावल का दुनिया में 1931 तक तीसरा बड़ा निर्यातक बन चुका था।
6. 1) उपनिवेशों का विकास गुलाम देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हुआ।
- 2) विकास जरूरी है जिससे मुनाफा कमाया जा सकता है।
- 3) जीवन स्तर बेहतर होगा, वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे।
- 4) बाजार फैलेगा तो फ्रांसीसी व्यापारियों को फायदा होगा।
7. **फ्रांसीसियों की शिक्षा नीति :-**
- 1) मुख्य प्रश्न – शिक्षा किस हद तक दी जाए, किस भाषा में दी जाए।
- 2) धनी वर्ग पर चीनी संस्कृति का गहरा प्रभाव।
- 3) परंपरागत शिक्षा को तहस नहस किया। फ्रांसीसी किस्म के स्कूल खुले।
- 4) फ्रांसीसी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने का दबाव नीति निर्माताओं द्वारा। कुछ का विचार था कि छोटी कक्षाओं में वियतनामी और बड़ी में फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा दी जाए।
- 5) किताबों में फ्रांसीसियों और औपनिवेशिक शासन का गुणगान।

---

वियतनामियों को आदिम और पिछड़ा दर्शाया जाता जो बौद्धिक कार्य के लायक नहीं हैं।

- 6) 1907 में पश्चिमी शिक्षा प्रदान करने के लिए टोंकिन फ्री स्कूल खोला गया। स्कूल छात्रों को पश्चिमी शैली को अपनाने के लिए उकसाता था।
- 7) विद्यार्थियों को जानबूझकर फेल करना ताकि वे अच्छी नौकरियों की योग्यता प्राप्त न कर सकें।
- 8) पुस्तकों और पाठ्यक्रम का शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा विरोध हुआ।
- 9) शिक्षा के खिलाफ चल रहा संघर्ष धीरे-धीरे उपनिवेशवाद के विरोध और स्वतंत्रता के हक में चलने वाला व्यापक आंदोलन बन गया।

**टोंकिन फ्री स्कूल खोलने का उद्देश्य :-**

- 1) फ्रांसीसी वियतनामियों को पश्चिमी ढंग की शिक्षा देना चाहते थे।
  - 2) विज्ञान, स्वच्छता, फ्रांसीसी भाषा और साहित्य शामिल थे।
  - 3) कक्षाएँ शाम को लगती थीं। इनके लिए फीस अलग देनी होती थी।
  - 4) बच्चों को छोटे-छोटे बाल रखने की सलाह दी जाती थी।
- 8.
- 1) 20वीं सदी के शुरू में चीन में शुरू।
  - 2) 300 वियतनामी विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने जापान गए।
  - 3) वियतनाम से फ्रांसीसीयों को निकालना।
  - 4) जापानियों से हथियार व समर्थन की मांग।
  - 5) वियतनामी विद्यार्थियों ने टोकियो में रेस्टोरेशन सोसायटी की स्थापना की।
- 9.
- 1) 1960 के दशक के पत्र-पत्रिकाओं में दुश्मन से लोहा लेती औरतों की तस्वीर छपने लगी।

- 
- 2) योद्धा के रूप में ही नहीं बल्कि कामगारों के रूप में भी पेश किया गया।
  - 3) बूढ़ी या जवान औरतों को निःस्वार्थ भाव से देश की रक्षा करते दिखाया।
- 10.
- 1) इस मार्ग पर सड़कों का एक बड़ा जाल है जो पड़ोसी देशों से जोड़ता है।
  - 2) फुटपथों और सड़कों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से सैनिक व रसद सामग्री भेजी जाती थी।
  - 3) इन मार्गों पर जगह-जगह छोटे सैनिक अड्डे व अस्पताल बने थे।
  - 4) माल ढुलाई का काम कुली करते थे।
- 11.
- 1) 1902 में चूहों को पकड़ने की मुहिम शुरू की गई।
  - 2) चूहे के बदले ईनाम दिया जाने लगा।
  - 3) ईनाम के चक्कर में चूहे पकड़ते और छोड़ देते।
  - 4) हनोई नगर में सफाई अभियान।

---

## इतिहास कक्षा 10वीं

### अध्याय - 3

## भारत में राष्ट्रवाद

---

**महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-**

1. 1885 ई0 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना।
2. 1915 में महात्मा गांधी भारत लौटे। इससे पहले वे दक्षिण अफ्रीका में थे। भारत आने के उपरांत 1916 में उन्होंने नील की खेती कर रहे किसानों की मदद के लिए चंपारन सत्याग्रह, 1917 में गुजरात के किसानों की मदद के लिए खेड़ा सत्याग्रह व 1918 में सूती कपड़ा कारखाने के मजदूरों के लिए अहमदाबाद मिल सत्याग्रह का आयोजन किया।
3. 18 मार्च, 1919 में रॉलेट एक्ट कानून के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया। इस कानून में राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का प्रावधान था।
4. 13 अप्रैल, 1919 जलियाँवाला बाग हत्याकांड। पंजाब के अमृतसर जिले में जनरल डायर के आदेश पर सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई।
5. 1920-22 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन चलाया गया। यह निर्णय 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में हुआ।
6. 1922 में गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा में बाज़ार से गुजर रहा एक शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया। इस हिंसक घटना के कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
7. 1928 में जब साइमन कमीशन भारत पहुँचा तो उसका विरोध साइमन वापस जाओ के नारों से हुआ।

- 
8. 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस ने लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग की। 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया।
  9. 1930 में गाँधीजी ने वायसराय इर्विन को एक खत लिखा जिसमें उन्होंने 11 माँगों का उल्लेख किया। माँगों के न माने जाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन छेड़ने की बात की।
  10. 11 मार्च, 1930 को गाँधीजी ने 78 वॉलंटियरों के साथ नमक कानून तोड़ते हुए डांडी यात्रा की शुरुआत की और सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हो गया।
  11. 1931 में गाँधीजी ने अस्थायी रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन को रोक दिया व द्वितीय गोल मेज सम्मेलन में भाग लेने लंदन गए। यह वार्ता बीच में ही टूट गई व उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। वापस आकर आंदोलन फिर शुरू किया जो 1934 तक मंद पड़ते-पड़ते समाप्त हो गया।
  12. पूना पैक्ट - दूसरे गोल मेज सम्मेलन में अलग निर्वाचन क्षेत्रों के सवाल को लेकर डॉ अंबेडकर एवं गाँधीजी के बीच काफी वाद-विवाद हुआ। अंत में पूना पैक्ट के तहत पूर्व घोषित पिछड़ा वर्ग चुनाव क्षेत्र को समाप्त कर दिया व उनके लिए कुल 148 स्थान आरक्षित रखे गए।

### महत्वपूर्ण शब्दावली -

1. सत्याग्रह - सत्याग्रह का अर्थ है सत्य के लिए आग्रह करना। यदि उद्देश्य सच्चा है और अन्याय के खिलाफ है तो उत्पीड़न के खिलाफ मुकाबला करने के लिए शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है। सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।



- 
2. **बहिष्कार** – किसी के साथ संपर्क रखने या जुड़ने से इन्कार करना या गतिविधियों में हिस्सेदारी, चीजों की खरीद व इस्तेमाल से इन्कार करना। यह विरोध का एक रूप है।
  3. **गिरमिटिया मज़दूर** – औपनिवेशिक शासन के दौरान बहुत सारे लोगों को काम करने के लिए फिजी, गुयाना, वेस्टइंडीज आदि स्थलों पर ले जाया गया जिन्हें बाद में गिरमिटिया कहा जाने लगा। जिस अनुबंध के सहारे उन्हें ले जाया गया उसे ये मज़दूर गिरमिट कहने लगे।
  4. **स्वदेशी** – अपने देश में बनी वस्तुओं, देशी संस्थाओं, अदालतों का प्रयोग करना जिससे स्वदेशी उद्योगों के हितों को प्रोत्साहन मिले।
  5. **सविनय अवज्ञा** – विनम्रतापूर्वक सरकार की आज्ञा की अवहेलना करना जिससे ब्रिटिश सरकार शासन न चला पाए। इसे गाँधीजी ने प्रारंभ किया।
  6. **खलीफा** – मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरु।
  7. **बेगार** – बिना किसी पारिश्रमिक के किसी से काम करवाना।
  8. **हरिजन** – गाँधीजी द्वारा अछूतों को हरिजन या ईश्वर की संतान बताया गया।
  9. **मार्शल लॉ** – कर्फ्यू के दौरान वह स्थिति जिसमें सेना को किसी के बाहर दिखने पर गोली मार देने के कड़े निर्देश होते हैं।
  10. **पिकेटिंग** – प्रदर्शन या विरोध का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री, दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं।

---

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किन महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ किया ?
2. किसके नेतृत्व में अवध किसान सभा का गठन किया गया ?
3. साइमन कमीशन कब भारत पहुँचा व इसका विरोध क्यों हुआ ?
4. दक्षिण अफ्रीका से आने के बाद गाँधीजी ने किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन चलाया ? 3
5. मद्रास के नटेश शास्त्री ने तमिल के किस विशाल संकलन को चार खंडों में प्रकाशित किया ?
6. सत्याग्रह के विचार में किन दो बातों पर जोर दिया जाता है ?
7. रॉलेट एक्ट को काला कानून क्यों कहा गया ?
8. वंदे मातरम् गीत कब और किसने लिखा ? इसमें किसका गुणगान किया गया है ? 3
9. ब्रिटिश सरकार ने 1857 के पश्चात प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध क्यों लगा दिया ?
10. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई और कहाँ ?
11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष कौन थे ?
12. 1922 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया ?
13. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई ?
14. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई ?
15. गाँधी जी ने किस वर्ष बिहार के चंपारन इलाके का दौरा किया ?
16. असहयोग व खिलाफत आंदोलन कब शुरू हुआ ?
17. असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसानों का नेतृत्व किसने किया ?

- 
18. आंध्र प्रदेश की गूडेम पहाड़ियों में आदिवासी किसानों के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया ?
  19. किस दशक की शुरुआत में उग्र गुरिल्ला आंदोलन फैला था ?
  20. पूना पैक्ट किनके बीच हुआ था ?
  21. डिस्कवरी ऑफ इंडिया पुस्तक का लेखक कौन था ?
  22. अवनींद्रनाथ टैगोर कौन थे ?
  23. खिलाफत आन्दोलन किसने शुरू किया था ?
  24. साइमन कमीशन भारत कब पहुंचा था ?

### लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. असहयोग आंदोलन आरंभ किए जाने के क्या कारण थे ? इस आंदोलन में समाज के विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी पर प्रकाश डालिए। इसके कार्यक्रम/ कार्य पद्धति, प्रगति एवं अंततः समाप्ति को समझाइए।
2. खिलाफत आंदोलन को प्रारम्भ करने के मुख्य कारण कौन से थे ? भारतीय राष्ट्र आंदोलन में उसका क्या योगदान था ?
3. सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति लोगों और औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की ? किन परिस्थितियों में गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने का निर्णय लिया।
4. सक्रिय राजनीति में भाग लेने से पूर्व गाँधीजी ने किन-किन स्थानों पर सत्याग्रह आंदोलन किए ? इनके प्रारंभ होने के क्या कारण थे ?
5. “प्रथम विश्वयुद्ध” ने एक नई आर्थिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी। समीक्षा कीजिए।

- 
6. गाँधीजी की नमक यात्रा कई कारणों से उल्लेखनीय थी। समीक्षा कीजिए। सविनय अवज्ञा आंदोलन की सीमाएँ क्या थीं? इसके महत्व का वर्णन कीजिए।
  7. भारत में राष्ट्रवाद की भावना पनपने में किन कारकों का योगदान था? राष्ट्रवाद के विकास का विश्व पर क्या प्रभाव पड़ा?
  8. असम में बागान मज़दूरों के लिए स्वराज की अवधारणा क्या थी?
  9. भारतीयों ने साइमन कमीशन का विरोध क्यों किया?
  10. भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे?
  11. गाँधी-इर्विन समझौते की विशेषताएँ क्या थीं?
  12. सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन के मुकाबले किस तरह अलग था? सविनय अवज्ञा आंदोलन की विशेषताएँ लिखिए।
  13. 1916 के लखनऊ समझौते का इतिहास में क्या महत्व था?
  14. सत्याग्रह के विचार का क्या अर्थ है?
  15. अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे? असहयोग आंदोलन में उनका योगदान बताइए।

### उत्तरमाला :-

#### 1 अंक वाले प्रश्न

1.
  - 1) नमक कानून तोड़ कर
  - 2) स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर व विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके।
2. बाबा रामचंद्र
3. यह 1927 में भारत पहुँचा। किसी भारतीय सदस्य को इसमें न शामिल किए जाने के कारण इसका विरोध हुआ।
4.
  - 1) चम्पारन
  - 2) खेड़ा
  - 3) अहमदाबाद

- 
5. 'द फोकलोर्स ऑफ सदरन इंडिया'
  6. 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह  
2) सत्य की खोज
  7. इस अन्यायपूर्ण एक्ट के द्वारा राजनैतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया।
  8. 1870 में बंकिम चन्द्र चटर्जी ने लिखा। इसमें भारत माता का गुणगान किया गया है।
  9. भारतीय समाचार पत्रों द्वारा राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के कारण।
  10. 1885 में
  11. व्योमेश चन्द्र बनर्जी
  12. चौरी-चौरा में हिंसात्मक घटना के कारण
  13. महात्मा गाँधी
  14. 1906 में
  15. 1917 ई में
  16. जनवरी 1920 ई. में
  17. बाबा रामचन्द्र
  18. अल्लूरी सीताराम राजू
  19. 1920 के दशक में
  20. रवीन्द्रनाथ टैगोर
  21. गाँधी जी और डा. अम्बेडकर के बीच समझौता हुआ।
  22. जवाहर लाल नेहरू
  23. चित्रकार
  24. अली भाइयों (मुहम्मद अली, शौकत अली)
  25. 1928
-

---

### लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. आंदोलन के कारण :-

- प्रथम महायुद्ध की समाप्ति पर अंग्रेजों द्वारा भारतीय जनता का शोषण।
- अंग्रेजों द्वारा स्वराज प्रदान करने से मुकर जाना।
- रॉलेट एक्ट का पारित होना
- जलियाँवाला बाग हत्याकांड
- कलकत्ता अधिवेशन में 1920 में कांग्रेस द्वारा असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव बहुमत से पारित।

विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी :-

1. शहरों में आन्दोलन
2. ग्रामीण इलाकों में विद्रोह
3. आदिवासी क्षेत्रों में विद्रोह
4. बागानों में स्वराज

कार्यपद्धति, प्रगति -

1. चरणबद्ध योजना प्रक्रिया।
2. प्रथम चरण - सरकारी पदवियों, नौकरियों, सेना, पुलिस, स्कूलों, विद्यार्थी परिषदों व विदेशी वस्तुओं का त्याग।
3. दूसरा चरण - व्यापक स्तर पर सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ होना शामिल था।

समाप्ति - गाँधी जी द्वारा चौरी-चौरा में हुई हिंसक घटना के फलस्वरूप आंदोलन वापस ले लिया गया।

- 
2.     ★     तुर्की साम्राज्य (खलीफा) का अंग्रेजों द्वारा अपमान।  
      ★     लखनऊ समझौते (1916) के बाद कांग्रेस के साथ मुस्लिम लीग का समझौता।  
      ★     असहयोग आंदोलन कांग्रेस द्वारा आरंभ होना तथा मुसलमानों को मिलाकर खिलाफत आंदोलन के साथ करना।

**योगदान :-**

- 1)    हिंदुओं और मुसलमानों में एकता का बीजारोपण।
  - 2)    राष्ट्रीय आंदोलन को बल मिला।
3.    लोगों ने सरकारी कानूनों को भंग करना शुरू कर दिया। आंदोलन को दबाने के लिए सरकार ने कठोरता से काम लिया। हजारों जेल गए। गाँधीजी को कैद कर लिया गया। अब जनता इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने लगी।
4.    1)    1916 में चंपारन सत्याग्रह – नील की खेती करने वाले किसानों के पक्ष में।  
      2)    खेड़ा सत्याग्रह (1917) – किसानों को लगान में छूट दिलवाने के लिए।  
      3)    अहमदाबाद में मिल मजदूर हड़ताल (1918)
5.    --    प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत स्वराज देने का वचन नकार दिया गया।  
      --    आर्थिक स्थिति दयनीय- बेरोज़गारी व बेकारी से मजदूर, शिल्पकार आदि सभी ग्रसित थे।  
      --    युद्ध ने राष्ट्रीयता के भाव जागृत किए। लोग दमनकारी सरकार के विरुद्ध एकजुट हुए।

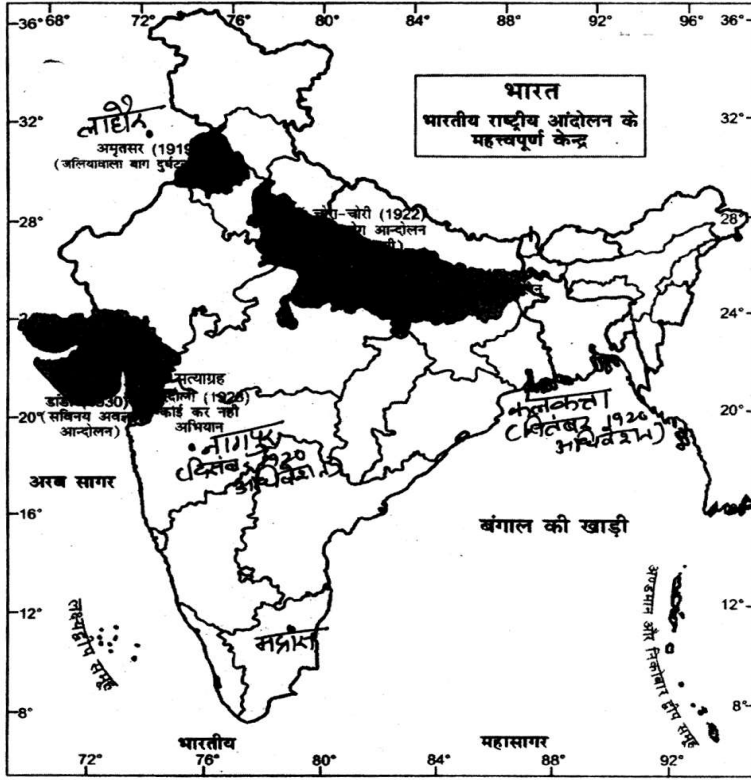
- 
6.    --    नमक कर ब्रिटिश सरकार का सबसे दमनात्मक पहलू बताया गया।
- गाँधीजी द्वारा विश्वस्त वालंटियरों के साथ नमक यात्रा शुरू।
- राष्ट्रीय आंदोलन से आम आदमी के मुद्दे को जोड़ना।
- कानून का उल्लंघन। प्रदर्शन व विदेशी चीजों का बहिष्कार
- शराब की दुकानों पर पिकेटिंग।
- सभी लोग स्वराज की अमूर्त अवधारणा से प्रभावित नहीं थे।
- समाज के सभी वर्गों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं लिया।
- समाज के वर्ग एक दूसरे की तरफ संशुभित थे।
7.    1)    साहित्य, लोक कथाओं, गीतों व चित्रों के माध्यम से राष्ट्रवाद का प्रसार।
- 2)    भारत माता की छवि रूप लेने लगी।
- 3)    लोक कथाओं द्वारा राष्ट्रीय पहचान।
- 4)    चिह्नों और प्रतीकों के प्रति जागरूकता। उदाहरण झंडा।
- 5)    इतिहास की पुनर्व्याख्या।
8.    1)    अनुबंध के नियमों का उल्लंघन।
- 2)    चाय बगानों से बाहर निकलना।
- 3)    असहयोग आंदोलन में सम्मिलित होना।
- 4)    कृषि भूमि तथा सुख सुविधाओं को प्राप्त करना।
9.    1)    समय से पहले गठन।
- 2)    शासन में सुधार जैसी कोई बात नहीं।
- 3)    एक भी भारतीय शामिल नहीं किया गया।
-



- 
10. 1) यह एक काला कानून था।  
2) इस कानून के अंतर्गत किसी को लंबे समय तक जेल में डाला जा सकता था।  
3) विश्व युद्ध के बाद इसे खत्म करना था पर सरकार ने इसे बनाए रखा। इसका विरोध आम जनता ने किया।
11. 1) 5 मई 1931 ई. को गाँधी इरविन समझौता।  
2) सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया जाये।  
3) पुलिस द्वारा किए अत्याचारों की निष्पक्ष जाँच की जाये।  
4) नमक पर लगाए गए सभी कर हटाए जाएँ।
12. 1) इस बार लोगों को न केवल अंग्रेजों का सहयोग न करने के लिए बल्कि औपनिवेशिक कानूनों का उल्लंघन करने के लिए आह्वान किया जाने लगा।  
2) देश के विभिन्न भागों में हजारों लोगों ने नमक कानून तोड़ा तथा सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन किए।  
3) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया जाने लगा।  
4) किसानों ने लगान और चौकीदारों ने कर चुकाने से इन्कार कर दिया।  
5) वनों में रहने वाले लोगों ने वन कानूनों का उल्लंघन करना आरंभ कर दिया।
13. 1) कांग्रेस के नरम दल और गरम दल का एक मंच पर आना।  
2) कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच समझौता।  
3) दोनों का संयुक्त होकर अंग्रेजों से अपनी मांगों को लेकर सामना करना।  
4) बाल गंगाधर तिलक का इसमें बड़ा योगदान था।
-

- 
- 14.
- 1) सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर।
  - 2) प्रतिशोध या बदले की भावना के बिना संघर्ष करना।
  - 3) अहिंसा के बल पर संघर्ष करना।
  - 4) उत्पीड़क शत्रु को नहीं बल्कि सभी लोगों को हिंसा की अपेक्षा सत्य को स्वीकार करने पर विवश करना।
15. अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों के आदिवासी किसानों का नेतृत्व किया।
- 1) वह एक रोचक व्यक्ति थे। इन्हें खगोलीय ज्ञान प्राप्त था।
  - 2) लोगों का मानना था कि उनके पास विशेष शक्तियाँ हैं जिससे वह लोगों को स्वस्थ कर सकते हैं।
  - 3) वह गाँधी जी के प्रशंसक थे।

## भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रमुख केन्द्र



(असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आन्दोलन)

### असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन :-

1. चम्पारन (बिहार) नील उत्पादक किसानों का आन्दोलन - 1917
2. अमृतसर (पंजाब) जलियाँवाला बाग हत्याकांड - 1919
3. चौरी-चौरा (उ.प्र०) असहयोग आन्दोलन की वापसी - 1922
4. बारदौली (गुजरात) कर न चुकाने का अभियान - 1928
5. डंडी (गुजरात) सविनय अवज्ञा आन्दोलन - 1930
6. नागपुर - दिसंबर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन।
7. कलकत्ता (1920 में असहयोग आंदोलन प्रस्ताव पारित)
8. लाहौर (1929 का कांग्रेस अधिवेशन)
9. बम्बई - कांग्रेस का 1940 में अधिवेशन (भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव)
10. मद्रास - 1927 का कांग्रेस अधिवेशन

## भूमंडलीकृत विश्व का बनना

याद रखने की बातें :-

1. सिल्क मार्ग - ये मार्ग एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका के साथ-2 विश्व को जमीन और समुद्र मार्ग से जोड़ते थे।
2. कार्न-ला-वह कानून जिसके सहारे सरकार ने मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी थी! इसे ब्रिटेन ने लगाई थी।
3. रिंडरपेस्ट प्लेग की भाँति फैलने वाली मवेशियों की बीमारी थी। वह बीमारी 1890 ई० के दशक में अफ्रीका में बड़ी तेजी से फैली।
4. ब्रेटन वुड्स यू.एस.ए. में स्थित एक होटल का नाम है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद इस होटल में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था सम्बन्धी एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन को ही ब्रेटन वुड्स समझौते के नाम से जाना जाता है।
5. वस्तुओं का प्रवाह - अंग्रेजी शासन के समय गेहूँ, सूती, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों का प्रवाह भारत से इंग्लैण्ड में होता था।
6. श्रमिकों का प्रवाह - भारत में श्रमिक इंग्लैण्ड के श्रमिकों से सस्ते उपलब्ध थे, इसलिए अंग्रेज इन्हें इंग्लैण्ड चाय, कॉफी, नील तथा तम्बाकू के बागानों में काम करने के लिए ले जाते थे।
7. होसे - दक्षिण अमेरिका के एक देश, त्रिनिदाद में मुहर्रम के सालाना जुलूस के मेले का नाम।
8. G-77 विकासशील देशों का समूह जिन्होंने आर्थिक विकास के लिए आवाज उठाई।
9. वीटो - निषेधाधिकार, इस अधिकार के सहारे एक ही सदस्य की असहमति किसी भी प्रस्ताव को खारिज करने का आधार बन जाती है।

- 
10. आयात शुल्क (Tariff) किसी दूसरे देश से आने वाली चीजों पर वसूल किया जाने वाला शुल्क।
  11. विनिमय दर - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुविधा के लिए विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं को एक दूसरे से जोड़ा जाता है।

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. मित्र राष्ट्रों के नाम बताइए ?
2. दक्षिणी अमेरिका में एल डोराडो क्या है ?
3. किस देश के पास अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में वीटो का प्रभावशाली अधिकार है ?
4. लगभग 500 साल पहले किस फसल के बारे में हमारे पूर्वजों को ज्ञान नहीं था ?
5. कौन से दो आविष्कारों ने 19 वीं सदी के विश्व में परिवर्तन किया ?
6. 1928 से 1934 के बीच भारत में गेहूँ की कीमत 50 प्रतिशत तक क्यों गिर गई ?
7. अमेरिका महाद्वीप की खोज किसने की ?
8. उस यूरोपीय देश का नाम लिखो, जिसने अमेरिका पर विजय प्राप्त की ?
9. भूमंडलीकृत विश्व के बनने में मदद देने वाले कोई दो कारक बताइए।

### लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5)

1. अमेरिका जाने वाले नये समुद्री रास्तों की खोज के बाद विश्व में क्या बदलाव हुए ? तीन उदाहरण देकर स्पष्ट करें।
2. 19वीं सदी में हजारों लोगों द्वारा यूरोप से भागकर अमेरिका जाने के क्या कारण थे ?
3. सूती वस्त्र उद्योगों के औद्योगिकरण का ब्रिटेन में क्या प्रभाव पड़ा ?

- 
4. यूरोपीय लोगों के अफ्रीका की ओर आकर्षित होने के क्या कारण थे ?
  5. व्यापार अधिशेष से क्या अभिप्राय है ? भारत के साथ ब्रिटेन व्यापार अधिशेष की अवस्था में क्यों रहा ?
  6. ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पर प्रथम विश्व युद्ध के क्या प्रभाव पड़े ?
  7. आर्थिक महामंदी के कारण बताइये ?
  8. भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी का क्या प्रभाव पड़ा ?
  9. 19वीं सदी की अनुबंध व्यवस्था को नयी दास व्यवस्था के रूप में वर्णित किया है। उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ?
  10. वैश्वीकरण का क्या अर्थ है ? अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में तीन प्रकार के प्रवाहों का वर्णन कीजिए ?
  11. ब्रेटन-वुड्स समझौते का क्या अर्थ है ?
  12. अफीम युद्ध का क्या अर्थ है। चीन पर अफीम युद्ध के प्रभावों का वर्णन कीजिए ?

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. ब्रिटेन, फ्रांस और रूस।
  2. किंवदंतियों की बदौलत सोने का शहर।
  3. संयुक्त राज्य अमेरिका।
  4. आलू।
  5. (1) भाप इंजन                      (2) रेलवे
  6. महामंदी के कारण
  7. क्रिस्टोफर कोलंबस।
  8. स्पेन
  9. (1) व्यापार  
(2) काम की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जाते लोग  
(3) पूँजी
-

---

### 3 अंक / 5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. (1) आलू का इस्तेमाल शुरू करने पर यूरोप के गरीबों की जिन्दगी में बदलाव आया। उनका भोजन बेहतर हो गया और औसत उम्र बढ़ने लगी।  
(2) गुलामों का व्यापार शुरू हो गया।  
(3) यूरोप में धार्मिक टकराव होते रहते थे इसलिए हजारों लोग यूरोप से भागकर अमेरिका चले गए।
2. (1) कॉर्न-ला को समाप्त करने के बाद कम कीमतों में सामान का आयात।  
(2) भयानक बीमारियों का फैलना  
(3) धार्मिक टकराव।
3. (1) आयात शुल्क के कारण ब्रिटेन में भारतीय कपास के आयात में तेजी से कमी आई।  
(2) भारतीय वस्त्रों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा।  
(3) बाद में निर्माण किए गए सूती उत्पादों के निर्यात में कमी आने के पश्चात् ब्रिटिश निर्माताओं ने बहुत ही सस्ती कीमत पर भारत से कपास का आयात आरम्भ कर दिया।

### 3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

5. (1) जब निर्यात मूल्य आयात मूल्य से अधिक होता है तो इसे व्यापार अधिशेष कहा जाता है।  
(2) 19वीं शताब्दी में बाजारों में ब्रिटेन के बने माल की अधिकता हो गई थी। भारत से ब्रिटेन और शेष विश्व को भेजे जाने वाले खाद्यान्न व कच्चे मालों के निर्यात में इजाफा हुआ।

- 
- (3) लेकिन जो माल भारत भेजा जाता था उसकी कीमत काफी अधिक होती थी और जो भारत से इंग्लैण्ड भेजा जाता था उसकी कीमत काफी कम होती थी इसलिए ब्रिटेन हमेशा व्यापार अधिशेष की अवस्था में रहता था।
6. (1) युद्ध के बाद भारतीय बाजार में अपनी वर्चस्व वाली स्थिति को प्राप्त करना ब्रिटेन के लिए कठिन हो गया।
- (2) ब्रिटेन को विश्व स्तर पर अब जापान से भी मुकाबला करना था।
- (3) अमेरिका से लिए गए कर्ज की वजह से ब्रिटेन युद्ध के बाद भारी विदेशी कर्ज में डूब गया।
- (4) युद्ध के कारण आया आर्थिक उछाल जब शान्त होने लगा तो उत्पादन गिरने लगा और बेरोजगारी बढ़ने लगी।
- (5) इसी समय सरकार ने भारी भरकम शांतिकालीन करों के सहारे उनकी भरपाई करने की कोशिश की। इन प्रयासों से रोजगार भारी मात्रा में समाप्त हो गए।
7. (1) महामंदी की शुरुआत 1929 से हुई और यह संकट 30 के दशक के मध्य तक बना रहा। इस दौरान विश्व के ज्यादातर हिस्सों में उत्पादन, रोजगार, आय और व्यापार में बहुत बड़ी गिरावट दर्ज की गई।
- (2) युद्धोत्तर अर्थव्यवस्था बहुत कमजोर हो गई थी। कीमतें गिरीं तो किसानों की आय घटने लगी और आमदनी बढ़ाने के लिए किसान अधिक मात्रा में उत्पादन करने लगे।
- (3) बहुत सारे देशों ने अमेरिका से कर्ज लिया।
- (4) अमेरिकी उद्योगपतियों ने मंदी की आशंका को देखते हुए यूरोपीय देशों को कर्ज देना बन्द कर दिया।
- (5) हजारों बैंक दिवालिया हो गये।
-



- 
8. (1) 1928 से 1934 के बीच देश का आयात-निर्यात घट कर आधा रह गया।
- (2) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें गिरने से भारत में गेहूँ की कीमत 50 प्रतिशत तक गिर गई।
- (3) किसानों और काश्तकारों को ज्यादा नुकसान हुआ।
- (4) महामंदी शहरी जनता एवं अर्थव्यवस्था के लिए भी हानिकारक।
- (5) 1931 में मंदी चरम सीमा पर थी जिसके कारण ग्रामीण भारत असंतोष व उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा था।
9. (1) एजेंट मजदूरों को फुसलाने के लिए झूठी जानकारीयाँ देते थे।
- (2) एजेंटों द्वारा मजदूरों का अपहरण भी कर लिया जाता था।
- (3) नयी जगह की जीवन एवं कार्य स्थितियाँ कठोर थी।
- (4) वेतन बहुत कम था। काम ठीक से न कर पाने के कारण वेतन काट लिया जाता था।
- (5) मजदूरों के पास कानूनी अधिकार न के बराबर थे।
10. (1) किसी देश की अर्थव्यवस्था विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ जुड़ी होती है।
- (2) पहला प्रवाह व्यापार का होता है जो मुख्यतः कपड़ों एवं गेहूँ के व्यापार तक सीमित था।
- (3) दूसरा प्रवाह श्रम का है जिसमें लोग रोजगार की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं।
- (4) तीसरा प्रवाह पूँजी का होता है जिसे अल्प या दीर्घ अवधि के लिए दूर-दराज के इलाकों में निवेश कर दिया जाता है।
11. (1) 1944 में अमेरिका स्थित न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन में सहमति बनी थी।
- (2) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की स्थापना हुई।
-

- 
- (3) ब्रेटन वुड्स व्यवस्था निश्चित विनिमय दरों पर आधारित होती थी।
12. अफीम युद्ध का अर्थ - जब इंग्लैंड ने चीनियों पर अफीम आयात करने का दबाव डाला तो दोनों देशों के बीच संघर्ष उत्पन्न हो गया जिसको अफीम युद्ध कहा जाता है।
- (1) चीनियों का शारीरिक व नैतिक पतन हुआ।
- (2) चीन को हर्जाने के रूप में 5 बन्दरगाह ब्रिटिश व्यापारियों के लिए खोलने पड़े।
- (3) बिना किसी अवधि के हाँगकाँग को ब्रिटेन को सौंप दिया गया।

## औद्योगीकरण का युग

याद रखने की बातें :-

1. प्राच्य - यह शब्द उन देशों के लिए प्रयोग किया जाता है जो यूरोप के पूर्व में स्थित हैं।
2. पूँजी - यह मुद्रा की बड़ी मात्रा है जिसका निवेश किया जाता है या व्यापार या उद्योग में इस्तेमाल किया जाता है।
3. समाजवादी - जिसमें देश के प्रत्येक व्यक्ति का समान हिस्सा होता है तथा मुख्य उद्योगों पर स्वामित्व और नियंत्रण सरकार का होता है।
4. स्पिनिंग जैनी - एक सूत कातने की मशीन। जो जेम्स हर्ग्रीव्स द्वारा 1764 में बनाई गई थी।
5. स्टेपल - एक व्यक्ति जो रेशों के हिसाब से ऊन को स्टेपल करता है या उसे छांटता है।
6. फुलर्ज - चुन्नटों के सहारे कपड़े को समेटता है।
7. कार्डिंग - वह प्रक्रिया जिससे कपास या ऊन आदि के रेशों को कटाई के लिए तैयार किया जाता है।
8. फलाई शटल - रस्सियों और पुलियों के जरिए चलने वाला एक यांत्रिक औजार है जिसका बुनाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
9. भारत में सबसे पहली जूट मिल कलकत्ता में लगी।
10. भाप के इंजन का आविष्कार जेम्सवाट ने किया।
11. भारत में पहली कपड़ा मिल 1854 में लगी।
12. भारत में सबसे पहले आने वाले यूरोपीय पुर्तगाली थे।

---

13.	नए आविष्कार	आविष्कारक
(1)	फलाई शटल	(1) जॉन के
(2)	भाप इंजन	(2) न्यूकॉमेन और जेम्स वाट
(3)	स्पिनिंग जेनी	(3) जेम्स हारग्रीव

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. 19वीं सदी में किस देश में उद्योगपतियों द्वारा मशीनों का प्रयोग किया जाता था ?
2. कौन से दशक में इंग्लैण्ड में कारखाने खुले ?
3. गुमाश्ता कौन थे जिनको भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने तैनात किया था ?
4. नए उपभोक्ता तैयार करने के लिए कौन सा तरीका है ?
5. औद्योगीकरण के सबसे पहले चरण में इंग्लैंड के मुख्य उद्योग कौन से थे ?
6. स्पिनिंग जैनी ने किस प्रक्रिया में वृद्धि की ?
7. यूरोपीय प्रबन्धक एजेन्सियों की भारत में किस प्रकार के उद्योगों में रूचि थी ?
8. संसार में वस्तुओं की माँग में वृद्धि के दो कारण बताओ ?
9. शहरी उत्पादक उत्पादन को कैसे नियंत्रित करते थे ?
10. उद्योगपति मशीन का प्रयोग क्यों नहीं करना चाहते थे ?
11. ब्रिटेन के दो सबसे अधिक महत्वपूर्ण उद्योगों के नाम लिखें।

### 3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. मैनचेस्टर के आगमन से भारतीय बुनकरों के सामने क्या समस्या थी ?
2. प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन बढ़ने के क्या कारण थे ?
3. 1930 की महामन्दी के कारण लिखो ?
4. नए सौदागरों का शहरों में व्यापार स्थापित करना कठिन क्यों था ?

- 
5. नए उद्योगपति परंपरागत उद्योगों की जगह क्यों नहीं ले सके ?
  6. भारतीय सौदागरों के नियंत्रण वाला नेटवर्क क्यों टूटने लगा था ?
  7. ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत में बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए गुमाशतों को नियुक्त क्यों किया था ?
  8. जॉबर कौन थे ? नई कारखाना प्रणाली में उनकी क्या स्थिति थी ?
  9. ब्रिटिश निर्माताओं ने विज्ञापनों की मदद से भारतीय व्यापार पर किस प्रकार कब्जा किया ?
  10. बाजार से श्रम की बहुतायत से श्रमिकों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ?
  11. 19वीं शताब्दी में यूरोप के उद्योगपति मशीनों की अपेक्षा हाथ के श्रम को अधिक पसंद क्यों करते थे ?

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

- उ०1. अमेरिका
2. 1730 के दशक में।
  3. बुनकरों के ऊपर सुपरवाइजर
  4. विज्ञापनों द्वारा
  5. कपास और धातु उद्योग।
  6. कताई
  7. चाय और कॉफी के रोपण में।
  8. (1) विश्व व्यापार का विस्तार  
(2) विश्व में उपनिवेशवाद की स्थापना।
  9. सौदागर किसानों को ऋण देते थे।
  10. सस्ते मानव श्रम का उपलब्ध होना।
  11. सूती उद्योग, स्टील उद्योग।

---

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. (1) भारत के कपड़ा निर्यात में कमी  
(2) ईस्ट इंडिया कंपनी पर कपड़ा बेचने का दबाव।  
(3) कम लागत  
(4) स्थानीय बाजार सिकुड़ने लगे।  
(5) अच्छी कपास न मिलना।
2. (1) अंग्रेजों की युद्ध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई फैक्ट्रियाँ स्थापित की गईं।  
(2) वर्दी के कपड़े, टैंट और चमड़े के जूते आदि सामान बनाने के लिए।  
(3) नए मजदूर काम पर लगा दिए गए और काम करने का समय बढ़ा दिया गया।
3. (1) प्रथम विश्व युद्ध के बाद निर्यात घटा।  
(2) अमेरिकी पूंजीपतियों द्वारा यूरोपीय देशों के लिए कर्ज बन्द।  
(3) कृषि में अति उत्पादन।  
(4) उद्योगों में मशीनीकरण।
4. (1) शहरों में उत्पादकों के संगठन और गिल्ड काफी शक्तिशाली थे।  
(2) कारीगरों को प्रशिक्षण देते थे।  
(3) उत्पादकों पर नियंत्रण रखते थे।  
(4) नए लोगों को अपने व्यवसाय में आने से रोकते थे।
5. (1) औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों की संख्या कम थी।  
(2) प्रौद्योगिकीय बदलाव की गति धीमी थी।  
(3) कपड़ा उद्योग एक गतिशील उद्योग था।  
(4) प्रौद्योगिकी काफी महँगी थी।

- 
- (5) उत्पादन का एक बड़ा भाग कारखानों की बजाय गृह उद्योग से पूरा होता था।
6. (1) यूरोपीय कम्पनियों ने धीरे-धीरे स्थानीय अदालतों से विभिन्न प्रकार की रियायतें प्राप्त करके व्यापार पर अधिकार प्राप्त कर लिया था।
- (2) बाद में व्यापार पर एकाधिकार प्राप्त कर लिया।
- (3) सूरत और हुगली के बंदरगाहों पर व्यापार घटने लगा।
7. (1) वे बुनकरों को कर्ज देते थे।
- (2) ताकि वे किसी और व्यापारी को अपना माल तैयार करके न दे सके।
- (3) वे खुद कपड़ों की गुणवत्ता की जाँच करते थे।
8. (1) उद्योगपतियों ने मजदूरों की भर्ती के लिए जॉबर रखा था।
- (2) जॉबर कोई पुराना विश्वस्त कर्मचारी होता था।
- (3) वह गाँव से लोगों को लाता था।
- (4) काम का भरोसा देता तथा शहर में बसने के लिए मदद देता।
- (5) जॉबर मदद के बदले पैसे व तोहफों की मांग करने लगा।
9. (1) उत्पादों को बेचने के लिए कैलेण्डर अखबारों व मैग्जीन का प्रयोग।
- (2) लेबलों पर भारतीय देवी देवताओं की तस्वीर लगी होती थी।
- (3) विदेश में बनी चीज भी भारतीयों को जानी पहचानी लगती थी।
10. (1) शहर में नौकरी की संभावनाओं की खबर सुनते ही श्रमिक शहरों की तरफ दौड़ पड़े।
- (2) जिनके सगे-सम्बन्धी शहरों में पहले से ही कार्यरत थे उनके जरिए नए लोगों को नौकरी मिल सकती थी।
-

- 
- (3) जिनका शहरों में कोई नहीं था वे हफ्तों भर प्रतीक्षा करते थे तथा पुलों के नीचे या रैन बसेरों में रात गुजारते थे।
11. (1) ब्रिटेन में उद्योगपतियों को मानव श्रम की कोई कमी नहीं थी।
- (2) वे मशीन इसलिए लगाना नहीं चाहते थे क्योंकि मशीनों के लिए अधिक पूँजी निवेश करनी पड़ती थी।
- (3) कुछ मौसमी उद्योगों के लिए वे उद्योगों में श्रमिकों द्वारा हाथ से काम करवाना अच्छा समझते थे।
- (4) बाजार में अक्सर बारीक डिजाइन और खास आकारों वाली चीजों की माँग रहती थी जो हस्त कौशल पर निर्भर थी।



## “काम, आराम और जीवन”

---

याद रखने योग्य बातें :-

1. महानगर - किसी प्रांत अथवा देश की घनी जनसंख्या वाला विशाल नगर जो प्रायः वहाँ की राजधानी भी होता है।
2. शहरीकरण - किसी स्थान के शहर अथवा कस्बे के रूप में विकसित होने की प्रक्रिया।
3. परोपकारी - वह व्यक्ति जो समाज के हित के लिए काम करता है।
4. टेनेमेंट्स - बहुत अधिक भीड़ वाले कामचलाऊ मकान। ऐसे मकान प्रायः बड़े शहरों के गरीब इलाकों में पाए जाते थे।
5. संयमता आंदोलन - इस आंदोलन में मुख्यतः कामकाजी लोगों में शराब का उपयोग कम करने पर बल दिया जाता था।
6. श्वासारोधन - ऑक्सीजन की कमी के कारण ‘दमघुटना’
7. व्यक्तिवाद - समुदाय की बजाय व्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अधिकारों पर बल दिया जाना।
8. बैरॉन हॉसमान - एक वास्तुकार था जिसने नेपोलियन तृतीय के शासनकाल में फ्रांस को एक अति सुंदर शहर का रूप दिया।
9. प्रेजीडेंसी शहर - ब्रिटिश शासन के अधीन बंबई, बंगाल, मद्रास आदि प्रेजीडेंसी शहर थे क्योंकि ये प्रेजीडेंसियों की राजधानियाँ थीं।
10. भूमि विकास - दलदली अथवा डूबी हुई जमीन को रहने या खेती करने या अन्य किसी काम के लायक बनाना।
11. धुआँ निरोध कानून - कलकत्ता भारत का पहला शहर था जहाँ धुआँ निरोधक कानून पारित किया गया।

- 
12. बाम्बे इम्प्रुवमेंट ट्रस्ट की स्थापना 1898 में हुई।
  13. बगीचों के शहर की अवधारणा - वास्तुकार व योजनाकार एवनेजर हावर्ड ने प्रस्तुत की।
  14. ब्रिटेन के दो प्रारंभिक औद्योगिक नगर - लीड्स और मैनचेस्टर

### 1 अंकीय लघु प्रश्न :-

1. दुर्गाचरण राय ने कलकत्ता नगर के विषय में कौन सा उपन्यास लिखा ?
2. किसने गार्डन सिटी अवधारणा का सिद्धांत बनाया ?
3. चार्टिज्म आंदोलन किसलिए था ?
4. 17वीं शताब्दी में बंबई कितने टापुओं का शहर था ?
5. दुनियाँ की सबसे पहली रेलगाड़ी किन दो स्टेशनों के बीच दौड़ी ?
6. किसको लौह दैत्य कहा गया ?
7. भारत का कौन सा शहर मायापुरी कहलाता है ?
8. नवम्बर 1857 में लंदन में हुई पुलिस कार्यवाही को किस नाम से याद किया जाता है ?
9. कलकत्ता में धुआँ निरोधक कानून कब पारित हुआ ?
10. फिल्म 'राजा हरिश्चन्द्र' का निर्माता कौन था ?
11. चॉल किसे कहते हैं ?
12. अंग्रेजों से पूर्व बम्बई किसके अधिकार क्षेत्र में थी ?

### लघु/दीर्घ 3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. गैरेथ स्टेडमैन जोन्स के शब्दों में 19वीं सदी के लंदन में पाँच प्रमुख उद्योग कौन से थे ?
2. 19वीं शताब्दी में लंदन शहर की आबादी के निरन्तर बढ़ने के कारणों को स्पष्ट करो ?

- 
3. लंदन को साफ करने के लिए कौन से कदम उठाए गए ?
  4. लंदन में आए उन सामाजिक परिवर्तनों की व्याख्या करें जिनके कारण भूमिगत रेलवे की जरूरत पैदा हुई। भूमिगत रेलवे की आलोचना क्यों हुई ?
  5. औद्योगीकरण के फलस्वरूप लंदन शहर में मनोरंजन तथा अवकाश के क्षेत्र में हुए सामाजिक परिवर्तनों के उदाहरण दीजिए।
  6. उन्नीसवीं सदी के मध्य में बंबई की आबादी में भारी वृद्धि क्यों हुई ?
  7. 18वीं शताब्दी में लंदन में महिलाओं द्वारा अपनी आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयासों को स्पष्ट कीजिए ?
  8. दुर्गाचरण राय के अनुसार कलकत्ता का शहरी जीवन किन तरीकों से विरोधी छवियों को प्रस्तुत करता था ?
  9. बम्बई नगर कुछ लोगों के लिए सपनों का नगर तथा अन्य के लिए कठिनाइयों का नगर क्यों है ?
  10. बम्बई की अधिकतर फिल्में शहर में बाहर से आने वालों की जिन्दगी पर आधारित क्यों होती थीं ?
  11. शहर की विशाल जनसंख्या एक अवसर भी थी और एक खतरा भी - इस कथन की पुष्टि करो।
  12. बम्बई के विकास में सहायता के लिए चलाए गए भूमि विकास की विभिन्न परियोजनाओं का वर्णन करो ?

### उत्तर माला :-

एक अंकीय लघु प्रश्नों के उत्तर :-

1. देबगानेर मर्त्ये आगमन
2. एवेनेजर हावर्ड
3. वयस्क पुरुष मताधिकार के लिए

- 
4. सात
  5. पैडिंग्टन से फैरिंग्टन
  6. लंदन भूमिगत रेल
  7. बम्बई
  8. खूनी रविवार
  9. 1863 में
  10. दादा साहब फाल्के
  11. अस्थाई कामचलाऊ मकान
  12. पुर्तगालियों के।

**लघु/दीर्घ 3/5 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-**

1.
  - (1) परिधान एवं जूता उद्योग
  - (2) लकड़ी एवं फर्नीचर उद्योग
  - (3) धातु एवं इंजीनियरिंग उद्योग
  - (4) छपाई व स्टेशनरी उद्योग
  - (5) शल्य चिकित्सा उपकरण एवं घड़ी उद्योग।
2.
  - (1) 1810 से 1880 के बीच सत्तर वर्षों के दौरान लंदन की जनसंख्या 10 लाख से बढ़कर 40 लाख हो गई।
  - (2) कुशल एवं शारीरिक श्रम करने वालों की संख्या में वृद्धि।
  - (3) पाँच प्रकार के उद्योग के कारण अवसरों की अधिकता।
  - (4) कारखाने, मोटरकार और बिजली उपकरण खुलने से लंदन की तरफ लोगों का आकर्षण बढ़ा।
3.
  - (1) अपार्टमेन्ट के विशाल ब्लॉक बनाए गए।
  - (2) किराया नियंत्रण कानून लागू किया गया।

- 
- (3) ब्रिटिश राज्य ने स्थानीय शासन के साथ मिलकर 10 लाख मकान बनाए।
- (4) भूमिगत रेलवे का निर्माण।
4. भूमिगत रेलवे की आवश्यकता उत्पन्न करने वाले सामाजिक परिवर्तन :
- (1) गंदी बस्तियों की भरमार, निर्धन लोगों की अकाल मृत्यु।
- (2) 1917 की रूसी क्रांति से भय।
- (3) मजदूरों का आंदोलन।
- (4) समाज सुधार भावना जागृत होना।
- (5) निर्धनों के लिए गृह निर्माण योजना पर विचार।
- (6) कारखानों से घर दूर होने के कारण परिवहन साधन की जरूरत।
- (7) सघन आबादी के कारण भूमिगत रेलवे लाइन का निर्माण।
- आलोचना (भूमिगत रेलवे की)
- (1) भवनों को तोड़ना पड़ा
- (2) बड़ी संख्या में लोग विस्थापित।
- (3) सुरंग के भीतर रेल के चलने से कोयले के कण, गंध और धुएँ से यात्रियों का दम घुटना।
5. लंदन में औद्योगीकरण के फलस्वरूप दो विरोधी वर्ग उभरे अमीर तथा गरीब वर्ग
- (1) अमीरों के मनोरंजन के लिए लंदन सीजन।
- (2) मजदूर वर्ग - पब या शराब खाने।
- (3) आम जनता - पुस्तकालय, कलादीर्घाएँ तथा संग्रहालय
- (4) निम्न वर्ग - संगीत सभाएँ तथा हॉल
- (5) सिनेमा / समुद्र के किनारे घूमना।
6. (1) 1819 में बंबई को प्रेसीडेंसी नगर बनाया जाना।
-

- 
- (2) 1854 और 1921 के बीच 85 सूती वस्त्र मिलों की स्थापना।
  - (3) 1870 के दशक तक 22 वर्ग मील की समुद्र में डूबी हुई बंबई की भूमि का विकास होना।
  - (4) बंबई फिल्म उद्योग केन्द्र बन गया।
  - (5) बंदरगाह के कारण रोजगार के अवसर बढ़े।
7. (1) घर पर काम करना, सूत कातना, कपास साफ करना कपड़े रंगना।
- (2) फैक्ट्रियों में श्रमिक।
  - (3) घर के फालतू स्थान किराए पर देना।
  - (4) सिलाई, बुनाई, माचिस बनाना।
8. (1) कलकत्ता ब्रिटिश राज्य की राजधानी थी। वर्षा का देवता वरुण देवताओं को रेल में बिठाकर यात्रा कराता है।
- (2) देवता प्रदूषण व धुआँ देख चकित हो जाते हैं।
  - (3) जगमगाते महानगर की चकाचौंध से देवता प्रभावित होते हैं।
  - (4) कलकत्ता में रोजगार की भरमार थी पर वहाँ ठग, चोर व भयंकर गरीबी भी थी।
9. (1) बंबई शहर अपने व्यापार, कारोबार व उद्योगों के कारण अप्रवासियों को आकर्षित करता है।
- (2) बंबई आशाओं तथा अवसरों का नगर था।
  - (3) फलता-फूलता व्यापार निवेश के लिए पूंजी की उपलब्धता ने फिल्म उद्योग को सपनों की दुनियाँ बना दी।
  - (4) विकास के साथ समस्याएँ-गंदी बस्तियाँ, चॉलों की भरमार, लोगों की दयनीय स्थिति तथा लगातार संघर्ष और जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत।
-

- 
10. (1) अधिकांश फिल्मों बनाने वाले निर्देशक, प्रोड्यूसर, पटकथा लेखक, नाटककार और कलाकार अप्रवासी थे जो बम्बई में दूर-दूर से आए थे। इसलिए वे उनसे ही संबंधित प्रसंगों में अधिक रुचि रखते थे।
- (2) अप्रवासी विशेष रूप से श्रमिक और फैक्टरी कर्मचारी जो कारुणिक जीवन जी रहे थे। उनके जीवन को आसानी से फिल्म प्रसंगों में बदला जा सकता था।
- (3) पुरानी फिल्मों 'सी.आई.डी. (1956), गैस्ट हाउस (1959) अप्रवासियों की समस्याओं से सम्बन्धित थी।
11. (1) बेहतर रोजगारों की सुविधा और बेहतर जीवन स्तर यह लोगों के लिए एक अवसर था।
- (2) खतरा - बढ़ती आबादी शहरों में बढ़ते अपराध जैसे लंदन का खूनी रविवार।
12. (1) 1864 में मालाबार हिल से कोलाबा के आखिरी छोर तक के पश्चिम तट को विकसित करने का ठेका बैंक बे रिक्लेमेशन कंपनी को मिला।
- (2) 1870 तक शहर का क्षेत्रफल 22 वर्ग किलोमीटर तक पहुँच गया।
- (3) आबादी बढ़ने के कारण भूमि विकास परियोजना बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट के अंतर्गत शुरू की गई, जिसने एक सूखी गोदी का निर्माण किया। खुदाई से निकली मिट्टी का इस्तेमाल बालार्ड एस्टेट और मरीन ड्राइव के लिए किया गया।

## “मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनियाँ”

याद रखने की बातें :-

1. सन् 1448 में गुटेनबर्ग ने बाइबिल को छापा।
2. सन् 1508 में इरैस्मस ने एडेजेज पुस्तक छापी।
3. सन् 1517 में मार्टिन लूथर ने धर्म सुधार पर 95 थिसिस लिखी।
4. भारत में प्रेस का जनक - जेम्स ऑगस्टस हिकी ने 1780 में बंगाल गजट का संपादन शुरू किया।
5. सन् 1820 में कलकत्ता सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस कन्ट्रोल बिल पास किया।
6. सन् 1821 में राजाराममोहन राय ने संवाद कौमुदी छापी।
7. सन् 1822 में गुजराती समाचार पत्र मुंबई में छापा गया।
8. पांडुलिपियां यह हस्तलिखित लेख होते थे, इन्हें ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था।
9. खुशनसीबी - सुलेखन, हाथ से बड़े सुंदर-सुडौल अक्षरों में कलात्मक रूप से लिखना।
10. डायमंड सूत्र - जापान की सबसे पुरानी 868 में छपी पुस्तक।
11. वेलम जानवरों के चमड़े से बनी लेखन की सतह।
12. प्लाटेन -लेटरप्रेस छपाई में एक बोर्ड जिसे कागज के पीछे दबाकर टाइप की छाप ली जाती थी।
14. कम्पोजीटर-छपाई के लिए इबारत कम्पोज करने वाला व्यक्ति।
15. गैली - धातुई फ्रेम- जिसमें टाइप बिछाकर इबारत बनाई जाती थी।
16. गाथा - गीत- लोकगीतों का ऐतिहासिक आख्यान जिसे गाया या सुनाया जाता था।



- 
17. इन्क्वीजीशन (धर्म अदालत) - विधर्मियों की शिनाख्त करने और सजा देने वाली रोमन कैथोलिक संस्था।
  18. निरंकुशवाद - राजकाज की ऐसी व्यवस्था, जिसमें किसी एक व्यक्ति को बिना कानूनी और संवैधानिक पाबंदी के संपूर्ण शक्ति प्राप्त हो।
  18. उलेमा - इस्लामी कानून और शरिया के विद्वान।
  19. फतवा - असंमजस की स्थिति में इस्लामी मुफ्ती के द्वारा की जाने वाली वैधानिक घोषणा।
  20. पंचांग - चाँद, सूरज की गति और लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी जानकारी देने वाला वार्षिक प्रकाशन।
  21. 1878 में वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू किया गया।

### 1 अंक वाले लघु प्रश्न :-

1. यूरोप में पहली प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किसने किया ?
2. कौन सा धर्म सुधारक प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार के लिए उत्तरदायी था ?
3. गुटेन्बर्ग द्वारा छपी पहली पुस्तक कौन सी थी ?
4. पुस्तकों का पेपर ब्रेक संस्करण कब प्रकाशित हुआ ?
5. इंग्लैंड में फेरीवालों के द्वारा एक पैसे में बिकने वाली किताबों को क्या कहा जाता था ?
6. कौन-सा पढ़ने का साधन विशेषकर नारियों के लिए था ?
7. 1878 का वर्नाक्युलर एक्ट किस तर्ज पर बना था ?
8. जापान की सबसे पुरानी छपी पुस्तक का नाम क्या था ?
9. किस देश में मुद्रण की तकनीक सबसे पहले विकसित हुई ?
10. 'मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है' यह शब्द किसने कहा था ?
11. किसने शक्ति चालित बेलनाकार प्रेस को कारगर बनाया ?

- 
12. वुडब्लॉक प्रिंटिंग की तकनीक यूरोप में कौन लाया ?
  13. मुद्रण की सबसे पहली तकनीक किन देशों में विकसित हुई ?
  14. भारत में छपाई की तकनीक कब और कौन लाया ?
  15. 1871 में गुलामगिरी पुस्तक किसने लिखी ?
  16. तुलसीदास के रामचरितमानस का पहला मुद्रित संस्करण कब और कहाँ छपा ?
  17. दो फारसी अखबारों के नाम लिखो जो 1882 में प्रकाशित हुए ?

**लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3/5 अंक वाले :-**

1. “वुड ब्लॉक (काठ की तख्ती) वाली छपाई यूरोप में 1295 के बाद आई” इस कथन को स्पष्ट करो ?
2. नई मुद्रण की खोज यूरोप के सभी भागों में क्यों फैल गई ? कारण बताइए ?
3. मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रान्ति लाने में क्या भूमिका निभाई ?
4. पाण्डुलिपियाँ क्या हैं ? इनके प्रयोग की सीमाएँ क्या थीं ?
5. मुद्रण ने किस प्रकार समुदायों और भारत के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों को जोड़ने का कार्य किया था ?
6. मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए किस प्रकार योगदान दिया ?
7. मुद्रित किताबें अशिक्षित लोगों के बीच लोकप्रिय क्यों हुई ?
8. भारत में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट जारी करने के कारण बताइए ?
9. रोमन कैथोलिक चर्च के विभाजन में मुद्रण संस्कृति की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
10. 19वीं सदी में महिलाओं द्वारा पढ़ने के चलन के प्रति लोगों का क्या रवैया था ? महिलाओं की इस संदर्भ में क्या प्रतिक्रिया थी ?

- 
11. ऐसे तरीकों का उल्लेख कीजिए जिनसे मुद्रित किताबों तक आम आदमी की पहुँच बढ़ी ?

### उत्तरमाला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. योहान गुटेन्बर्ग
2. मार्टिन लूथर
3. बाइबिल
4. महामन्दी की शुरुआत में
5. चैपबुक्स
6. पेनी मैग्जीन्स
7. आईरिश प्रेस कानून
8. डायमंड सूत्र
9. चीन
10. मार्टिन लूथर
11. रिचर्ड एम हो
12. मार्को पोलो
13. चीन, जपान, कोरिया
14. 16वीं शताब्दी, पुर्तगाली
15. ज्योतिबा फूले
16. कलकत्ता 1810
17. जाम-ए-जहाँ नामा, शम्सुल अखबार

---

**लघु/दीर्घ 3/5 अंक के प्रश्नों के उत्तर :-**

1. वुडब्लॉक वाली छपाई यूरोप में 1295 ई के पश्चात् आई क्योंकि -
  - (1) यह तकनीक पहले चीन के पास थी।
  - (2) मार्को पोलो यह ज्ञान अपने साथ लेकर लौटा
  - (3) मार्को पोलो ने यूरोप को वुडब्लॉक से अवगत कराया।
  - (4) यह तकनीक यूरोप में फैल गई।
2.
  - (1) किताबों की बढ़ती माँग हस्तलिखित पांडुलिपियों से पूरी नहीं हो रही थी।
  - (2) पांडुलिपियाँ नाजुक थीं, उनके रखरखाव में तमाम मुश्किलें थीं।
  - (3) नकल उतारना बेहद खर्चीला था।
  - (4) इनका (पांडुलिपियों) चलन सीमित था।
  - (5) किताबों की बढ़ती माँग के कारण वुडब्लॉक प्रिंटिंग लोकप्रिय हो गयी।
3.
  - (1) छपाई के चलते विचारों का प्रसार, उनके लेखन ने परंपरा, अविश्वास और निरकुंशवाद की आलोचना की।
  - (2) रीति-रिवाजों की जगह विवेक के शासन पर बल दिया।
  - (3) चर्च की धार्मिक और राज्य की निरकुंश सत्ता पर हमला।
  - (4) छपाई ने वाद-विवाद की नई संस्कृति को जन्म दिया।
4. हाथों से लिखी पुस्तकों को पांडुलिपियाँ कहते हैं।
  - (1) किताबों की बढ़ती माँग, पांडुलिपियों से पूरी नहीं होने वाली थी।
  - (2) नकल उतारना बेहद खर्चीला, समय अधिक लगना, माँग पूरी ना होना।
  - (3) ये बहुत नाजुक होती थीं। रखरखाव में, लेने ले जाने में मुश्किल आती थी।

- 
- (4) उपरोक्त समस्याओं की वजह से उनका - आदान-प्रदान मुश्किल था।
5. (1) मुद्रित प्रणाली ने नए विचारों के विकास, प्रसार और अभिव्यक्ति हेतु एक नए प्लेटफार्म का विकास किया।
- (2) मुद्रित प्रणाली संचार का सबसे सस्ता और सरल साधन था।
- (3) ये भारत के लोगों की समस्या को उजागर करते थे।
- (4) धार्मिक पुस्तकें बड़ी तादाद में व्यापक जन समुदाय तक पहुँच रही थी।
- (5) अखबार भारतीय मूल के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक समाचार पहुँचाते थे।
6. (1) दमनकारी नीति के बावजूद राष्ट्रवादी अखबार देश के हर कोने में बढ़ते-फैलते गए।
- (2) उन्होंने औपनिवेशिक कुशासन के बारे में लिखा।
- (3) पंजाब के क्रांतिकारियों को गिरफ्तार करने पर बाल गंगाधर तिलक ने अपना केसरी समाचार पत्र छापा।
- (4) पंजाब तथा देश के अन्य भागों में राष्ट्रीय आंदोलन को बल मिला।
- (5) बाल गंगाधर तिलक को गिरफ्तार करने का पूरे भारत में विरोध हुआ।
7. (1) जो लोग पढ़ नहीं पाते थे वे भी बोलकर पढ़ने वाले लोगों को सुनकर खुश होते थे।
- (2) लोकगीत और कथाओं का छपना।
- (3) सचित्र किताबों का छपना।
- (4) इन्हें ग्रामीण सभाओं में, शहरी शराबखानों में गाया सुनाया जाता था।
-

- 
8. (1) जब किसी रिपोर्ट को बागी करार दे दिया जाता था तो उसे छपने से पूर्व चेतावनी दी जाती थी और ना मानने पर प्रिंटिंग प्रेस ज़ब्त कर ली जाती थी।
- (2) भारत में अखबार के माध्यम से बढ़ रहे राष्ट्रवाद अर्थात् ब्रिटिश विरोधी विचारधारा के नियंत्रण के लिए।
- (3) भारत में छपने वाले सभी देशी अखबारों के प्रकाशन पर नज़र रखने के लिए।
9. (1) मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक की कुरीतियों की आलोचना करते हुए 95 स्थापनाएं लिखी।
- (2) इसकी एक छपी प्रति विटेनबर्ग के गिरजाघर के दरवाजे पर टाँगी गई।
- (3) लूथर के लेख बड़ी तादाद में छापे गए।
- (4) नतीजा चर्च का विभाजन हो गया और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार की शुरुआत हुई।
10. (1) उदारवादी पिता और पति अपने यहाँ औरतों को घर पर पढ़ाने लगे।
- (2) शहरों में छोटे-छोटे स्कूल खुले तो उन्हें स्कूल भेजने लगे।
- (3) बागी औरतों ने इन प्रतिबंधों को अस्वीकार कर दिया।
11. (1) मद्रास में सस्ती किताबें चौक-चौराहों पर बेची जा रही थी। अब गरीब लोग भी उन्हें खरीद सकते थे।
- (2) सार्वजनिक पुस्तकालय खुलना, शहरों, कस्बों तथा संपन्न गाँवों में।
- (3) पुस्तिकाओं और निबंधों में जातिगत भेद के बारे में लिखना।
- (4) मजदूरों में साक्षरता आए, नशाखोरी कम हो।
- (5) राष्ट्रवाद का संदेश आम आदमी तक पहुँच रहा था।
-

## “उपन्यास, समाज और इतिहास”

याद रखने की बातें :-

1. उपन्यास - साहित्य की एक आधुनिक विधा जिसकी पैदाइश छापेखाने के मशीनी अविष्कार से हुई।
2. उपन्यास का विकास - इंग्लैंड और फ्रांस में 18वीं सदी में हुआ।
3. धारावाहिक - ऐसी पद्धति जिसमें कहानी को किस्तों में छापा जाता है।
4. पहला धारावाहिक उपन्यास सन् 1836 में छपा था।
5. भद्र समाज - ऊँचे खानदान में पैदा होने वाले और ऊँची हैसियत का दावा करने वाले लोग।
6. जन भाषा - सामान्य बोलचाल की भाषा।
7. व्यंग्य - लेखन, चित्रकारी, रेखांकन के माध्यम से हास्यपदक और चतुर ढंग से समाज की आलोचना का निरूपण।
8. दास्तान - साहस, वीरता और चतुराई के किस्सों की लंबी परंपरा जो फ़ारसी और उर्दू में थी।
9. हिन्दी का पहला उपन्यास लिखने का श्रेय दिल्ली के श्रीनिवास दास को जाता है।
10. जोसफ कॉनरैड (1857-1924) जैसे लेखकों ने अपने उपन्यासों में औपनिवेशिक गुलामी के स्याह पक्ष को उजागर किया।
11. एमिली जोला का जर्मिनल (1885) खदान मजदूरों की शोचनीय हालात को दर्शाता है।
12. गोदान (1936) प्रेमचंद की मशहूर कृति है जो भारतीय किसानों पर लिखा महान उपन्यास है।

13.	<b>प्रमुख उपन्यासकार</b>	<b>उपन्यास</b>
	हेनरी फील्डिंग	टॉम जोन्स
	चार्ल्स डिक्न्स	हार्ड टाइम्स, ओलिवर ट्विस्ट
	बाबा पद्मणजी	यमुना पर्यटन
	श्रीनिवास दास	परीक्षा गुरु
	रोकैया हुसैन	सुल्ताना ज ड्रीम
	प्रेमचंद	सेवासदन, रंगभूमि, गोदान, निर्मला
	बंकिम चंद्र चटोपाध्याय	दुर्गेशनंदिनी, आनंद मठ

उपन्यास	लेखक	विषयवस्तु
1. ऑलिवर ट्विस्ट	चार्ल्स डिक्न्स	औद्योगीकरण के दौर से शहरी जीवन की दुर्दशा का चित्रण
2. जर्मिनल	एमिली जोला	खादान मजदूरों के शोचनीय हालात
3. मेयर ऑफ कैस्टरब्रिज	टॉमस हार्डी	इंग्लैण्ड में गायब होने वाले समुदाय
4. प्राइड एवं प्रेज्युडिस	जेन ऑस्टिन	ब्रिटेन के ग्रामीण कुलीन समाज की झांकी
5. जेन आयर	शारलॉट ब्रॉण्ट	जेन को आज़ाद ख्याल और दृढ़ व्यक्तित्व वाला दिखाया गया।
6. रमोना	हेलेन हंट जैक्सन	किशोरियों को प्रेम कहानी
7. जंगल बुक	रडयार्ड किपलिंग	साहस के कारनामों
8. रॉबिंसन क्रूसो	डैनियल डेफो	उपनिवेशवाद को अच्छा बताना।



---

**लघु प्रश्न (1 अंक वाले) :-**

1. पहला भारतीय उपन्यास किस भाषा में लिखा गया था ?
2. सौदामनी उपन्यास किस भाषा में है ?
3. इंदुलेखा उपन्यास किस भाषा में लिखा गया ?
4. हिंदी उपन्यास का पाठक वर्ग किसके लेखन से पैदा हुआ ?
5. मेयर ऑफ कैस्टरब्रिज नामक उपन्यास के लेखक कौन हैं ?
6. चार्ल्स डिकेन्स की पहली धारावाहिक पत्रिका कौन सी थी ?
7. पत्रात्मक उपन्यास क्या होता है ?
8. भारत में आधुनिक उपन्यास का विकास कब हुआ ?
9. सरस्वतीविजयम किस लेखक की रचना है ?
10. परीक्षा गुरु उपन्यास किस शैली में लिखा गया है ?
11. तमिल भाषा के लोकप्रिय ऐतिहासिक उपन्यासकार कौन हैं ?
12. बंगाली में लिखा जाने वाला पहला उपन्यास कौन सा था ?
13. कादम्बरी का लेखक कौन है ?
14. बंगाल के दो लोकप्रिय उपन्यासकारों के नाम लिखो ?
15. होरी और धनिया किस उपन्यास के प्रसिद्ध पात्र हैं ?
16. पांडुलिपियाँ क्या होती हैं ?

**लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3/5 अंक वाले)**

1. उपन्यास बहुत सारी संस्कृतियों को एक साथ मिलाता है, स्पष्ट कीजिए ?
2. उपन्यासों ने किस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया ?
3. उपन्यास किस प्रकार औपनिवेशिक मानसिकता को उजागर करते हैं ?  
उदाहरण देकर समझाइए ?

- 
4. भारत में सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उपन्यासकारों की भूमिका उदाहरणों की सहायता से समझाइए।
  5. ब्रिटेन में महिला पाठकों की वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन कीजिए।
  6. 19वीं सदी के युवाओं के लिए किस प्रकार के उपन्यास लिखे गए? व्याख्या कीजिए।
  7. हिन्दी के पहले आधुनिक उपन्यास का नाम लिखिए जो सबसे अधिक बिका। इसका लेखक कौन था? यह अधिक प्रसिद्ध क्यों हुआ?
  8. प्रेमचन्द के उपन्यासों के पात्र समाज के विभिन्न वर्गों से घुल-मिल गये हैं? स्पष्ट कीजिए।
  9. रोकैया हुसैन के शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में योगदान की व्याख्या कीजिए।
  10. प्रारंभिक बंगाली भाषा के उपन्यासों की विशेषताएँ लिखो।
  11. औपनिवेशिक भारत में उपन्यास किस तरह उपनिवेश और राष्ट्रवादियों के लिए लाभदायक था?
  12. उपन्यासों में वर्नाक्युलर भाषा का प्रयोग क्यों किया गया?
  13. हार्ड टाइम्स की रचना किसने की? इसकी विषय वस्तु की व्याख्या कीजिए?
  14. असमिया उपन्यास की प्रमुख रचनाओं एवं उसके विकास की व्याख्या कीजिए?
  15. मलयालम में लिखा उपन्यास इंदुलेखा में किस मुद्दे को उजागर किया है?

---

उत्तर माला :-

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. मराठी
2. उड़िया
3. मलयालम
4. देवकी नन्दन खत्री
5. टॉमस हार्डी
6. पिकविक पेपर्स
7. निजी पत्रों के रूप में
8. 19वीं शताब्दी में
9. पोथेरी कुंजाम्बु
10. उपदेशात्मक शैली
11. आर, कृष्णामूर्ति
12. अँगुरिया बिनिमॉय
13. बाणभट्ट
14. बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय, शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय
15. गोदान
16. हस्तलिखित किताबें

लघु/दीर्घ 3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (1) उपन्यासों में जनसाधारण की भाषा का प्रयोग किया गया।  
(2) उपन्यासों में अलग-2 बोलियों से निकटता बनाकर एक राष्ट्र के विविध समुदायों की दुनियाँ का निर्माण किया।

- 
- (3) उपन्यासों में भाषा की अलग-अलग शैलियों से भी सामग्री ली गयी।
2. (1) आनंद मठ और अँगुरिया बिनिमॉय ने स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया।
- (2) बंगाल में कई उपन्यास मराठों और राजपूतों पर लिखे गए, जिससे अखिल भारतीयता का विकास हुआ।
- (3) साहस और गौरवशाली अतीत के आह्वान से युवा पीढ़ी में देश भक्ति का प्रसार हुआ।
3. (1) डैनियल डैफो कृत रॉबिंसन क्रूसो का नायक साहसिक यात्री होने के साथ-साथ व्यापारी भी है।
- (2) इसमें गैर गोरे लोगों को बराबर का इंसान नहीं माना गया है।
- (3) जोसफ कॉनरैड ने अपने उपन्यासों में औपनिवेशिक गुलामी के काले पक्ष को उजागर किया है।
4. (1) उपन्यासों ने मनोरंजन के नए तरीके उपलब्ध कराए।
- (2) उपन्यासों की कीमत कम थी।
- (3) कहानियाँ वास्तविक और रोचक होती थीं।
- (4) उपन्यासों ने व्यक्तिगत स्तर पर पढ़ने का आनंद दिया।
5. (1) सन् 1920 के आस-पास बंगाल में ऐसे उपन्यास आए जिनमें किसानों और निम्न जातियों से संबंधित बातें उठायी गईं।
- (2) चंदु मेनन का उपन्यास इंदुलेखा उच्च जाति की एक वैवाहिक समस्या पर प्रकाश डालता है।
- (3) पोथेरी कुंजाम्बु ने सरस्वतीविजयम नामक उपन्यास में निम्न जाति के दमन की कड़ी निन्दा की है।
6. (1) औद्योगीकरण के कारण मध्य वर्ग का विकास हुआ, जिससे महिलाओं को उपन्यास पढ़ने और लिखने का अवसर मिला।
-

- 
- (2) उपन्यासों में महिलाओं की समस्याओं को उठाया जाने लगा।
  - (3) बहुत सारे उपन्यास घरेलू जिन्दगी पर आधारित थे।
  - (4) स्वयं महिलाओं ने अपनी जिन्दगी के बारे में उपन्यासों में लिखा।
7. (1) आर.एल.स्टीवेंसन, रडयार्ड किपलिंग आदि उपन्यासकारों ने साहसिक घटनाओं पर उपन्यास लिखे।
- (2) साहसिक घटनाओं पर आधारित उपन्यासों को युवाओं ने पढ़ना प्रारंभ किया।
  - (3) युवा विभिन्न औपनिवेशिक क्षेत्रों के विकास तथा ऐतिहासिक घटनाओं के गवाह बने तथा सैनिक कार्यवाहियों में हिस्सा लिया।
8. (1) प्रथम आधुनिक हिन्दी उपन्यास चन्द्रकान्ता संतति एक रूमानी उपन्यास था।
- (2) यह उपन्यास देवकी नंदन खत्री द्वारा लिखा गया था।
  - (3) इसे पूर्णतः पढ़ने के आनंद की दृष्टि से लिखा गया था।
9. (1) प्रेमचंद अपने उपन्यासों में वर्णित चरित्र लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक समुदाय का निर्माण करते हैं।
- (2) प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों में अभिजात वर्ग, जमींदार, मध्यवर्गीय किसान, मजदूर, नौकरी पेशा लोगों को लिया है।
  - (3) उपन्यासों में निम्न वर्ग से आने वाली महिलाओं को चित्रित किया है।
  - (4) उपन्यास सामाजिक मुद्दों पर आधारित हैं तथा चरित्र विभिन्न वर्गों से ही चुने गये हैं।
10. (1) वह एक समाज सुधारक थी।
- (2) उन्होंने कलकत्ता में लड़कियों के लिए विद्यालय खोला।
  - (3) अंग्रेजी में सुल्ताना का स्वप्न नामक एक व्यंग्यात्मक फंतासी लिखी।
-

- 
- (4) अपने उपन्यास पद्मराग के माध्यम से बताया है कि महिलाएँ अपनी दशा स्वयं सुधार सकती हैं।,
11. (1) सबसे पहले महिलाओं ने कहानियों, कविताएँ, निबन्ध तथा आत्मकथाएँ लिखना शुरू किया।
- (2) महिलाएँ बाद में उपन्यास भी लिखने लगीं।
- (3) बीसवीं शताब्दी में दक्षिण भारत में महिलाएँ उपन्यास, लघु कथाएँ आदि लिखने लगीं।
- (4) महिलाओं ने ऐसी नारियों के बारे में लिखा जिन्होंने महिलाओं के जीवन में परिवर्तन ला दिया।
12. (1) उपन्यास प्रेम कहानियों तथा ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित होते थे।
- (2) इन्हें गद्य शैली में लिखा जाता था।
- (3) उपन्यासों में साधारण बोलचाल की भाषा का प्रयोग हुआ है।
13. (1) उपन्यासों ने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करने के साथ-साथ उनके निवारण के उपाय भी बताए।
- (2) उपन्यासों में राष्ट्रीयता के विषय को भी उठाया और व्यक्तियों से अपनी संस्कृति के प्रति निष्ठा दिखाने का अनुरोध किया।
- (3) उपन्यासों ने उपनिवेश प्रशासकों को भी उपयोगी सूचनाएँ दीं।
- (4) इन उपन्यासों से देसी जीवन व रीति-रिवाजों से जुड़ी जानकारी मिली जिन्हें अंग्रेजी में अनुवादित किया।
14. (1) वर्नाक्युलर भाषा आम जनता द्वारा बोली और समझी जाती है।
- (2) इससे एक साझे राष्ट्र का एहसास हुआ।
- (3) इससे शास्त्रीय भाषा और सड़क छाप भाषा में सामंजस्य स्थापित हुआ।
- (4) यह विश्व की विभिन्न संस्कृतियों को एक साथ लेकर आयी।
-

- 
15. (1) हार्ड टाइम्स की रचना चार्ल्स डिकेन्स ने की।  
(2) इसमें औद्योगीकरण के दुष्प्रभावों का वर्णन है।  
(3) इसमें काल्पनिक शहर के माध्यम से औद्योगीकरण के प्रभावों को दर्शाया गया है।
16. (1) असमिया भाषा का उद्गम 7वीं सदी में हो गया था।  
(2) इसका साहित्यिक विकास 13वीं सदी में हुआ।  
(3) प्रारंभिक असमिया उपन्यास मिशनरियों ने लिखे थे।  
(4) प्रमुख उपन्यास फूलमणी और करुणा थे।
17. (1) इन्दुलेखा प्रेम कथा पर आधारित उपन्यास था।  
(2) इन्दुलेखा जैसे उपन्यास उच्च जाति के लोगों द्वारा लिखे जाते थे और उच्च जातियों के व्यक्तियों का उल्लेख होता था।  
(3) नम्बूदरी ब्राह्मण उस समय केरल के बड़े जमींदार थे और नायरों का एक बड़ा वर्ग उनका रैयती लगानदार था।

## “संसाधन एवं विकास”

जानने योग्य तथ्य तथा महत्त्वपूर्ण शब्दावली :-

- ★ प्रकृति से प्राप्त विभिन्न वस्तुएँ जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त होती हैं, जिनको बनाने के लिए प्रौद्योगिकी उपलब्ध हैं संसाधन कहलाते हैं।
- ★ जीव मंडल से प्राप्त संसाधन जैव संसाधन कहलाते हैं।
- ★ निर्जीव वस्तुओं द्वारा निर्मित संसाधन, अजैव संसाधन कहलाते हैं।
- ★ वे संसाधन जिन्हें विभिन्न भौतिक, रासायनिक अथवा यांत्रिक प्रक्रियाओं के द्वारा पुनः उपयोगी बनाया जा सकता है, नवीकरणीय संसाधन कहलाते हैं।
- ★ वे संसाधन जिन्हें एक बार उपयोग में लाने के बाद पुनः उपयोग में नहीं लाया जा सकता, इनका निर्माण तथा विकास एक लंबे भूवैज्ञानिक अंतराल में हुआ है, अनवीकरणीय संसाधन कहलाते हैं।
- ★ निजी स्वामित्व वाले व्यक्तिगत संसाधन कहलाते हैं।
- ★ वे संसाधन जिनका उपयोग समुदाय के सभी लोग करते हैं, सामुदायिक संसाधन कहलाते हैं।
- ★ किसी भी प्रकार के संसाधन जो राष्ट्र की भौगोलिक सीमा के भीतर मौजूद हों, राष्ट्रीय संसाधन होते हैं। व्यक्तिगत, सामुदायिक संसाधनों को राष्ट्र हित में राष्ट्रीय सरकार द्वारा अधिगृहीत किया जा सकता है।
- ★ वे संसाधन जो किसी क्षेत्र में विद्यमान तो हैं, परंतु इनका उपयोग नहीं हो रहा है, संभावी संसाधन कहलाते हैं।
- ★ वे संसाधन जिनका सर्वेक्षण किया जा चुका है, इनके उपयोग की गुणवत्ता तथा मात्रा निर्धारित हो चुकी है, उन्हें विकसित संसाधन कहते हैं।



- 
- ★ प्रकृति में उपलब्ध होने वाले वे पदार्थ जो मानव आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं। लेकिन तकनीकी ज्ञान न होने या पूरी तरह विकसित न होने के कारण पहुँच के बाहर हैं, भंडार कहलाते हैं।
  - ★ सतत पोषणीय विकास - इस तरीके से विकास किया जाए जिससे पर्यावरण को हानि न पहुँचे तथा वर्तमान में किए जा रहे विकास के द्वारा भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की अवहेलना न हो।
  - ★ संसाधन नियोजन - ऐसे उपाय अथवा तकनीक जिसके द्वारा संसाधनों का उचित प्रयोग सुनिश्चित किया जा सके।
  - ★ संसाधन संरक्षण - संसाधनों का न्यायसंगत तथा योजनाबद्ध प्रयोग, जिससे संसाधनों का अपव्यय न हो।
  - ★ भूमि निम्नीकरण - विभिन्न प्राकृतिक तथा मानवीय क्रियाकलापों द्वारा मृदा का कृषि के योग्य न रह पाना।
  - ★ निचल अथवा शुद्ध बोया गया क्षेत्र - वह क्षेत्र जहाँ वर्ष में एक बार या एक से अधिक बार कृषि की गई हो।
  - ★ कुल बोया गया क्षेत्र - शुद्ध बोए गए क्षेत्र में परती भूमि को जोड़ना।
  - ★ परती भूमि - वह भूखंड जिस पर कुछ समय खेती नहीं की जाती और खाली छोड़ दिया जाता है।
  - ★ बंजर भूमि - वह भूखंड जिस पर कोई पैदावार नहीं होती तथा जो पहाड़ी, रेतीली अथवा दलदली होती है।
  - ★ लैटेराइट मृदा - अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में मिट्टी की ऊपरी परत के तेजी से कटाव से निर्मित मृदा।
  - ★ मृदा अपरदन - प्राकृतिक कारकों द्वारा मृदा का एक स्थान से हटना।
  - ★ उत्खात भूमि - प्रवाहित जल तथा पवनों के द्वारा किए जाने वाले मृदा अपरदन से उत्खात भूमि का निर्माण।
-

---

### अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक वाले प्रश्न)

1. भारत में सबसे अधिक कौन सी मृदा पाई जाती है ? इसका निर्माण किस प्रकार हुआ ?
2. महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और मालवा में कौन सी मृदा पाई जाती है ? इस मृदा का निर्माण किस प्रकार हुआ ?
3. मृदा निर्माण की प्रक्रिया में किन्हीं दो महत्वपूर्ण कारक लिखो ?
4. भारत में पाई जाने वाली विभिन्न मृदाओं में किन्हीं दो के नाम लिखो।
5. वन मृदा की दो विशेषताएँ लिखो ?
6. मरुस्थलीय मृदा की दो विशेषताएँ बताइए ?
7. पृथ्वी सम्मेलन 1992 का मुख्य उद्देश्य क्या था ?
8. एजेंडा 21 क्या है ?
9. किन्हीं दो राज्यों के नाम बताइए जहाँ सोपानी कृषि (सीढ़ीदार कृषि) की जाती है ?
10. ऐसी दो मानवीय क्रियाएँ लिखें जिनके द्वारा भूमि का निम्नीकरण होता है ?

### लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न 3/5 अंक वाले प्रश्न

1. संसाधनों के अति उपभोग से कौन-कौन सी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं ?
2. 'खादर' और 'बांगर' में क्या अंतर है ?
3. पृथ्वी सम्मेलन 1992 पर टिप्पणी लिखो।
4. मृदा अपरदन को किस प्रकार रोका जा सकता है ? विभिन्न उपायों को लिखो।
5. शुद्ध बोए गए क्षेत्र तथा कुल बोए गए क्षेत्र में अंतर स्पष्ट कीजिए ?
6. 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर' संसाधन संरक्षण' के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए हैं ?

- 
7. संसाधन नियोजन से आप क्या समझते हैं ? संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक हैं ?
  8. स्वामित्व के आधार पर संसाधनों के विभिन्न प्रकारों को समझाइए।
  9. मृदा निर्माण में कौन कौन से कारक उत्तरदायी है ? स्पष्ट करो।
  10. भारत में पाई जाने वाली मृदाओं का वर्णन करो तथा उनका वितरण भारत के मानचित्र में दर्शाइए।

### उत्तर कुंजी -

#### अति लघु उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. जलोढ़ मृदा। इसका निर्माण नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से हुआ है।
2. काली मृदा! इसका निर्माण ज्वालामुखी के मैग्मा तथा आग्नेय शैलों के द्वारा हुआ है ?
3. 1) उच्चावच                      2) जनक शैल  
3) जलवायु                      4) वनस्पति  
5) संस्तर शैलें                  6) ह्यूमस  
7) समय
4. 1) जलोढ़ मृदा                  2) काली मृदा  
3) लाल व पीली मृदा      4) लैटेराइट मृदा  
5) मरुस्थलीय मृदा          6) वन मृदा
5. 1) नदी घाटियों में मृदा दोमट तथा सिल्टदार परंतु ऊपरी ढलानों पर इनका गठन मोटे कणों द्वारा।  
2) हिमालय के हिम क्षेत्रों में ये अधिसिलिक तथा ह्यूमस रहित
6. 1) रंग लाल और भूरा  
2) रेतीली और लवणीय

- 
- 3) ह्यूमस और नमी की मात्रा कम।
  7. पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूँढना।
  8. एक कार्यसूची है, जिसका उद्देश्य समान हितों, पारस्परिक आवश्यकताओं एवं सम्मिलित जिम्मेदारियों के अनुसार विश्व सहयोग के द्वारा पर्यावरणीय क्षति, गरीबी और रोगों से निपटना।
  9. जम्मू व कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम।
  10. 1) अति पशुचारण      2) वनोन्मूलन  
3) खनन      4) अत्यधिक भौमजल का निष्कासन

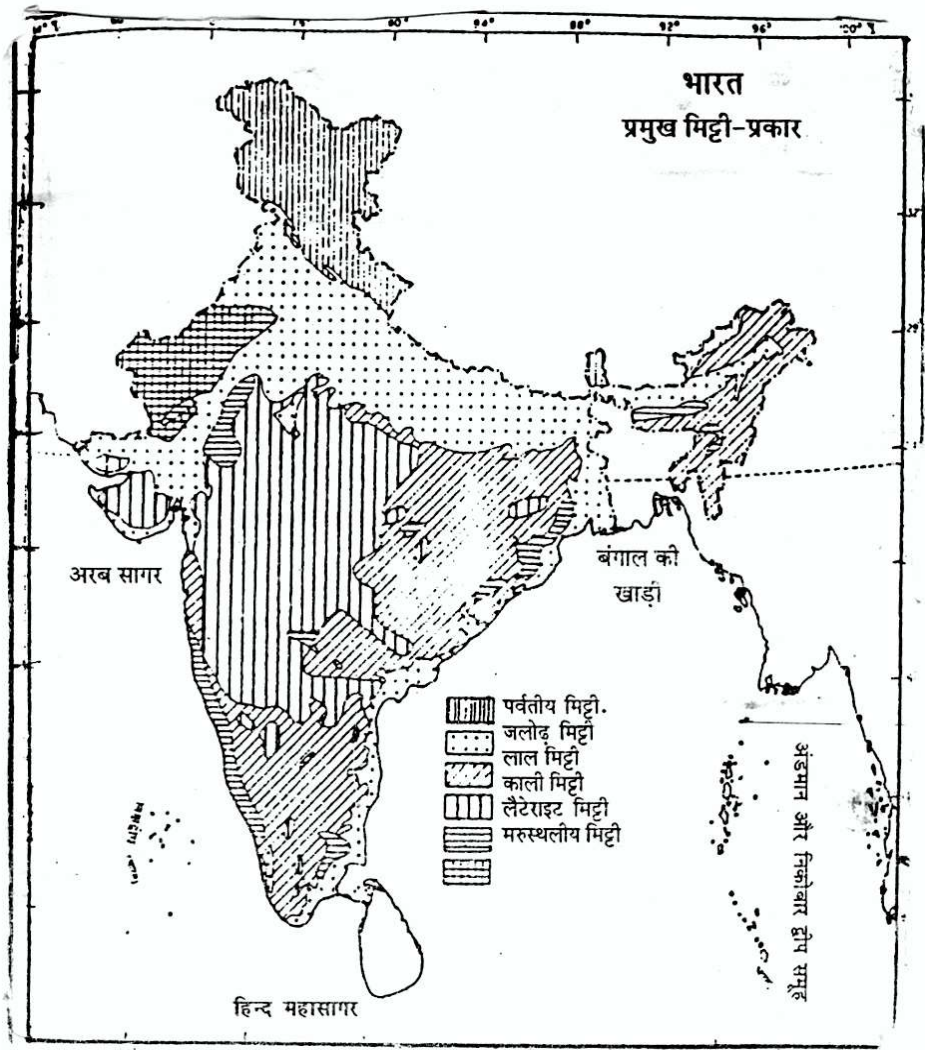
### लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंको वाले)

1. 1) संसाधनों का हास  
2) संसाधन समाज के कुछ ही लोगों के हाथ में। एक साधन संपन्न दूसरा संसाधन हीन वर्ग।  
3) वैश्विक पारिस्थितिक संकट जैसे भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिंग), ओजोन परत का क्षय, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि निम्नीकरण का होना।
2. खादर      बांगर  
1) नवीन जलोढ़      1) प्राचीन जलोढ़  
2) अधिक बारीक व रेतीली      2) कंकड़ तथा कैल्शियम कार्बोनेट  
3) बार-बार नवीकरण      3) बार-बार नवीकरण नहीं  
4) नदी के पास डेल्टा तथा बाढ़      4) नदी से दूर ऊँचे स्तर पर निर्मित मैदानों में पाई जाती है।

- 
3. ★ जून 1992 में रियो डिजेनेरो (ब्राजील) में आयोजित
- ★ 100 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया।
  - ★ विश्व स्तर पर उभरते पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक आर्थिक समस्याओं का हल ढूँढ़ने के लिए आयोजित।
  - ★ नेताओं द्वारा भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन और जैविक विविधता के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर।
  - ★ भूमंडलीय वन सिद्धांतों पर सहमति।
4. 1) नदियों पर बाँध बनाकर उनके बहाव को कम करना।
- 2) अधिक से अधिक वृक्ष लगाना।
- 3) मरुस्थलीय क्षेत्रों में काँटेदार वनस्पति लगाकर।
- 4) पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीनुमा खेत बनाकर।
- 5) मरुस्थलीय क्षेत्रों के किनारों पर पेड़ लगाकर।
5. शुद्ध बोया गया क्षेत्र :-
- 1) कुल ज्ञात क्षेत्रफल का वह भाग जो कृषि के लिए उपयोगी।
- 2) भारत में कुल क्षेत्रफल का लगभग आधा भाग शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- 3) गणना वर्ष में एक फसल के आधार पर
- कुल बोया गया क्षेत्र :-
- 1) वह क्षेत्र जिसमें कृषि अवधि में एक से अधिक फसलें बोना
- 2) कुल बोया गया क्षेत्र भारत में शुद्ध बोए गए क्षेत्र से बहुत अधिक।
- 3) गणना वर्ष में एक से अधिक फसलों के बोए जाने के आधार पर।
6. 1) 1968 में 'क्लब ऑफ रोम' ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित ढंग से संसाधन संरक्षण के पक्ष में अपनी आवाज उठाई।
- 2) 1974 में शुमेसर ने पुस्तक 'स्माइल इज ब्यूटीफुल' में गाँधी के दर्शन की पुनरावृत्ति की।
-

- 
- 3) 1987 में ब्रंटलैण्ड आयोग ने 'सतत पोषणीय विकास' की संकल्पना प्रस्तुत की।
- 4) महत्त्वपूर्ण योगदान पृथ्वी सम्मेलन 1992 द्वारा किया गया।
7. ★ संसाधन नियोजन 'संसाधनों के उचित उपयोग की तकनीक और कौशल।
- ★ संसाधन सीमित तथा उनका वितरण असमान।
  - ★ विवेकपूर्ण उपयोग के नियोजन अत्यंत महत्त्वपूर्ण
  - ★ संसाधन नियोजन की आवश्यकता -
- 1) सीमित मात्रा में उपलब्ध
  - 2) अनवीकरणीय हैं।
8. स्वामित्व के आधार पर संसाधनों का वर्गीकरण -
- ए) व्यक्तिगत संसाधन -
- ★ व्यक्ति के स्वामित्व में
  - ★ बाग, चारागाह, तालाब, कुआँ आदि
- बी) सामुदायिक संसाधन -
- ★ समुदाय के सभी लोगों को उपलब्ध
  - ★ गाँव की पशुचारण भूमि, श्मशान भूमि, तालाब
  - ★ नगरीय क्षेत्रों में पार्क, पिकनिक स्थल, खेल के मैदान।
- सी) राष्ट्रीय संसाधन -
- ★ तकनीकी रूप से सभी संसाधन राष्ट्रीय हैं।
  - ★ राष्ट्रीय सरकार को अधिकार कि वह राष्ट्र हित में व्यक्तिगत संसाधनों का अधिग्रहण कर सकती हैं।
  - ★ खनिज, संसाधन, जल संसाधन, वन तथा वन्य जीवन, राजनैतिक सीमाओं के भीतर संपूर्ण भूमि।
-

- 
- ★ 12 समुद्री मील तक महासागरीय क्षेत्र में पाए जाने वाले सभी संसाधन राष्ट्रीय हैं।
  - डी) अंतर्राष्ट्रीय संसाधन -
    - ★ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा नियम बनाना।
    - ★ तट रेखा से 200 किलोमीटर से परे खुले महासागरीय संसाधनों पर किसी देश का अधिकार नहीं।
    - ★ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की अनुमति के बिना उपयोग नहीं।
  - 9. 1) शैल - मृदा के लिए उचित सामग्री मिलना।
    - 2) जलवायु- लंबी अवधि में शैलों को छोटे-छोटे टुकड़ों तथा कणों में बदलना।
    - 3) पेड़-पौधे- जड़ें शैलों में घुसकर उन्हें तोड़-फोड़ देती हैं।
    - 4) अति चारण - पशुओं द्वारा निरंतर चराई से शैलों में परिवर्तन संभव।
    - 5) वर्षा - वर्षा का जल शैलों के छिद्रों में घुसकर तोड़फोड़ का कार्य करता है। लंबे समय तक इन कारकों के क्रियाशील रहने से शैलों में टूटने की क्रिया चलती रहती है। धीरे-धीरे मृदा का निर्माण होता है।
  - 10. 1) जलोढ़ मृदा-
    - ★ संपूर्ण उत्तरी मैदान में फैलाव
    - ★ सिंधु, गंगा तथा ब्रह्मपुत्र, नदी तंत्रों द्वारा विकसित
    - ★ रेत, सिल्ट तथा मृत्तिका के विभिन्न अनुपात
    - ★ बहुत उपजाऊ तथा गन्ना, चावल, गेहूँ आदि फसलों के लिए उपयुक्त
  - 2) काली मृदा -
    - ★ रंग काला तथा दूसरा नाम रेगर मृदा
    - ★ कपास तथा मूँगफली की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त।
    - ★ महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पठार में पाई जाती है
-



- ★ कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्निशियम, पोटैश और चूने जैसे तत्वों से परिपूर्ण।
- 3) लाल और पीली मृदा -
- ★ लोहे (आयरन) के कणों की अधिकता के कारण रंग लाल तथा कहीं-कहीं पर पीला भी।



- 
- ★ उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य गंगा के मैदान के दक्षिणी छोर और पश्चिमी घाट में पहाड़ी पद पर पाई जाती है।

4) लेटराइट मृदा -

- ★ उच्च तापमान और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित।
- ★ भारी वर्षा से अत्यधिक निक्षालन का परिणाम।
- ★ ह्यूमस की मात्रा कम
- ★ कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु मध्यप्रदेश, उड़ीसा तथा असम के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है।
- ★ काजू की फसल के लिए उपयुक्त

5) मरुस्थलीय मृदा -

- ★ रंग लाल तथा भूरा
- ★ रेतीली तथा लवणीय
- ★ शुष्क जलवायु तथा उच्च तापमान के कारण जल वाष्पन की दर अधिक
- ★ ह्यूमस और नमी की मात्रा कम
- ★ उचित सिंचाई प्रबंधन के द्वारा उपजाऊ बनाया जा सकता है।

6) वन मृदा -

- ★ पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती है।
- ★ गठन में पर्वतीय पर्यावरण के अनुसार बदलाव
- ★ नदी घटियों में मृदा दोमट तथा सिल्टदार
- ★ हिमाच्छादित क्षेत्रों में मृदा का अधिक अपरदन

इन मृदाओं का वितरण भारत के रेखामानचित्र में दर्शाया गया है। इसका अवलोकन कर अभ्यास करें।

## “जल संसाधन”

जानने योग्य तथ्य तथा महत्त्वपूर्ण शब्दावली :-

- ★ विश्व में जल के आयतन का 96.5 प्रतिशत भाग महासागरों में तथा केवल 2.5 प्रतिशत भाग अलवणीय जल है।
- ★ भारत की अधिकतर नदियाँ विशेषकर सरिताएँ प्रदूषण के कारण जहरीली धाराओं में परिवर्तित हो चुकी है।
- ★ नदी बेसिन - मुख्य नदी तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा कुल सिंचित क्षेत्र।
- ★ नर्मदा बचाओ आंदोलन - नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बाँध बनाने के विरोध में चलाया गया आंदोलन।
- ★ पालर पानी - राजस्थान के कुछ भागों में वर्षा जल का सबसे शुद्ध रूप।
- ★ भूमिगत जल - मृदा के नीचे बिछे हुए शैल आस्तरण छिद्रों और परतों में एकत्र होने वाला जल।
- ★ वर्षा जल संग्रहण - वर्षा जल को गड्ढों में एकत्र करना।
- ★ जल विद्युत - ऊँचे स्थानों से जल धारा को नीचे गिराकर उत्पन्न की गई विद्युत।
- ★ जल प्रपात - नदी घाटी के मध्य में ऊँचाई से गिरने वाला झरना।
- ★ बाँध - बहते जल को रोकने, दिशा देने या बहाव कम करने के लिए खड़ी की गई बाधा है जो आमतौर पर जलाशय, झील अथवा जलभरण बनाती है।

- 
- ★ बहुउद्देशीय परियोजनाएँ – नदियों पर बाँध बनाकर एक बार में अनेक उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न किया जाता है।
  - ★ बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ – वे कंपनियाँ जिनके उद्योग संस्थान एक से अधिक देशों में कार्य करते हैं तथा अनेक देशों में पूंजी निवेश करते हैं तथा अधिक लाभ अर्जित करते हैं।
  - ★ बाँस ड्रिप सिंचाई प्रणाली – नदियों व झरनों के जल को बाँस के बने पाइप द्वारा एकत्रित करके सिंचाई करना बाँस ड्रिप सिंचाई कहलाता है।

### अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक वाले प्रश्न)

1. विश्व में कुल जल के आयतन का मनुष्य के उपयोग के लायक कितना जल है ?
2. भारत का कौन सा राज्य है जहाँ छत वर्षा जल संग्रहण ढाँचों का निर्माण आवश्यक कर दिया गया है ?
3. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में बहुउद्देशीय परियोजनाओं को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य क्या था ?
4. 'गुल' अथवा 'कुल' क्या है ?
5. 'खादीन' और 'जोहड़' क्या है ?
6. भारत के ऐसे क्षेत्र का उदाहरण दें जहाँ पर्याप्त मात्रा में वर्षा होती है फिर भी जल की कमी है ?
7. राजस्थान में छत वर्षा जल संग्रहण को क्या कहा जाता है ?
8. जल दुर्लभता के दो कारण लिखो।
9. टिहरी परियोजना किस राज्य में किस नदी पर बनाया गया है ?
10. सलाल परियोजना किस नदी पर तथा किस राज्य में निर्मित है ?

---

**लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (3/5 अंक वाले प्रश्न)**

1. वर्षा जल संग्रहण क्या है ? भारत के विभिन्न भागों में वर्षा जल संग्रहण की दो विधियाँ लिखो।
2. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना क्या है ? बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना के लक्ष्य/उद्देश्य बताएँ।
3. बेकार पड़े कुएँ का वर्षा के जल के द्वारा पुनः भरण कैसे किया जाता है ?
4. औद्योगीकरण तथा शहरीकरण किस प्रकार जलदुर्लभता के लिए उत्तरदायी हैं ?
5. 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' पर टिप्पणी लिखो।
6. एक नवीकरणीय संसाधन होते हुए भी जल के संरक्षण तथा प्रबंधन की आवश्यकता क्यों है ?
7. परंपरागत वर्षा जल संग्रहण की किन पद्धतियों को आधुनिक समय में अपनाकर जल दुर्लभता की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है ?
8. जवाहर लाल नेहरू ने 'बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर' क्यों कहा है ? बाँधों से होने वाले लाभों की सूची बनाइए।
9. हमारे देश में जल का अभाव दिन प्रतिदिन क्यों बढ़ता जा रहा है ? कारणों की सूची तैयार करें।
10. भारत के रेखा मानचित्र पर निम्न को दर्शाइए -
  - 1) भाखड़ा बाँध
  - 2) हीराकुंड बाँध
  - 3) सरदार सरोवर परियोजना
  - 4) टिहरी परियोजना
  - 5) नागार्जुन सागर
  - 6) रिहन्द बाँध
  - 7) राणा प्रताप सागर परियोजना
  - 8) सलाल परियोजना

---

## उत्तर कुंजी -

### अति लघु उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (1 अंक वाले)

1. तमिलनाडु
  - ★ कृषि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास
  - ★ औद्योगीकरण में तेजी
  - ★ शहरी अर्थव्यवस्था का विकास
4. पश्चिमी हिमाचल में पर्वतीय क्षेत्रों में वाहिकाओं को 'गुल' अथवा 'कुल' कहते हैं।
5. शुष्क तथा अर्धशुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल को एकत्र करने के लिए बनाए गड़दे।
6. मेघालय की राजधानी शिलांग।
7. टाँका
8. ★ बढ़ती जनसंख्या की बढ़ती आवश्यकताएँ
  - ★ जल का असमान वितरण
9. उत्तराखंड में भागीरथी नदी पर
10. जम्मू व कश्मीर में चेनाव नदी पर

### लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले)

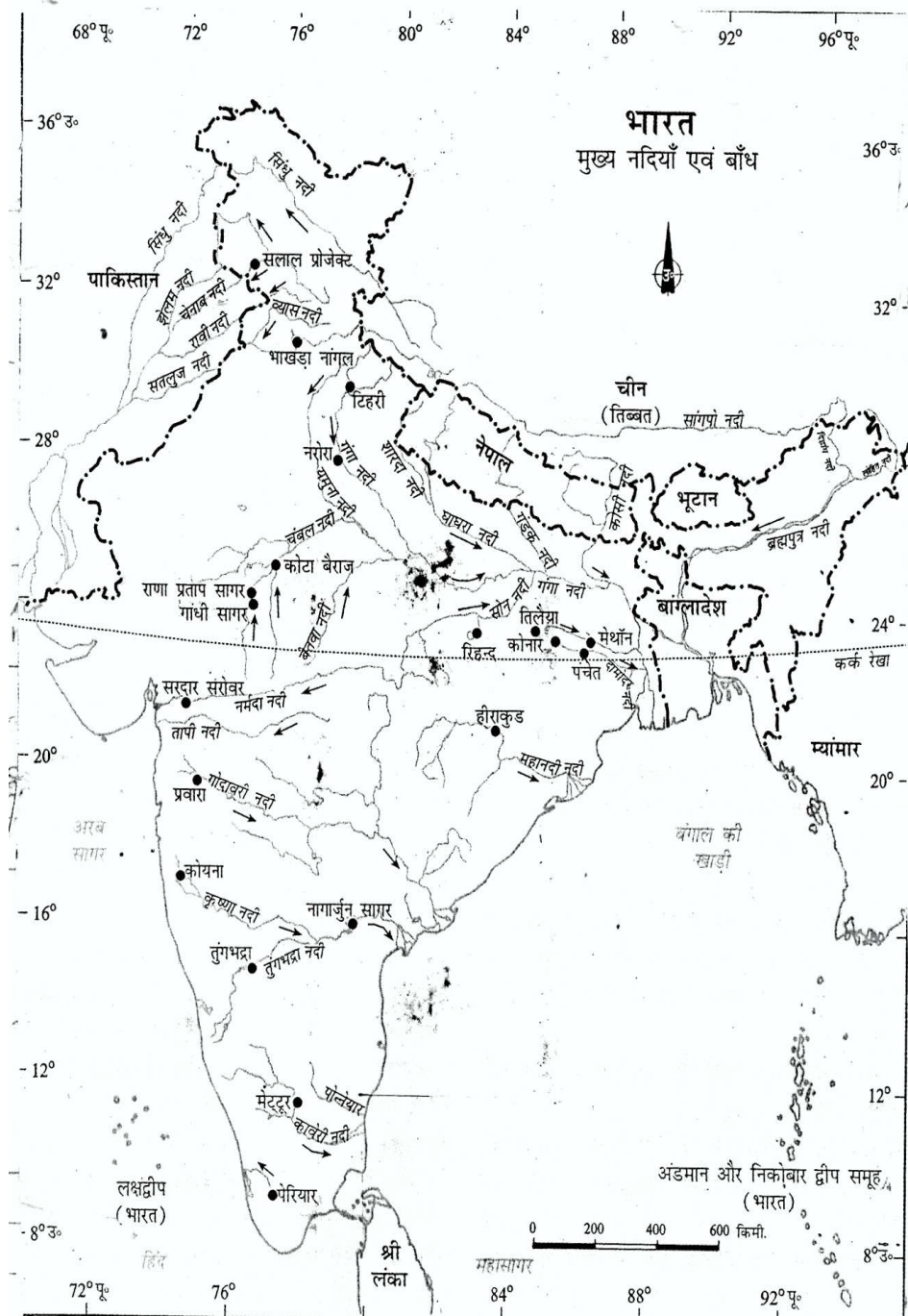
1. ★ एक तकनीक जिसमें वर्षा जल को खाली स्थानों, घरों में टैंक में, बेकार पड़े कुएँ में भरा जाता है। बाद में इसका प्रयोग किया जाता है।
  - ★ पर्वतीय क्षेत्रों में 'गुल' तथा 'कुल' जैसी वाहिकाओं से नदी की धारा का रास्ता बदलकर खेतों की सिंचाई।
  - ★ राजस्थान में पीने का जल एकत्रित करने के लिए छत वर्षा जल संग्रहण आम तकनीक है।

- 
- ★ पश्चिम बंगाल में बाढ़ के दौरान बाढ़ जल वाहिकाएँ बनाते हैं।
  - ★ शुष्क तथा अर्ध शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल एकत्रित करने के लिए गड्ढों का निर्माण।
  - ★ नदी पर बाँध बनाकर इससे अनेक प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करना, बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना कहते हैं।
    - 1) जल विद्युत उत्पादन
    - 2) सिंचाई
    - 3) घरेलू व औद्योगिक जल आपूर्ति
    - 4) नौचालन व पर्यटन
    - 5) बाढ़ नियंत्रण
    - 6) मछली पालन
3. 1) पी.वी.सी. पाइप का प्रयोग करके छत पर वर्षा जल एकत्र किया जाता है।
- 2) रेल व ईंट प्रयुक्त करके जल का छनन किया जाता है।
- 3) भूमिगत पाइप द्वारा जल हौज तक ले जाया जाता है, जहाँ से तुरंत प्रयोग किया जाता है।
- 4) इसी हौज से अतिरिक्त जल कुएँ तक ले जाया जाता है।
- 5) कुएँ का जल भूमिगत जल का पुनर्भरण करता है।
- 6) बाद में इस जल का प्रयोग अन्य कार्यों के लिए किया जा सकता है।
4. 1) स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में तेजी से औद्योगीकरण
- 2) उद्योगों की बढ़ती संख्या के कारण अलवणीय जल का अत्यधिक प्रयोग।
-

- 
- 3) शहर की बढ़ती आबादी तथा शहरी जीवन शैली के कारण जल ऊर्जा की आवश्यकता में तीव्र वृद्धि।
  - 4) शहरों तथा गाँवों में जल संसाधनों का अतिशोषण।
  5.
    - ★ आंदोलन गैर सरकारी संगठन द्वारा संचालित
    - ★ जनजातीय लोगों, किसानों, पर्यावरणविदों व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का सरदार सरोवर परियोजना के विरोध में लामबंद।
    - ★ आरंभ में यह आंदोलन जंगलों के बाँध के पानी में डूबने के मुद्दे पर केंद्रित।
    - ★ बाद में इसका लक्ष्य विस्थापितों का पुनर्वास करना हो गया।
    - ★ आंदोलन का अगुवा नेता मेधा पाटकर अब भी संघर्षरत।
  7.
    - 1) छत वर्षा जल संग्रहण
    - 2) 'गुल' अथवा 'कुल'
    - 3) बाढ़ जल वाहिकाएँ
    - 4) गड्ढे बनाकर
    - 5) खादीन
    - 6) टैंक अथवा टाँका
    - 7) बाँस ड्रिप सिंचाई प्रणाली।
  8. बाँधों से लाभ :-
    - 1) सिंचाई
    - 2) विद्युत उत्पादन
    - 3) घरेलू तथा औद्योगिक आवश्यकता हेतु जल आपूर्ति
    - 4) बाढ़ नियंत्रण
    - 5) मनोरंजन तथा पर्यटन
-

- 
- 6) मत्स्य पालन।
9. ★ भारत मानसूनी जलवायु का देश। कई बार मानसून असफल होने से जल का अभाव बढ़ रहा है।
- ★ सिंचाई के जल की मांग में तीव्र वृद्धि।
- ★ औद्योगिक क्रियाओं के कारण भूमिगत जल स्तर का गिरना।
- ★ शहरीकरण की गति में वृद्धि के कारण जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव।
- ★ बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के कारण।
10. भारत के मानचित्र का अवलोकन करें तथा उसका अभ्यास करें।





---

## भूगोल कक्षा 10वीं

### अध्याय - 3

## “कृषि”

जानने योग्य तथ्य तथा महत्त्वपूर्ण शब्दावली :-

- ★ भारत सबसे अधिक फलों और सब्जियों का उत्पादन करता है।
- ★ रोपण कृषि में एक लंबे चौड़े भूखंड पर एक ही फसल बोई जाती है।
- ★ भारत में चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि मुख्य रोपण फसलें हैं।
- ★ भारत में मुख्य रूप से चावल, गेहूँ, मोटे अनाज, दालें (दलहन), चाय, कॉफी, गन्ना, तिलहन, कपास, जूट इत्यादि फसलें उगाई जाती हैं।
- ★ रबी फसलें अक्टूबर से दिसंबर के मध्य में बोई जाती हैं और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काट ली जाती है। गेहूँ, जौ, मटर, चना और सरसों आदि मुख्य रबी फसलें हैं।
- ★ खरीफ़ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ जून-जुलाई में बोई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में काट ली जाती है।
- ★ खरीफ ऋतु की मुख्य फसलें चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूँग, उड़द, कपास, जूट, मूँगफली और सोयाबीन हैं।
- ★ भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल है। भारत चावल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।
- ★ ज्वार, बाजरा, रागी, मिलेट भारत में उगाए जाने वाले मुख्य मोटे अनाज हैं।
- ★ भारत का विश्व में दालों के उत्पादन में अग्रणी स्थान है।
- ★ भूमि को जोतने, बोन, फसलें उगाने, पशुओं को पालने की कला को कृषि कहते हैं।
- ★ निर्वाह कृषि - ऐसी कृषि प्रणाली जिसमें किसान अपने परिवार का पोषण

---

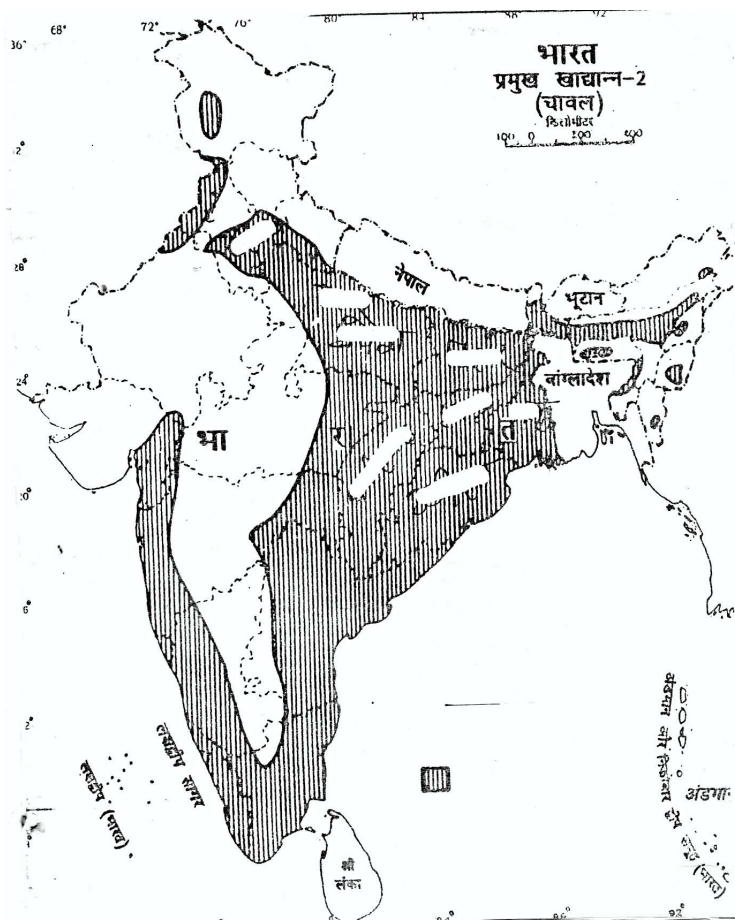
करने के लिए उत्पादन करता है। इसमें परंपरागत कृषि उपकरणों तथा तरीकों का प्रयोग किया जाता है।

- ★ कर्तन-दहन प्रणाली - कृषि की ऐसी पद्धति जिसमें किसान जमीन के टुकड़े को साफ करके उन पर अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं। जब मृदा में उर्वरा शक्ति कम होने लगती है तब उस भूखंड को छोड़ दिया जाता है। फिर अन्य स्थान पर नया खेत बना लिया जाता है।
- ★ गहन कृषि - इस पद्धति में अधिक उत्पादन के उद्देश्य से अधिक निवेश, आधुनिक उपकरणों, कीटनाशकों, उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है।
- ★ रोपण कृषि - एक प्रकार की वाणिज्यिक कृषि है जिसमें विस्तृत क्षेत्र में एकल फसल बोई जाती है। जिसमें अत्यधिक पूंजी निवेश व श्रम का प्रयोग होता है।
- ★ शस्यवर्तन - भूमि की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए भूमि के किसी टुकड़े पर फसलें बदल-बदल कर बोना।
- ★ चकबंदी - बिखरी हुई कृषि जोतों अथवा खेतों को एक साथ मिलाकर आर्थिक रूप से लाभ प्रद बनाना।
- ★ हरित क्रांति - कृषि क्षेत्र में अधिक उपज वाले बीजों का प्रयोग, आधुनिक तकनीक, अच्छी खाद, उर्वरकों का प्रयोग करने से कुछ फसलों विशेषकर गेहूँ के उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि को हरित क्रांति कहते हैं।
- ★ श्वेत क्रांति - दूध के उत्पादन में वृद्धि के लिए पशुओं की नस्लों को सुधारना, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया गया। 'ऑपरेशन फ्लड' इसी कार्यक्रम का मुख्य भाग है।

### अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक वाले)

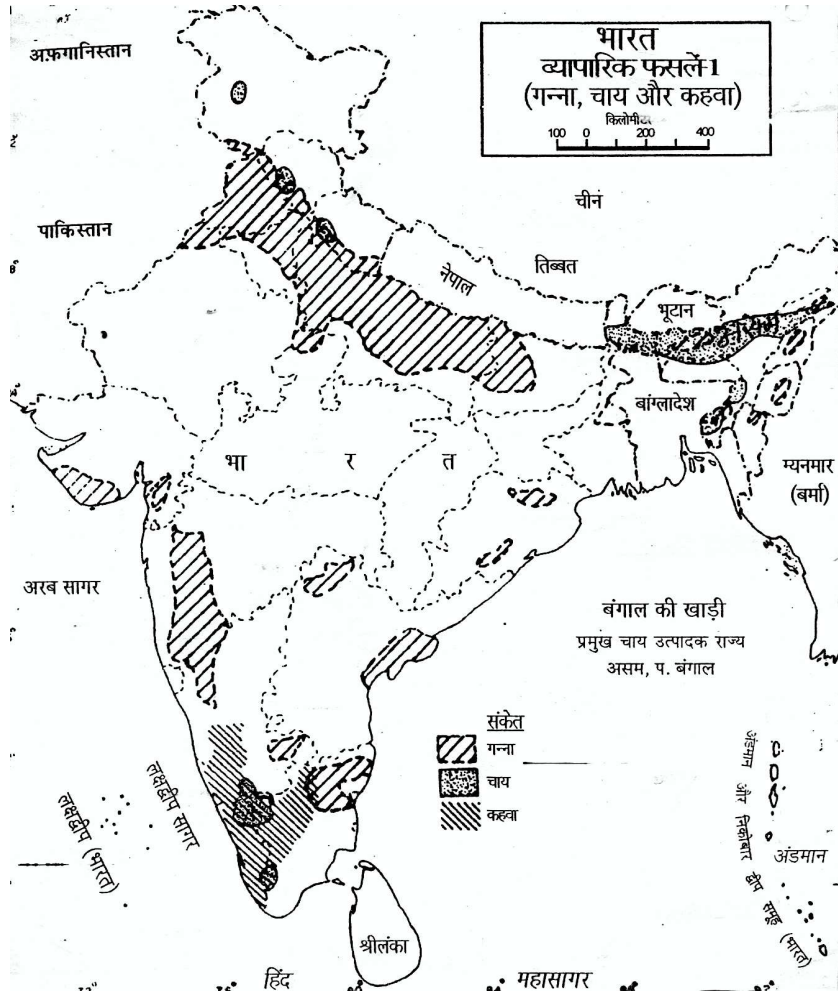
1. भारत की चार रबी तथा चार खरीफ फसलों के नाम लिखो।
2. रोपण कृषि की दो विशेषताएँ लिखो।
3. दलहन तथा तिलहन फसलों के चार उदाहरण लिखो।

4. रेशम उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों को पालना कृषि का कौन सा प्रकार है ?
5. कर्तन दहन कृषि या स्थानांतरीय कृषि विभिन्न देशों में किन-किन नामों से जाना जाता है ?
6. जीविका निर्वाह कृषि की दो विशेषताएँ लिखो।
7. गहन कृषि के दो गुण लिखो।
8. 'ऑपरेशन फ्लड' किससे संबंधित है ?
9. आर्गेनिक कृषि (जैविक कृषि) क्या है ?
10. 'सुनहरा रेशा' किस फसल को कहा जाता है ?



### लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (3/5 अंक वाले प्रश्न)

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्त्व है ?
2. सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधारों के बारे में लिखें।
3. भारत में घटते खाद्य उत्पादन के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारणों का वर्णन करो।
4. जीविका निर्वाह कृषि तथा वाणिज्यिक कृषि में अंतर बताइए।



- 
5. चाय की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाओं का वर्णन करो।
  6. रबड़ व मक्का के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं का वर्णन करो।
  7. गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं का विवेचन करो।
  8. चावल तथा कपास के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं को लिखो।
  9. भारत में उगाई जाने वाली चार रेशेदार फसलों के नाम लिखिए। इनमें कौन सा रेशा सीधे फसल उगाने से प्राप्त नहीं होता ? इसकी उत्पादन विधि का नाम भी लिखें।
  10. गेहूँ की कृषि के लिए उपयुक्त दशाओं का वर्णन करो।

### उत्तर कुंजी -

#### अति लघु उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (1 अंक वाले)

1. रबी - गेहूँ, चना, जौ, मटर, सरसों आदि  
खरीफ़ - चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूँग आदि।
2. 1) रोपण कृषि व्यापक क्षेत्र में की जाती है।  
2) अधिक पूंजी और श्रम की आवश्यकता।
3. दलहन - अरहर, मूँग, उड़द, मटर, चना, मसूर आदि।  
तिलहन - मूँगफली, सरसों, अलसी, तिल, सोयाबीन आदि।
4. सेरीकल्चर
5. मैक्सिको तथा मध्य अमेरिका - मिलपा  
वेनेजुएला - कोनुको  
ब्राजील - रोका

---

इंडोनेशिया	-	लदांग
वियतनाम	-	रे
मध्य अफ्रिका	-	मसोले

6.    1)    भूमि के छोटे टुकड़ों पर परंपरागत रूप से कृषि करना।  
       2)    प्रायः मानसून, मृदा की प्राकृतिक उर्वरता तथा फसल उगाने की पर्यावरणीय परिस्थितियों की उपयुक्तता पर निर्भर।
7.    1)    अधिक उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों तथा सिंचाई का प्रयोग।  
       2)    भूखंडों का आकार छोटा होने पर कई-कई फसलें उगाना।
8.    दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए
9.    प्राकृतिक तरीकों से कृषि, उर्वरकों, कीटनाशकों का प्रयोग न करके कृषि करना कार्बनिक कृषि/ आर्गेनिक कृषि या जैविक कृषि कहते हैं।
10.   जूट या पटसन

### लघु/दीर्घ उत्तर वाले प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले)

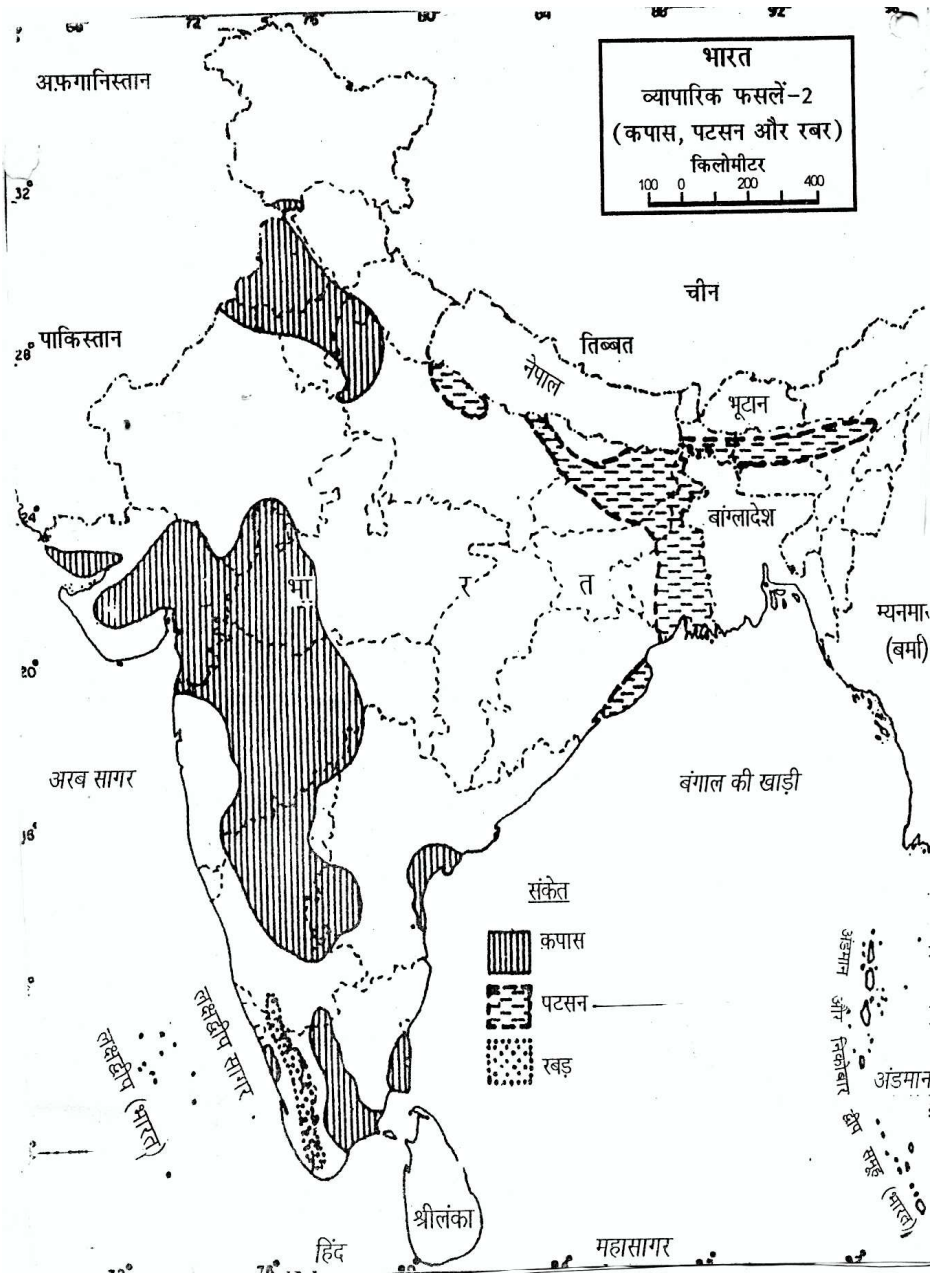
1.    1)    दो-तिहाई जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न  
       2)    कृषि एक प्राथमिक क्रिया  
       3)    विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराना।  
       4)    भारत की प्राचीन आर्थिक क्रियाएँ  
       5)    पिछली कुछ शताब्दियों में कृषि कार्यों में क्रांतिकारी परिवर्तन।
2.    1)    फसलों की बीमा सुविधा देना।  
       2)    सहकारी बैंकों का विकास कर किसानों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराना।

- 
- 3) फसलों के समर्थन मूल्य का उचित निर्धारण कर प्रोत्साहित करना।
  - 4) मौसम संबंधी सूचनाओं को समय-समय पर प्रसारित करना।
  - 5) कृषि संबंधी नवीन तकनीक, औजारों, उर्वरकों आदि से संबंधित कार्यक्रम रेडियो तथा दूरदर्शन पर प्रसारित करना।
3. 1) गैर कृषि उपयोग के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण बोए गए क्षेत्र में कमी।
- 2) रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का अधिक उपयोग के कारण उपजाऊ क्षमता में कमी।
- 3) असक्षम तथा अनुचित जल प्रबंधन ने जलाक्रान्तता और लवणता की समस्या को उत्पन्न किया।
- 4) अत्यधिक भू-जल दोहन के कारण भौम स्तर गिर गया है, इससे कृषि लागत में वृद्धि।
- 5) अपर्याप्त भंडारण क्षमता तथा बाज़ार का अभाव
4. जीविका निर्वाह कृषि वाणिज्यिक कृषि
- 1) खेतों का छोटा आकार                      1) खेतों का बड़ा आकार
  - 2) परंपरागत तकनीक तथा उपकरण      2) नवीनतम तकनीक तथा औजार
  - 3) स्थानीय बाजार के लिए उत्पादन      3) निर्यात करने के लिए उत्पादन
  - 4) दो या तीन फसलें लेना                      4) एक मुख्य फसल पर बल
  - 5) खाद्य फसलों की पैदावार पर बल      5) गन्ना, कपास, गेहूँ आदि।

प्रश्न 5 से 10 तक के लिए निम्न सारणी का अवलोकन करें।

(अगले पृष्ठ पर)

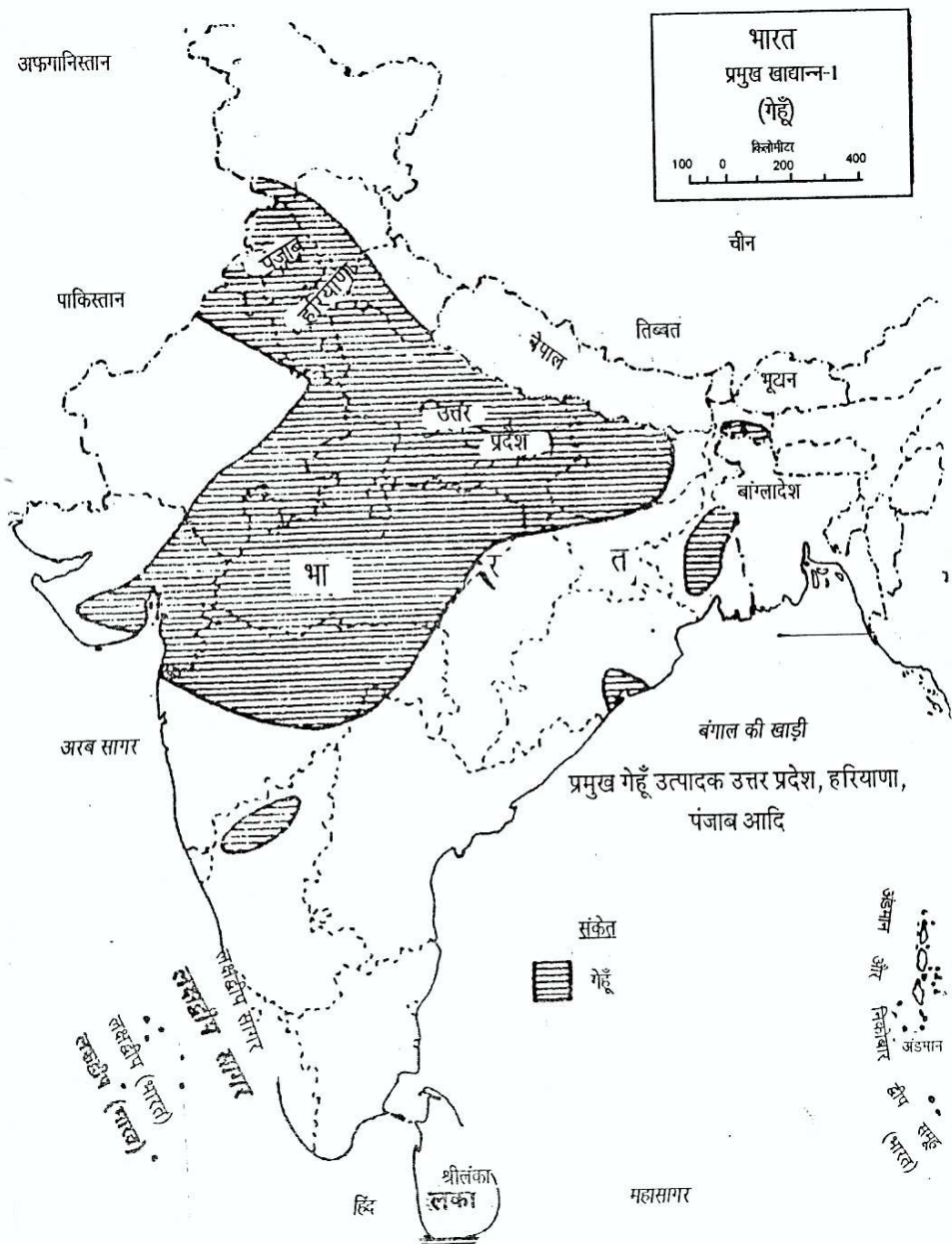




विभिन्न फसलों के वितरण से संबंधित मानचित्रों का अध्ययन करें तथा अभ्यास करें।

प्र० 5 से 10 तक के उत्तर :-

नाम	तापमान	फसल	मृदा/मिट्टी	वर्षा	जलवायु	क्षेत्र
चाय	20 <sup>से.</sup> -30 <sup>से.</sup>	रोपण	उत्तम जल निकासी वाली	150-200 से.मी.	रुष्ण-आर्द्र जलवायु	असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु
रबड़	25 <sup>से.</sup> -35 <sup>से.</sup>	रोपण	वन मृदा	300 से.मी.	गर्म व आर्द्र जलवायु	केरल, असम, त्रिपुरा, कर्नाटक, तमिलनाडु
मक्का	21 <sup>°</sup> से.-27 <sup>से.</sup>	खरीफ़	जलोढ़	50-100 से.मी.	विभिन्न प्रकार की जलवायु	कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश
गन्ना	21 <sup>से.</sup> -27 <sup>से.</sup>	खरीफ़	जलोढ़ व काली	75-100 से.मी.	गर्म व आर्द्र	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
चावल	24 <sup>°</sup> से.	खरीफ़	जलोढ़	100 से.मी.	रुष्णकटिबंधीय	पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, असम
कपास	30 <sup>°</sup> से.	खरीफ़	काली व जलोढ़	50-100 से.मी.	रुष्ण व उपोष्ण	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब
गेहूँ	10 <sup>से.</sup> -25 <sup>से.</sup>	रबी	जलोढ़	50-75 से.मी.	रुष्ण व उपोष्ण	पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान



## खनिज और ऊर्जा संसाधन

महत्वपूर्ण घटनायें / तथ्य :-

1. **खनिज** - हमारे जीवन का अति अनिवार्य भाग। सभी वस्तुओं का निर्माण खनिजों द्वारा होता है। एक कार्बनिक पदार्थ जिसमें कठोरता, रंग और निश्चित आकार होता है।
2. **लिग्नाइट** - निम्न कोटि का भूरा मुलायम कोयला।
3. **अयस्क** - लोहा, मैंगनीज, अभ्रक जैसे खनिज के अंशों का मिश्रित रूप।
4. **हेमेटाइट** - उद्योग में प्रयोग होने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण लोहा जिसमें 50-60 प्रतिशत लौह अंश होता है।
5. **मैग्नेटाइट** - उच्च कोटि का लौह अयस्क जिसमें 70 प्रतिशत लौह अंश होता है।
6. **पेट्रोलियम** - अशुद्ध या कच्चा खनिज तेल।
7. **खनन** - उपयोगी खनिज पदार्थों के निष्कर्षण का काम।
8. **लौह खनिज** - जिन खनिजों में लौह अंश होता है जैसे लोहा, मैंगनीज आदि।
9. **मुंबई हाई** - मुंबई से 115 कि.मी. दूर अरब सागर में उथला समुद्री तेल क्षेत्र।
10. **आणविक शक्ति** - अणु के विखंडन से प्राप्त ऊर्जा।
11. **आणविक खनिज** - परमाणु ऊर्जा को धारण करने वाले पदार्थ जैसे यूरेनियम, थोरियम तथा बैरिलियम।
12. **बायो गैस** - ऊर्जा जो घास फूस, कृषि कचरा, जानवर तथा मानव अपशिष्ट पदार्थों से प्राप्त की जाती है।

- 
13. **धात्विक खनिज** – वे खनिज जिनमें धातु का अंश अधिक होता है जैसे लौह अयस्क, बॉक्साइट।
  14. **अधात्विक खनिज** – वे खनिज जिनमें धातु का अंश नहीं होता है जैसे चूना पत्थर, पोटाश आदि।
  15. **भूगर्भशास्त्री** – वे वैज्ञानिक जो चट्टानों की प्रकृति और उनके निर्माण का अध्ययन करते हैं।

### भारत में विभिन्न खनिज उत्पादन करने वाले क्षेत्रों का विवरण :-

खनिज का नाम	उत्पादन करने वाले क्षेत्र
लौह अयस्क	-- छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, गोआ और कर्नाटक।
मैंगनीज	-- कर्नाटक, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गोआ आदि।
एल्यूमिनियम (बॉक्साइट)	-- मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़।
अभ्रक	-- झारखंड, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान आदि।
ताँबा	-- मध्यप्रदेश, झारखण्ड, राजस्थान, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश
सोना	-- कर्नाटक और बिहार आदि।
कोयला	-- झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि।
खनिज तेल	-- मुंबई हाई, असम, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. अवसादी चट्टानों में खनिज किस प्रकार मिलते हैं ?
2. लौह अयस्क की सर्वोत्तम किस्म कौन सी है ?
3. मैंगनीज का उपयोग क्या-क्या बनाने में किया जाता है ?
4. चूना पत्थर किस उद्योग का आधारभूत कच्चा माल है ?

- 
5. मोनाजाइट रेत में कौन सा खनिज पाया जाता है ?
  6. ऊर्जा के गैर परंपरागत साधन कौन-कौन से हैं ?
  7. भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थित है ?
  8. भारत में भू-तापीय ऊर्जा की दो परियोजनाएँ कहाँ शुरू की गई हैं ?
  9. रैट होल खनन क्या है ?
  10. बांबे हाई किसलिए प्रसिद्ध है ?
  11. कौन सा खनिज सबसे कठोर होता है ?
  12. कौन सा खनिज प्रायः महासागरीय जल से प्राप्त किया जाता है ?
  13. उस खनिज का नाम बताइए जिसका भारत विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है ?
  14. ताँबे का महत्व या उपयोग बताइए ?
  15. उच्चकोटि के कोयले का नाम बताइए ?
  16. भारत में सबसे बड़ा पवन ऊर्जा पेटी कहाँ अवस्थित है ?

### लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक वाले प्रश्न)

1. खनिजों का हमारे लिए क्या महत्व है ?
2. खनिज कितने प्रकार के होते हैं तथा उनका वर्गीकरण किस आधार पर किया जाता है ?
3. आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में खनिजों का निर्माण कैसे होता है ?
4. लौह और अलौह खनिज में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. लौह अयस्क की तीन प्रमुख पेटियों का उल्लेख कीजिए।
6. अभ्रक किस रूप में पाया जाता है ? भारत में इसके निक्षेपों के प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए ? अभ्रक के मुख्य उपयोग क्या हैं ?
7. भारत में गैस परिवहन की धमनी कही जाने वाली पाइपलाइन का नाम लिखिए। प्राकृतिक गैस के दो प्रमुख प्रयोक्ताओं का उल्लेख कीजिए।

- 
8. भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य उज्ज्वल है, क्यों ?
  9. तापीय और जल विद्युत ऊर्जा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
  10. मुंबई हाई क्यों प्रसिद्ध है ? देश की अर्थव्यवस्था में उसका क्या स्थान है। ?
  11. खनन उद्योग को घातक उद्योग क्यों कहा जाता है ?
  12. हम ऊर्जा का संरक्षण किस प्रकार कर सकते हैं ?
  13. हमें खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है ? इसके संरक्षण के उपाय बताइए ?

### उत्तरमाला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. अवसादी चट्टानों में खनिज परतों या संस्तरों में पाये जाते हैं।
2. मैग्नेटाइट, 70 प्रतिशत लोहांश पाया जाता है।
3. इस्पात, ब्लीचिंग पाउडर, कीटनाशक दवाएँ और पेंट बनाने में।
4. सीमेंट उद्योग
5. थोरियम
6. पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा।
7. भुज के निकट माधोपुर में (गुजरात)।
8. हिमाचल प्रदेश के मणिकरण पार्वती घाटी में तथा लद्दाख में पूगा घाटी में।
9. जोबाई या चेरापूँजी में कोयले का खनन, परिवार के सदस्यों द्वारा एक लंबी संकीर्ण सुरंग के रूप में किया जाता है।
10. भारत का सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र है। 63 प्रतिशत।
11. हीरा सबसे कठोर होता है।
12. मैग्नीशियम, नमक तथा ब्रोमाइन।

- 
13. अभ्रक।
  14. बिजली के तार बनाने, रसायन उद्योग और इलैक्ट्रानिक्स में।
  15. बिटुमिनस व एंथ्रेसाइट।
  16. नागरकोइल (तमिलनाडु) और जैसलमेर (राजस्थान) में।

### लघु और दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

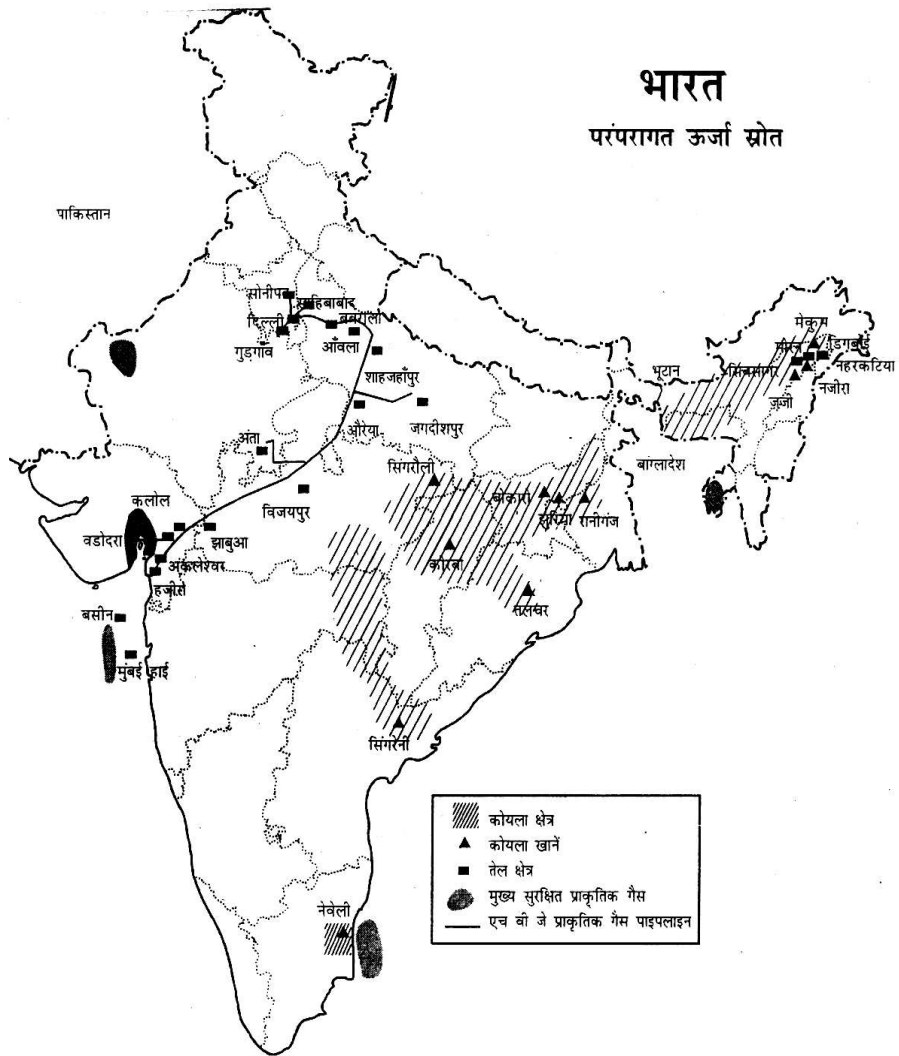
1. दैनिक जीवन में काम आने वाली छोटी से छोटी चीज़ सुई से लेकर जहाज तक खनिजों से बनाए जाते हैं। इमारतें, पुल तक खनिजों से बनाए जाते हैं। भोजन में भी खनिज होते हैं।  
मशीनें और औज़ार खनिजों से बनते हैं।  
परिवहन के साधन, बर्तन आदि बनाए जाते हैं।
2. खनिज 3 प्रकार के होते हैं।  
1) धात्विक                      2) अधात्विक                      3) ऊर्जा खनिज  
खनिजों का वर्गीकरण उनके रंग, चमक, कठोरता, घनत्व तथा क्रिस्टल के आधार पर किया जाता है।
3. आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में खनिज दरारों, जोड़ों, भ्रंशों व विदारों में मिलते हैं। छोटे जमाव शिराओं के रूप में तथा बड़े जमाव परत के रूप में पाए जाते हैं। जब ये तरल या गैसीय अवस्था में दरारों के सहारों भू-पृष्ठ की ओर धकेले जाते हैं। ऊपर आते हुए ये ठंडे होकर जम जाते हैं। मुख्य धात्विक खनिज जैसे जस्ता, तांबा, जिंक और सीसा आदि इसके उदाहरण हैं।



## मानचित्र

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित परंपरागत ऊर्जा स्रोत दर्शाइए

- 1) कोयला क्षेत्र      2) कोयला खानें      3) तेल क्षेत्र
- 4) मुख्य सुरक्षित प्राकृतिक गैस
- 5) एच वी जे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन



---

#### 4. लौह खनिज

#### अलौह खनिज

- 1) जिनमें लोहे का अंश होता है। -- जिनमें लोहे का अंश नहीं होता है।
- 2) लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल -- तांबा, सीसा, जस्ता और बॉक्साइट।  
और कोबाल्ट आदि।

#### 5. ★ उड़ीसा - झारखण्ड पेटी

★ महाराष्ट्र - गोआ पेटी

★ बेलारी - चित्रदुर्ग, चिकमगलूर - तुमकूर पेटी

★ दुर्ग - बस्तर-चन्द्रपुर पेटी

#### 6. अभ्रक प्लेटों या परतों के रूप में पाया जाता है। अभ्रक के निक्षेप-

★ छोटा नागपुर पठार के उत्तरी पठारी किनारों पर।

★ बिहार-झारखण्ड की कोडरमा-गया-हजारीबाग पेटी।

★ राजस्थान में अजमेर के पास।

★ आंध्र प्रदेश की नेल्लोर पेटी।

अभ्रक विद्युत और इलेक्ट्रानिक उद्योगों में प्रयोग किया जाता है।

#### 7. 1700 कि.मी. लंबी हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन मुंबई हाई और बसीन को पश्चिमी व उत्तरी भारत के उर्वरक, विद्युत व अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ती है।

ऊर्जा व उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस के प्रमुख प्रयोक्ता हैं। तरल ईंधन (सीएनजी) संपीड़ित प्राकृतिक गैस का प्रयोग गाड़ियों में किया जा रहा है।

#### 8. ★ भारत एक उष्ण-कटिबंधीय देश है।

★ यह प्रदूषण रहित है।

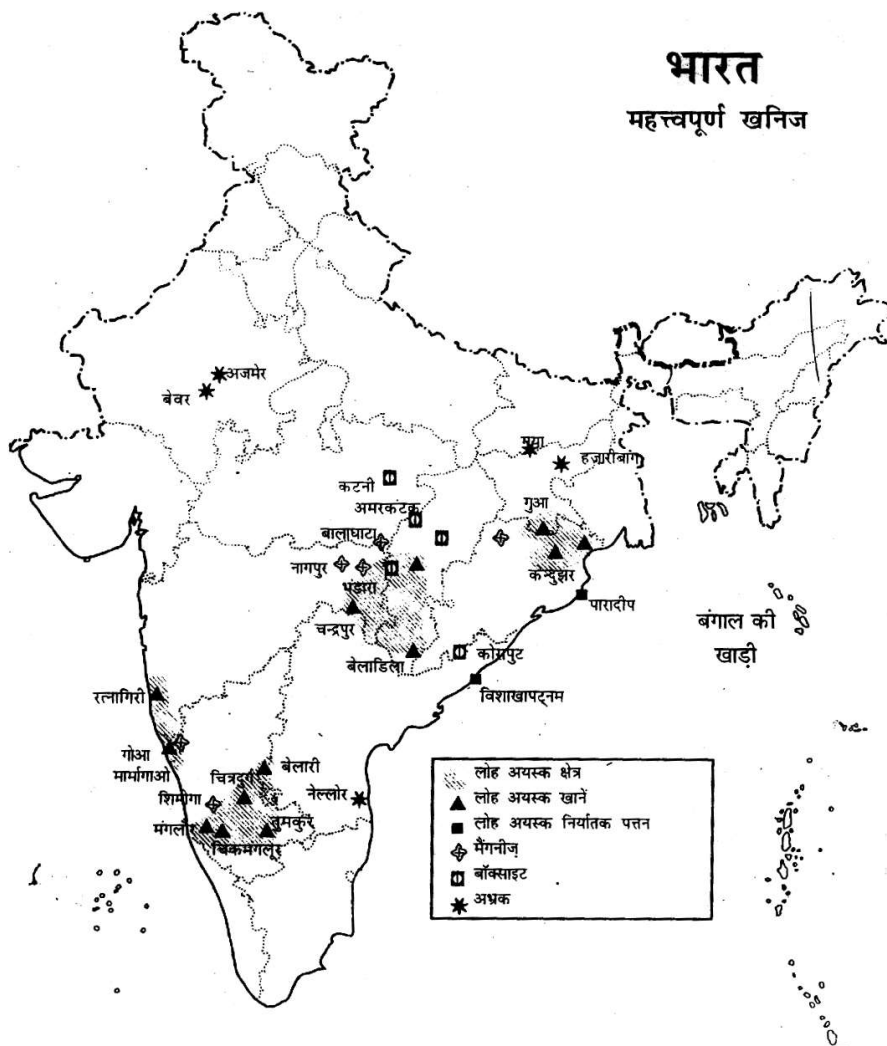
★ यह नवीकरणीय स्रोत है।

★ निम्नवर्ग के लोग आसानी से इसका लाभ उठा सकते हैं।



- 
10. मुम्बई के पास खनिज तेल के जिस अपतटीय क्षेत्र का पता चला है उसे मुंबई हाई कहते हैं।  
भारत में कुल पेट्रोलियम उत्पादन का 63 प्रतिशत भाग मुंबई हाई से प्राप्त होता है। विदेशी मुद्रा की बचत होती है।
11. इस उद्योग से श्रमिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर बहुत खराब प्रभाव पड़ता है।
- ★ लगातार धूल व हानिकारक धुएँ में सांस लेना पड़ता है।
  - ★ श्रमिकों को फेफड़ों से संबंधित बीमारियाँ हो जाती हैं।
  - ★ खदानों में पानी भर जाने या आग लग जाने से श्रमिकों में डर बना रहता है।
  - ★ कई बार खदानों की छत के गिर जाने से उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ती है।
  - ★ खनन के कारण नदियों का जल प्रदूषित हो जाता है।
  - ★ भूमि और मिट्टी का अपक्षय होता है।
12. 1) जरूरत न होने पर बिजली बन्द कर देनी चाहिए।  
2) सार्वजनिक वाहन का उपयोग करना चाहिए।  
3) परंपरागत ऊर्जा के स्रोत सीमित हैं। इनका प्रयोग बड़े ध्यान से करना चाहिए।  
4) नवीकरणीय साधनों का प्रयोग करना चाहिए।  
5) विद्युत बचत करने वाले उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए।
13. ★ खनिज हमारे उद्योग और कृषि के आधार हैं।  
★ नवीकरण योग्य नहीं है।  
★ निक्षेपों की कुल मात्रा बहुत ही कम है।  
★ इनके निर्माण में लाखों वर्ष लग जाते हैं।
-

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित खनिजों के स्थान दर्शाइए :-



### संरक्षण के उपाय

- ★ खनन एवं परिष्करण के दौरान इन पदार्थों की बर्बादी कम हो।
- ★ जहाँ तक सम्भव हो प्लास्टिक और लकड़ी का प्रयोग करें।
- ★ रद्दी एवं पुराने माल का पुनः प्रयोग करना चाहिए।

---

## भूगोल कक्षा 10वीं

### अध्याय - 5

## विनिर्माण उद्योग

**याद रखने योग्य बातें :-**

1. **विनिर्माण** - मशीनों द्वारा बड़ी मात्रा में कच्चे माल से अधिक मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहते हैं।
2. **उद्योग** - विनिर्माण का विस्तृत रूप उद्योग कहलाता है।
3. **आधारभूत उद्योग** - ऐसे उद्योग जो दूसरे उद्योगों के लिए अपने तैयार माल को कच्चे माल के रूप में आपूर्ति करते हैं, जैसे लोहा और इस्पात उद्योग।
4. **कृषि आधारित उद्योग** - कृषि उत्पादों को औद्योगिक उत्पाद में बदलने वाले उद्योग।
5. **कुटीर उद्योग** - छोटी मशीनों की सहायता से परिवार के द्वारा अपने घर में चलाये जाने वाले उद्योग को कुटीर उद्योग कहते हैं। जैसे - खादी, हस्तकला आदि।
6. **लघु उद्योग** - वे उद्योग जिन्हें अल्प पूँजी और थोड़े श्रमिकों द्वारा चलाया जाता है।
7. **भारी उद्योग** - वे उद्योग जो भारी और अधिक स्थान घेरने वाले कच्चे माल का प्रयोग करते हैं। जैसे लोहा और इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग, सीमेंट उद्योग आदि।
8. **निजी क्षेत्र के उद्योग** - किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित लाभप्रद कार्य जैसे डाबर, बजाज आदि।
9. **सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग** - सरकार के स्वामित्व और प्रत्यक्ष नियंत्रण वाले उद्योग। जैसे Sail, Bhel, Gail आदि।
10. **संयुक्त उद्योग** - जो उद्योग राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से चलाये जाते हैं। जैसे ऑयल इंडिया लिमिटेड।

- 
11. **सहकारी उद्योग** – जिनका स्वामित्व कच्चे माल की पूर्ति करने वाले उत्पादकों, श्रमिकों या दोनों के हाथ में होता है। लाभ-हानि का विभाजन भी अनुपातिक होता है। जैसे केरल का नारियल उद्योग और महाराष्ट्र का चीनी उद्योग।
  12. **विदेशी विनिमय** – एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में बदलने की प्रक्रिया को विदेशी विनिमय कहते हैं।
  13. **विदेशी मुद्रा** – मुद्रा का वह माध्यम जिसके द्वारा सरकार दूसरे देश से वस्तुएँ खरीदती व बेचती है।
  14. **खनिज आधारित उद्योग** – जो उद्योग कच्चे माल के रूप में खनिजों का उपयोग करते हैं। जैसे सिलाई मशीन, सीमेंट उद्योग, लोहा एवं इस्पात उद्योग आदि।
  15. **औद्योगिक रूग्णता (बीमारी)** : – उद्योगों की हानि या उद्योगों का बंद होना।।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. विनिर्माण किसे कहते हैं ?
2. कौन सा कारक किसी उद्योग की अवस्थिति में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ?
3. विनिर्माण उद्योगों का क्या महत्व है ?
4. उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं ?
5. आधारभूत उद्योग किसे कहते हैं ?
6. भारत का कौन सा लोहा इस्पात संयंत्र जर्मन के सहयोग से स्थापित किया गया है ?
7. पहला सफल सूती वस्त्र उद्योग कब व कहाँ लगाया गया था ?
8. कौन सी एजेंसी सार्वजनिक क्षेत्र में स्टील बाजार में उपलब्ध करवाती है।
9. सीमेंट उद्योग की इकाइयाँ गुजरात में क्यों लगाई गई हैं ?

- 
10. पहला सीमेंट उद्योग कब और कहाँ स्थापित किया गया ?
  11. भारत की इलैक्ट्रानिक राजधानी का नाम लिखिए।
  12. द्वितीयक क्रियाओं का क्या अर्थ है।
  13. कौन से उद्योग में चूना पत्थर को कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है।
  14. पैराम्बूर किस लिए प्रसिद्ध है ?
  15. पटसन का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है ?
  16. भिलाई इस्पात कारखाना किस राज्य में है ?
  17. वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले उद्योगों के नाम बताइए।
  18. ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले उद्योगों के नाम बताइए।

### लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले तीन भौतिक कारक बताइए।
2. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले तीन मानवीय कारक बताइए।
3. सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के उद्योगों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. भारत में अधिकांश जूट मिलें पश्चिम बंगाल में क्यों स्थित हैं ?
5. विनिर्माण उद्योग को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी क्यों माना जाता है ?
6. चीनी उद्योग के सम्मुख कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ?
7. 'कृषि और उद्योग एक दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं' स्पष्ट कीजिए।
8. सूती वस्त्र उद्योग के सामने कौन-कौन सी समस्याएँ हैं ?
9. हमारे देश के लिए सीमेंट उद्योग का विकास अति महत्वपूर्ण है, क्यों ?
10. भारत में उदारीकरण एवं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ने किस प्रकार मोटरगाड़ी



---

उद्योग में अत्यधिक वृद्धि की है ? स्पष्ट कीजिए।

11. जूट उद्योग किन चुनौतियों का सामना कर रहा है।
12. उद्योगों द्वारा पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए गए विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।
13. भारत के सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का आर्थिक विकास में योगदान का वर्णन कीजिए।

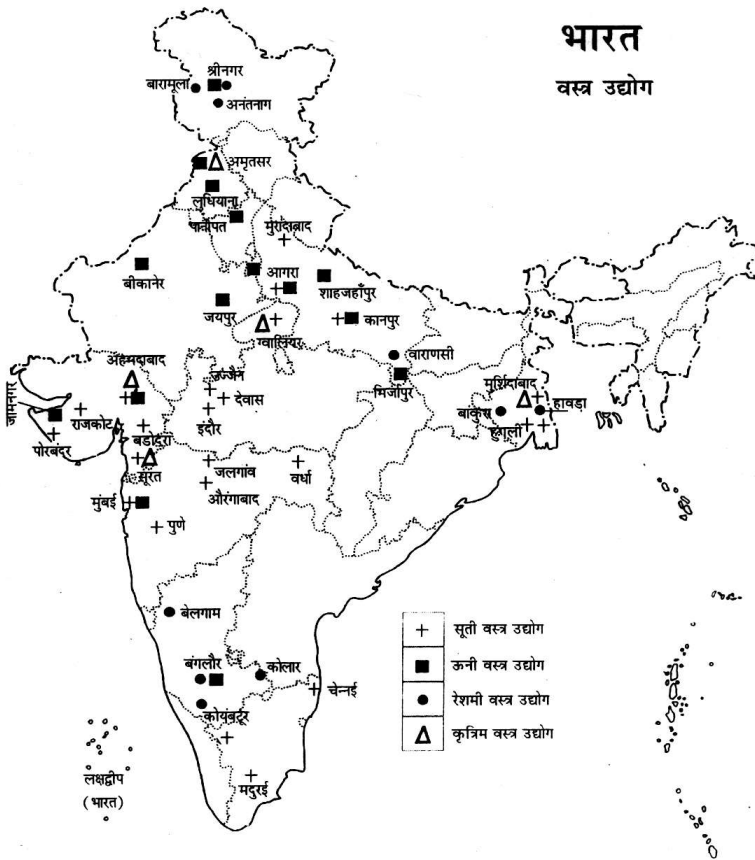
### उत्तरमाला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहते हैं।
2. न्यूनतम उत्पादन लागत।
3. विनिर्माण उद्योगों के विकास तथा स्पर्धा से कृषि उत्पादन और वाणिज्य व्यापार को बढ़ावा मिलता है।
4. कच्चे माल की उपलब्धता, श्रमिक, पूँजी, बाजार, शक्ति के साधन, वित्तीय संस्थाएँ आदि।
5. ऐसे उद्योग जिनके उत्पादन व कच्चे माल पर दूसरे उद्योग निर्भर हैं जैसे लोहा-इस्पात उद्योग, एल्यूमीनियम उद्योग, प्रगलन उद्योग आदि।
6. दुर्गापुर।
7. 1854 में मुंबई में।
8. स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड।
9. गुजरात में इस उद्योग को खाड़ी देशों में निर्यात की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
10. 1904 में चेन्नई में।
11. बंगलौर
12. द्वितीयक क्रियाओं में लगे व्यक्ति कच्चे माल का आकार बदलकर व उसे परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं।

13. सीमेंट उद्योग।
14. रेलगाड़ी व मालगाड़ी के डिब्बे बनाने के लिए।
15. बांग्लादेश।
16. छत्तीसगढ़।
17. प्रगलन उद्योग, रसायन व कागज उद्योग, तेलशोधन शालाएँ, ईंटों के भट्टे।
18. जेनरेटर, औद्योगिक व निर्माण कार्य, लकड़ी चीरने के कारखाने, विद्युत ड़िल।

भारत के मानचित्र पर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, रेशमी वस्त्र और कृत्रिम वस्त्र उद्योग के प्रमुख स्थान दर्शाइए।



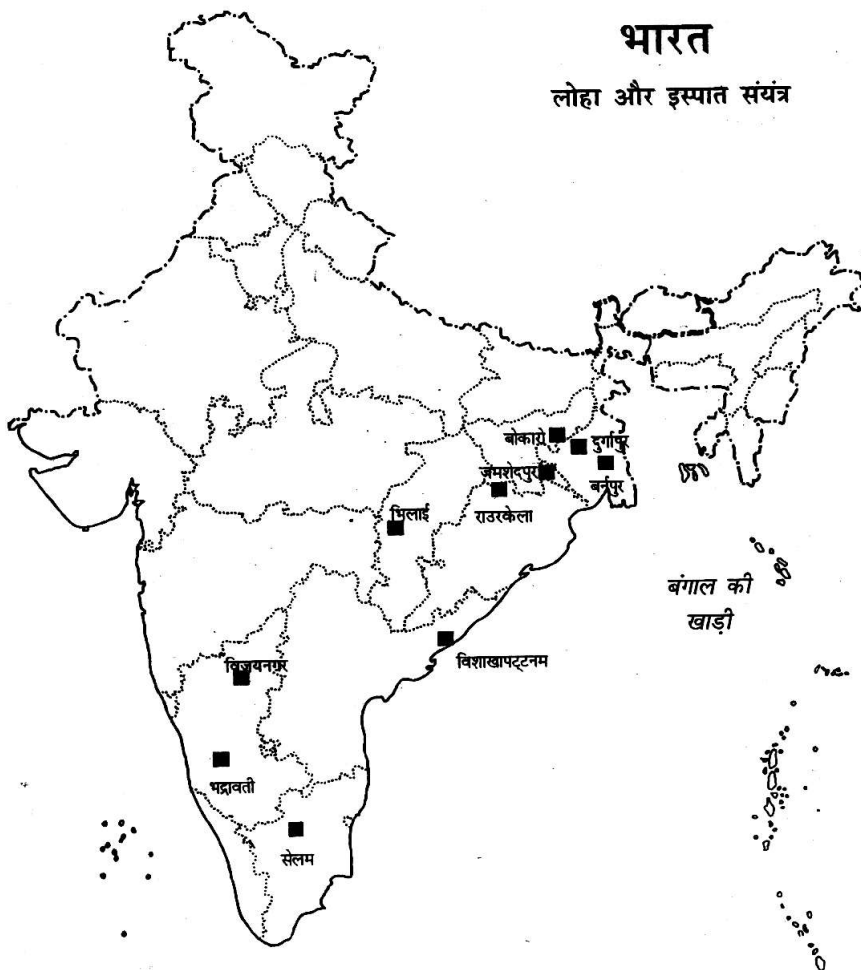
---

### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1.
  - ★ कच्चे माल की उपलब्धता
  - ★ शक्ति के साधन
  - ★ अनुकूल जलवायु
  - ★ मानवीय कारक
  
2.
  - ★ मानवीय कारक
  - ★ श्रम
  - ★ पूँजी
  - ★ बाज़ार
  - ★ परिवहन और संचार की सुविधाएँ।
  
3. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग :- वे उद्योग जिनका स्वामित्व राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के किसी संगठन के पास होता है। जैसे भारतीय रेल, जहाज निर्माण उद्योग, भिलाई और दुर्गापुर लोहा-इस्पात के उद्योग आदि।  
निजी क्षेत्र के उद्योग :- वे उद्योग जिनका स्वामित्व कुछ व्यक्तियों अथवा फर्मों या कंपनियों के पास होता है। जैसे ब्रिटानिया उद्योग जो ब्रैड और बिस्कुट बनाता है, दिल्ली में प्योर ड्रिंक्स जैसे कैम्पा कोला, जमशेदपुर में टिस्को।
  
4.
  - ★ भारत में सबसे अधिक पटसन का उत्पादन पश्चिम बंगाल में होता है।
  - ★ इस उद्योग को पानी की अधिक आवश्यकता पड़ती है जो हुगली नदी से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है।
  - ★ सस्ते मजदूर भी मिल जाते हैं।
  - ★ चीज़ों के निर्यात के लिए कोलकाता का बन्दरगाह है।

5. जिस प्रकार शरीर को आकार रीढ़ की हड्डी से मिलता है उसी प्रकार एक देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास का मुख्य आधार विनिर्माण उद्योग है।

भारत के मानचित्र पर लोहा और इस्पात संयंत्रों को दर्शाइए।

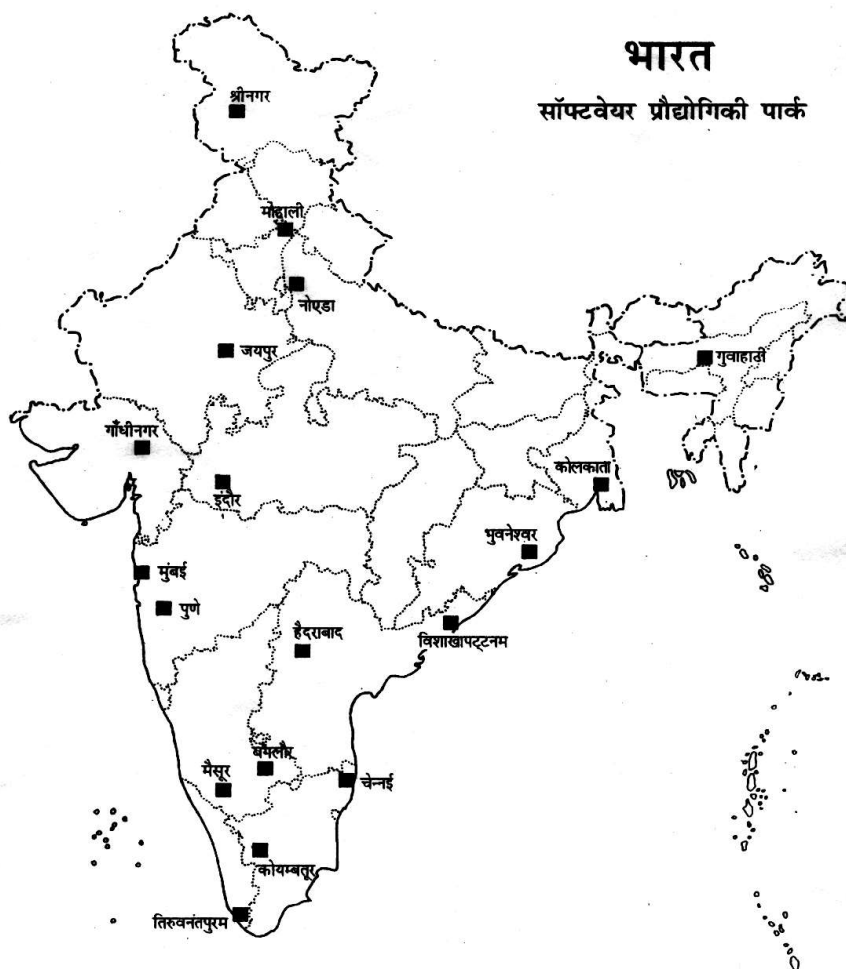


- ★ कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक हैं।
- ★ द्वितीयक तथा तृतीयक सेवाओं में रोजगार उपलब्ध करवाते हैं।
- ★ विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।

- 
- ★ बेरोजगारी और गरीबी को दूर करने में सहायक है।
  - ★ राष्ट्रीय धन में वृद्धि होती है।
  - ★ दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
6. ★ यह उद्योग मौसमी प्रकृति का है, छोटी अवधि का होता है।
- ★ गन्ने का उत्पादन प्रति हैक्टेयर कम है।
  - ★ पुरानी मशीनों का होना।
  - ★ खोई का अधिकतम इस्तेमाल न कर पाना।
  - ★ परिवहन के साधनों के असक्षम होने के कारण गन्ने का समय पर कारखानों में न पहुँचना।
7. कृषि उद्योगों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चा माल जैसे कपास, जूट, गन्ना आदि का उत्पादन करती है।
- उद्योग किसानों को खेती के विकास के लिए उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, मशीनें आदि उपलब्ध कराता है।
- कृषि उत्पादन में वृद्धि सम्भव हुई है।
- उद्योगों द्वारा कृषि उत्पादों को मण्डी तक पहुँचाना, बेचना काफी आसान हो गया है।
8. ★ पुरानी और परंपरागत तकनीक
- ★ लंबे रेशे वाली कपास की पैदावार का कम होना।
  - ★ नई मशीनरी का अभाव।
  - ★ कृत्रिम वस्त्र उद्योग से प्रतिस्पर्धा।
  - ★ अनियमित बिजली की आपूर्ति।
-

9. ★ भवन, फैक्टरियाँ, सड़कें, पुल, बाँध, घर आदि का निर्माण करने के लिए आवश्यक है।
- ★ उत्तम गुणवत्ता वाले सीमेंट का उत्पादन करता है।
- ★ अफ्रीका के देशों में मांग रहती है।

भारत के मानचित्र पर प्रमुख सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क दर्शाइए।



10. ★ उदारीकरण के पश्चात नए और आधुनिक मॉडल के वाहनों का बाजार बढ़ा है।

- 
- ★ वाहनों की माँग बढ़ी है। कार, स्कूटर, ऑटो रिक्शा में अपार वृद्धि हुई है।
  - ★ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ नई प्रौद्योगिकी के उपयोग से यह उद्योग विश्वस्तरीय विकास के स्तर पर आ गया है।
  - ★ आज 15 इकाइयाँ कार, 14 इकाइयाँ स्कूटर, मोटरसाइकिल तथा ऑटोरिक्शा का निर्माण करती हैं।
11. ★ कृत्रिम रेशों से चीजें बनने लगी हैं।
- ★ कृत्रिम रेशे से बनी चीज़ें सस्ती होती हैं।
  - ★ जूट की खेती पर व्यय बहुत हो जाता है।
  - ★ विदेशी स्पर्धा का मुकाबला बाजार में चुनौती के रूप में खड़ा है।
  - ★ बांग्लादेश अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चुनौती के रूप में खड़ा है।
12. ★ प्रदूषित जल को नदियों में न बहाया जाये।
- ★ जल को साफ करके प्रवाहित करना चाहिए।
  - ★ जल विद्युत का प्रयोग करना चाहिए।
  - ★ ऐसी मशीनरी का प्रयोग करना चाहिए जो कम ध्वनि करे।
13. ★ रोज़गार उपलब्ध करवाता है।
- ★ विदेशी मुद्रा अर्जित करता है।
  - ★ कार्यरत महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है।
  - ★ हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का निरंतर विकास हो रहा है।
  - ★ सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क, विशेषज्ञों को एकल विंडो सेवा तथा उच्च आंकड़े संचार सुविधा प्रदान करते हैं।
-

## राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

---

याद रखने योग्य बातें :-

1. देश की जीवन रेखाएँ - परिवहन तथा संचार के आधुनिक साधन जो लोगों को एक दूसरे के पास लाते हैं तथा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में सहायता करते हैं।
2. परिवहन के साधन :- परिवहन के साधन जो मनुष्य तथा सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं। रेल, वायु एवं जल परिवहन।
3. संचार के साधन :- वे साधन जो सूचना, समाचार, संवाद को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं जैसे समाचार पत्र, रेडियो, टीवी टेलिफोन, मोबाइल फोन, ई-मेल आदि।
4. स्वर्णिम चतुर्भुज :- 6 लेन वाली सड़कें जो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ती हैं।
5. राष्ट्रीय राजमार्ग :- 4 से 6 लेन की सड़कें देश के दूर स्थित भागों को जोड़ती हैं। इनका रखरखाव केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है।
6. सीमांत सड़कें :- सीमा सड़क संगठन सीमान्त क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण व रख-रखाव करता है।
7. व्यापार :- विभिन्न व्यक्तियों, राज्यों तथा विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं के आदान-प्रदान को व्यापार कहते हैं।
8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - दो या दो से अधिक देशों के बीच वस्तुओं का आदान-प्रदान। देश का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों द्वारा होता है।
9. व्यापार संतुलन - यदि किसी देश का आयात मूल्य उसके निर्यात मूल्य के बराबर हो।



- 
10. **रेल परिवहन** – यातायात का मुख्य साधन है। भारतीय रेल परिवहन को 16 प्रखंडों में बाँटा गया है।
  11. **गेज या पथ** – रेल की दो पटरियों के बीच की दूरी।
  12. **पत्तन या बन्दरगाह** – समुद्र तट पर वह स्थान जहाँ जहाज़ पर वस्तुओं को लादने तथा उतारने का काम किया जाता है।
  13. **ज्वारीय पत्तन** – एक बन्दरगाह जो ज्वार के समय कार्यरत होता है जैसे गुजरात में कांडला।
  14. **पर्यटन के नए रूप** – विरासत पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, पारि-पर्यटन, रोमांचकारी पर्यटन, व्यापारिक पर्यटन आदि। प्रत्येक वर्ष भारत में 26 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. पूर्व-पश्चिम गलियारा किन दो क्षेत्रों को जोड़ता है ?
2. उत्तरी रेलवे का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
3. भारत में पहली रेलगाड़ी कब और कहाँ चलाई गई ?
4. देश का पुराना कृत्रिम पत्तन कौन सा है ?
5. सड़क घनत्व से आप क्या समझते हैं ?
6. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 किन स्थानों के बीच नौगम्य है ?
7. उत्तर-दक्षिण गलियारा किन दो क्षेत्रों को जोड़ता है ?
8. पाइपलाइन परिवहन से क्या अभिप्राय है ?
9. भारत की तट रेखा की लम्बाई कितनी है ?
10. कौन सा समुद्री पत्तन लौह-अयस्क के निर्यात के सन्दर्भ में प्रमुख पत्तन है ?
11. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहला विकसित पत्तन कौन सा है ?
12. भारत के दो अंतःस्थलीय जलमार्गों के नाम बताइए ?
13. वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण कब किया गया ?

- 
14. बड़े शहरों में डाक संचार में तीव्रता लाने के लिए कौन-कौन से मुख्य उपाय किये गये हैं ?
  15. किस क्षेत्र में विशेष प्रावधान के माध्यम से हवाई यात्रा को आम जनता तक पहुँचाया गया है।

### लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. जनसंचार के साधनों से होने वाले किन्हीं 3 लाभों की चर्चा कीजिए।
2. पाइपलाइन परिवहन के लाभ बताइए ?
3. स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग की तीन विशेषताएँ लिखिए।
4. तीन रेलवे क्षेत्रों व उनके मुख्यालय के नाम लिखिए।
5. सड़क परिवहन, रेल परिवहन से अधिक महत्वपूर्ण है, क्यों ?
6. वायु परिवहन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
7. सड़क परिवहन किन-किन समस्याओं से जूझ रहा है ?
8. रेलों के जाल के असमान वितरण के कारण लिखिए ?
9. पर्यटन एक उद्योग या व्यापार के रूप में अर्थव्यवस्था के विकास में किस प्रकार सहायक है ?
10. भारत की सड़कों का उनकी क्षमता के आधार पर वर्गीकरण कीजिए ?
11. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार व स्थानीय व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?
12. परिवहन तथा संचार के विभिन्न साधनों को अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ क्यों कहा जाता है ?

### उत्तरमाला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. सिलचर (असम) - पोरबंदर (गुजरात)
2. दिल्ली

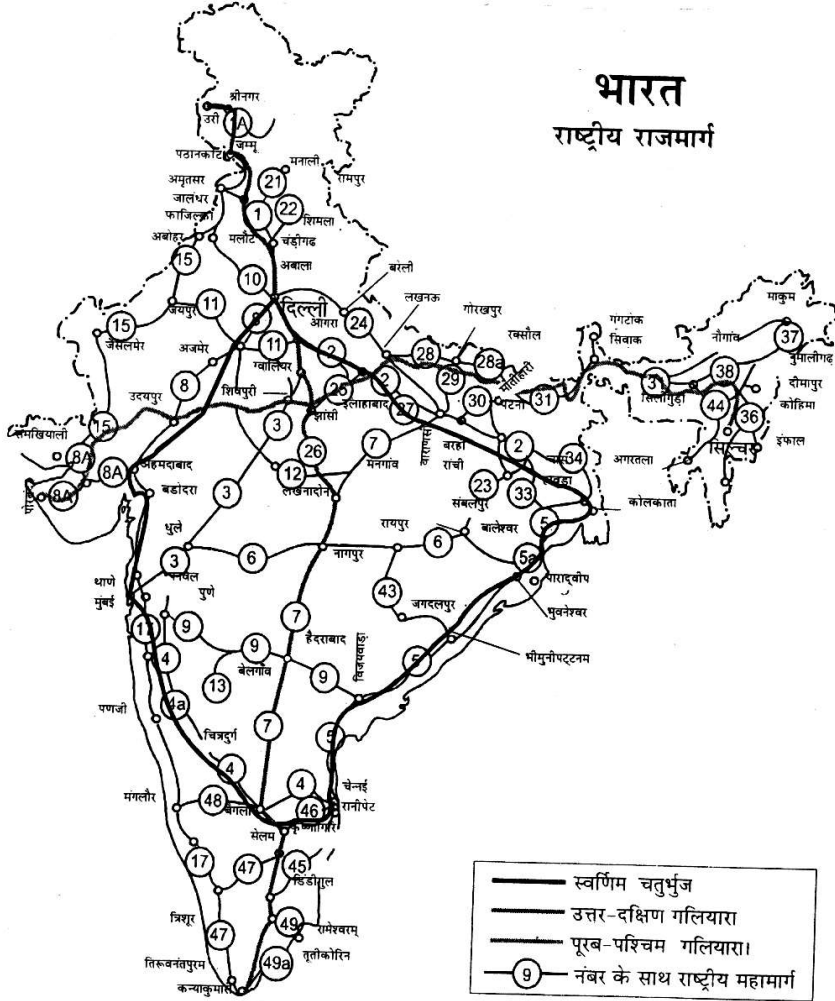
- 
3. 16 अप्रैल, 1853 में मुंबई और थाणे के बीच (34 किमी दूरी)
  4. चेन्नई
  5. प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्र में सड़कों की लम्बाई को सड़क घनत्व कहा जाता है।
  6. इलाहाबाद और हल्दिया के बीच (1620 किमी लंबा)
  7. श्रीनगर को कन्याकुमारी से।
  8. परिवहन का नया साधन है। पानी को घरों और खेतों में पहुँचाने के साथ-साथ कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद तथा प्राकृतिक गैस को गैस शोधन शालाओं तक तथा ताप विद्युत घरों तक पहुँचाया जाता है।
  9. 7516.6 किमी.
  10. मारमागाओ
  11. कांडला पत्तन
  12. गंगा नदी- इलाहाबाद और हल्दिया के बीच।  
ब्रह्मपुत्र नदी - सादिया व धुबरी के बीच।
  13. 1953 में
  14. 6 डाक मार्ग बनाए गए हैं। राजधानी मार्ग, मेट्रो (मार्ग) चैनल, ग्रीन चैनल, व्यापार चैनल, भारी चैनल, दस्तावेज चैनल।
  15. उत्तर-पूर्वी राज्यों में।

### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1. ★ स्वस्थ मनोरंजन करता है।  
★ राष्ट्रीय कार्यक्रम और नीतियों के बारे में जागरूक करता है।  
★ ज्ञानवर्धक है।  
★ खेल संबंधी कार्यक्रमों को प्रसारित किया जाता है।  
★ दूरदर्शन राष्ट्रीय समाचार और संदेश का माध्यम है।
2. ★ पाइपलाइन द्वारा शहरों और उद्योगों में पानी पहुँचाने के साथ

- 
- गैस, खनिज तेल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया जाता है।
- ★ समय की बचत होती है। बीच की चोरी और बर्बादी को रोका जा सकता है।
  - ★ पाइपलाइन बिछाने की लागत अधिक है परन्तु इसको चलाने की लागत कम है।
  - ★ पाइपलाइन द्वारा परिवहन शीघ्र, सुरक्षित और आसान हो जाता है।
  - ★ रेलों पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सकता है।
3.   ★ यह 6 लेन वाला महामार्ग है।
- ★ यह भारत की मेगा सिटीज दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व कोलकाता को जोड़ता है।
  - ★ यह मेगा सिटीज के बीच की दूरी व समय को कम करता है।
  - ★ यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकार क्षेत्र में है।
4.   ★ उत्तरी रेलवे क्षेत्र - नई दिल्ली
- ★ पश्चिमी रेलवे क्षेत्र - मुंबई
  - ★ दक्षिणी रेलवे क्षेत्र - चेन्नई
5.   ★ सड़क परिवहन रेल परिवहन से पहले प्रारंभ किया गया।
- ★ निर्माण तथा व्यवस्था सुविधाजनक है।
  - ★ हमें घरों तक पहुँचाती है।
  - ★ पहाड़ी क्षेत्रों, दुर्गम क्षेत्रों तथा उबड़-खाबड़ स्थानों पर भी आसानी से बनाई जा सकती है।
  - ★ अन्य परिवहन साधनों में सड़क परिवहन एक कड़ी के रूप में काम करता है।
-

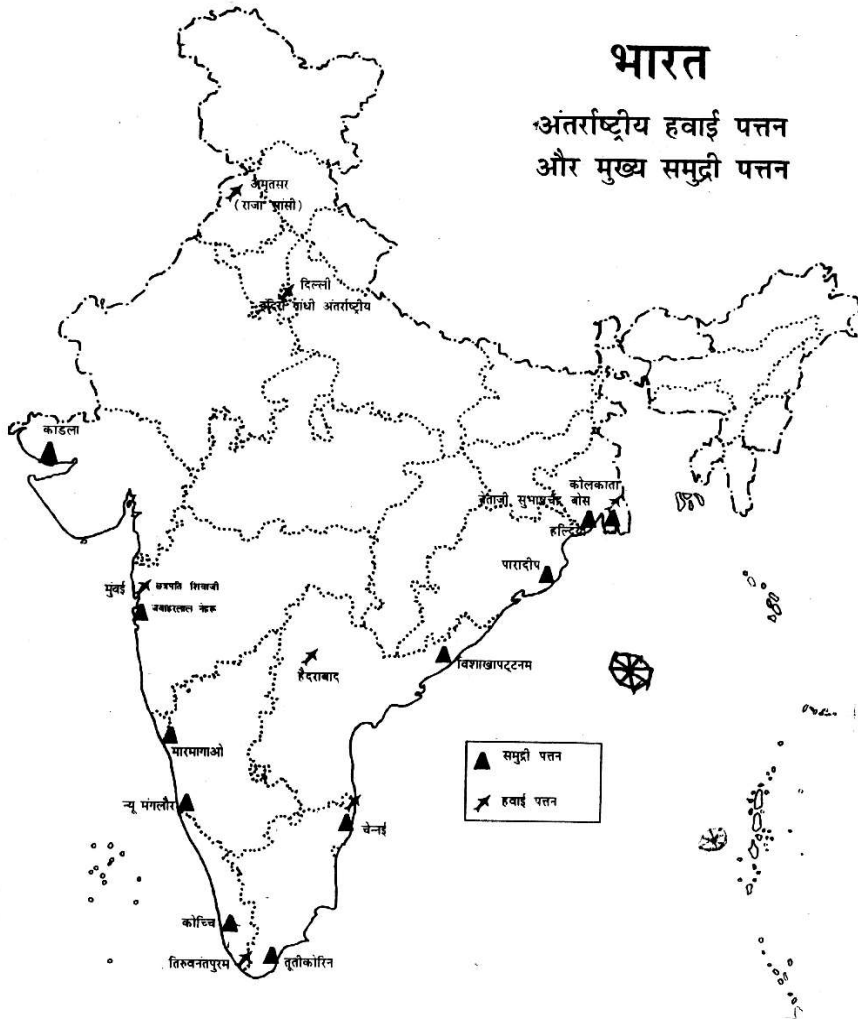
भारत के मानचित्र पर स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर दक्षिण गलियारा और पूर्व-पश्चिम गलियारा दर्शाए।



6. ★ आरामदायक साधन है।
- ★ सभी साधनों के मुकाबले सबसे तेज़ है।
- ★ दुर्गम स्थानों के लिए उपयुक्त है।
- ★ कम समय में दूसरे स्थान पर पहुँचा देता है।

- 
- ★ बॉर्डर पर सेना के रखरखाव व भोजन सामग्री जल्दी से पहुँच जाते हैं।
7. ★ लगभग आधी सड़कें कच्ची हैं जो वर्षा ऋतु में काम के योग्य नहीं रहती हैं।
- ★ यातायात व यात्रियों की संख्या के अनुपात में सड़कें अपर्याप्त हैं।
  - ★ बढ़ते हुए वाहनों के कारण सड़कें तंग व भीड़ भरी हैं। इससे सड़कों पर ट्रैफिक जाम हो जाता है।
  - ★ राष्ट्रीय राजमार्ग भी पर्याप्त नहीं हैं।
8. ★ मैदानी भागों में निर्माण व लागत कम और आसान है।
- ★ पर्वतीय भाग में निर्माण कठिन व लागत अधिक होती है।
  - ★ मैदानी भाग में जनसंख्या घनत्व अधिक है जिसके कारण रेलों का जाल बिछा है।
  - ★ मरुस्थलीय व पठारी भाग में औद्योगिक व कृषि कार्य विकसित न होने के कारण रेलों का घनत्व कम है।
  - ★ प्रशासकीय कारणों व सरकारी नीतियों के कारण भी रेलवे का विकास प्रभावित होता है।
9. ★ पिछले कुछ वर्षों में भारत में पर्यटन उद्योग में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 23.5 प्रतिशत वृद्धि इसमें दर्ज की गई है।
- ★ 150 लाख से अधिक लोग इस उद्योग में लगे हुए हैं।
  - ★ स्थानीय हस्तकला और सांस्कृतिक उद्यमों को विकास के अवसर प्राप्त हुए हैं।
  - ★ विदेशी मुद्रा की प्राप्ति।
  - ★ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा।
-

भारत के मानचित्र पर मुख्य समुद्री पत्तन और हवाई पत्तन दर्शाइए।



10. ★ स्वर्णिम चतुर्भुज महामार्ग - ये 6 लेन वाला महामार्ग है।  
★ राष्ट्रीय राजमार्ग - देश के दूरस्थ भाग को जोड़ते हैं।  
★ राज्य महामार्ग - राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालय से जोड़ते हैं।

- 126



## “सत्ता की साझेदारी”

स्मरणीय बातें :-

1. बेल्जियम - यूरोप का एक छोटा-सा देश जो क्षेत्रफल में भारतीय राज्य हरियाणा से भी छोटा है।
2. बेल्जियम के पड़ोसी देश - फ्रांस, नीदरलैंड, जर्मनी और लक्समबर्ग।
3. बेल्जियम की आबादी - एक करोड़ से थोड़ी अधिक।
4. बेल्जियम की आबादी में विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों का प्रतिशत - डच 59 प्रतिशत, फ्रेंच - 40 प्रतिशत, जर्मन 1 प्रतिशत।
5. ब्रुसेल्स - बेल्जियम की राजधानी
6. एथनीक या जातीय - ऐसा सामाजिक विभाजन जिसमें हर समूह अपनी-अपनी संस्कृति को अलग मानता है। यह साझी संस्कृति पर आधारित सामाजिक विभाजन है।
7. श्रीलंका - तमिलनाडु के दक्षिणी तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक द्विपीय देश।
8. श्रीलंका की जनसंख्या - लगभग 2 करोड़।
9. श्रीलंका की आबादी में विभिन्न जातीय समूहों का प्रतिशत - सिंहली -74 प्रतिशत, तमिल-18 प्रतिशत, ईसाई - 7 प्रतिशत, अन्य 1 प्रतिशत।
10. ईलम- यह तमिल भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है - सरकार।
11. सन् 1948 में श्रीलंका एक स्वतंत्र राष्ट्र बना।
12. सन् 1956 में सिंहली भाषा को एकमात्र राजभाषा घोषित किया गया।
13. बहुसंख्यकवाद- ऐसी मान्यता जिसमें यह समझा जाता है कि कोई बहुसंख्यक

- 
- समुदाय अपने मनचाहे ढंग से देश पर शासन कर सकता है और अल्पसंख्यक समुदाय की जरूरत या इच्छाओं की अवहेलना कर सकता है।
14. गृहयुद्ध - जब किसी देश में विभिन्न सरकार विरोधी गुट हिंसक लड़ाई में शामिल हो जाता है और युद्ध का रूप ले लेता है।
  15. विभिन्न सामाजिक समूहों में सत्ता का विभाजन जिससे अधिक से अधिक लोग सत्ता में साझेदार बन सकें, सत्ता की साझेदारी कहते हैं।
  16. युक्तिपरक - कोई भी फैसला जो नैतिकता के विपरीत, लाभ-हानि को ध्यान में रखकर लिया गया हो।
  17. सत्ता का क्षेत्रीय वितरण - सत्ता को सरकार के विभिन्न अंगों जैसे - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में बांटना।
  18. सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण - सत्ता को विभिन्न स्तर के सरकारों के मध्य बांटना। जैसे- केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार, स्थानीय सरकार आदि।
  19. सामुदायिक सरकार - विभिन्न धार्मिक, भाषायी और सामाजिक समूहों द्वारा अपने लिए चुनी हुई सरकार।
  20. नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था - ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था जिसमें न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा होती है, परंतु न्यायपालिका ही कार्यपालिका पर और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखती है।

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. 1970 और 1993 के बीच बेल्जियम के संविधान में कितनी बार संशोधन किए गए ?
2. श्रीलंका में सिंहली समुदाय की प्रभुता कायम करने के लिए किस प्रकार की सरकार का गठन किया गया है ?
3. बेल्जियम में किस जातीय समूह की आबादी सबसे अधिक है ?

- 
4. श्रीलंका में सबसे अधिक संख्या किस सामाजिक समूह की है ?
  5. बेल्जियम में मुख्य रूप से कौन सी दो भाषाएँ बोली जाती हैं ?
  6. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
  7. बेल्जियम में कौन सा अल्पसंख्यक वर्ग अमीर और शक्ति संपन्न है ?
  8. बहुसंख्यकवाद के कारण कौन सा देश लंबे समय तक गृहयुद्ध की आग में झुलसता रहा ?
  9. सत्ता की साझेदारी किस चीज में सर्वाधिक सहायक है ?
  10. बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का चुनाव किसके द्वारा किया जाता है ?
  11. श्रीलंका में सिंहली भाषी लोगों का संबंध किस धर्म से है ?

**1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1. चार बार
2. बहुसंख्यकवाद सरकार।
3. डच
4. सिंहली
5. डच और फ्रेंच
6. ब्रुसेल्स
7. फ्रेंच
8. श्रीलंका
9. संघर्ष को रोकने में
10. भाषा के आधार पर (डच, फ्रेंच और जर्मन बोलने वाले लोग)
11. बौद्ध धर्म से

---

**3/5 अंक वाले प्रश्न :-**

1. सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए ?
2. बेल्जियम के समाज में विभिन्न भाषायी लोगों के बीच तनाव के क्या कारण थे ?
3. श्रीलंका में बहुसंख्याकवाद ने किस प्रकार सामाजिक तनाव को जन्म दिया ?
4. सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है ? तर्क दीजिए।
5. सामाजिक विविधताओं वाले शासन में सत्ता का बँटवारा किस प्रकार किया जा सकता है ?
6. श्रीलंका में पास हुए 1950 के कानून के अनुसार सिंहली लोगों के वर्चस्व के तीन प्रावधान लिखिए।
7. सत्ता के ऊर्ध्वाधर वितरण और क्षैतिज वितरण में अंतर स्पष्ट करें।
8. श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद तथा इसके प्रभावों का वर्णन करें।
9. बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान कैसे किया गया ?
10. विभिन्न दबाव समूह और राजनीतिक दल किस प्रकार सत्ता के बँटवारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ?
11. तमिल भाषी लोगों की क्या माँग है ?

**3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1. 1) सत्ता का क्षैतिज वितरण - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।  
2) सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण - केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार और स्थानीय सरकार।

- 
2.
    - 1) बहुसंख्यक डच की अवहेलना
    - 2) अल्पसंख्यक फ्रेंच का अधिक ताकतवर और समृद्ध होना।
    - 3) आर्थिक विकास और शिक्षा का लाभ एक खास समुदाय तक सीमित रहना।
    - 4) राजनीतिक सत्ता एक समुदाय विशेष में केंद्रित थी।
  3.
    - 1) बहुसंख्यकवाद के तहत सिंहलियों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया।
    - 2) सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सिंहलियों का एकाधिकार।
    - 3) सिंहली को एकमात्र राजभाषा का दर्जा।
    - 4) तमिलों के हितों को दरकिनार करना।
    - 5) तमिलों को राजनीतिक अधिकार से वंचित रखना।
  4.
    - 1) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को कम करना।
    - 2) यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल है।
    - 3) यह राजनीतिक अस्थिरता को कम करता है।
    - 4) सत्ता में अधिक से अधिक लोगों को भागीदार बनाता है।
  5.
    - 1) विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे - भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच सत्ता का विभाजन।
    - 2) सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों और महिलाओं को विधायिका में हिस्सेदारी देना।
    - 3) अल्पसंख्यक समुदायों को आरक्षण देकर।
    - 4) अत्यंत पिछड़े हुए वर्ग के लिए अलग से सरकारी नीतियां बनाना।
  6.
    - 1) सिंहली भाषा को श्रीलंका की राजकीय भाषा घोषित करना।
    - 2) सिंहली लोगों को शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देना।
-

---

3) सिंहली लोगों को राजनैतिक प्रक्रिया में स्वतंत्र रूप से भाग लेने का अधिकार।

4) बौद्ध धर्म को पूजा अर्चना की पूर्ण स्वतंत्रता।

7. उर्ध्वाधर वितरण

- ★ इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न स्तरों में सत्ता का बँटवारा होता है।
- ★ इसमें उच्चतर तथा निम्नतर स्तर की सरकारें होती हैं।
- ★ इसमें निम्नतर अंग उच्चतर अंग के अधीन काम करते हैं।

क्षैतिज वितरण :-

- ★ इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का बँटवारा होता है।
- ★ इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं।
- ★ इसमें प्रत्येक अंग एक दूसरे पर नियंत्रण रखता है।

8. श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद :-

- ★ सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित करना।
- ★ विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता।
- ★ सरकार द्वारा बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देना।

बहुसंख्यकवाद का प्रभाव :-

- 1) तमिलों की नाराजगी और शासन के प्रति बेगानेपन को बढ़ावा।
- 2) 1980 के दशक में उत्तर-पूर्वी श्रीलंका में स्वतंत्र तमिल ईलम बनाने की माँग।
- 3) सिंहली और तमिलों के बीच टकराव तथा गृहयुद्ध का जन्म।
- 4) गृहयुद्ध के कारण हजारों लोगों का मारा जाना तथा बेघर होना।
- 5) युद्ध के कारण देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में दुष्प्रभाव।

- 
9. बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान :-
- 1) केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की समान संख्या।
  - 2) केन्द्रीय सरकार की अनेक शक्तियों को क्षेत्रीय सरकारों को सौंपना
  - 3) केन्द्रीय सरकार में दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधित्व
  - 4) सामुदायिक सरकार का गठन
  - 5) क्षेत्रीय और सामुदायिक सरकारों को विभिन्न मामलों में निर्णय लेने की स्वतंत्रता।
10. 1) व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों का सक्रिय होना।
- 2) हित समूह एवं दबाव समूह का सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करना।
  - 3) सरकार के ऊपर दबाव बनाकर महत्वपूर्ण फैसले के लिए सरकार को बाध्य करना।
  - 4) अपने-अपने वर्ग के हितों को बढ़ावा देना।
  - 5) जनता की मुख्य समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना।
11. श्रीलंका में तमिल भाषी लोगों ने अपने राजनीतिक दलों के माध्यम से निम्नलिखित माँगें रखी हैं-
- 1) तमिल भाषा को राजभाषा बनाया जाए।
  - 2) क्षेत्रीय स्वायत्तता दी जाए।
  - 3) अन्य जातीय समूहों के समान शिक्षा तथा रोजगार की सुविधाएँ दी जाए।
  - 4) 1980 के दशक में तमिल सरकार बनाने की माँग की थी।

---

## राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

### अध्याय - 2

## “संघवाद”

स्मरणीय बातें :-

1. संघीय सरकार में दो या दो से अधिक स्तर की सरकारें होती हैं।
2. संघीय व्यवस्था में विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट वर्णित होते हैं।
3. संघीय व्यवस्था में संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती।
4. संघीय व्यवस्था का उद्देश्य देश की एकता को सुरक्षित रखना तथा क्षेत्रीय विविधताओं का सम्मान करना है।
5. अमेरिका, स्विटजरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे संघीय व्यवस्था वाले देशों में प्रांत, केन्द्र की तुलना में अधिक ताकतवर होते हैं।
6. भारत, बेल्जियम और स्पेन में राज्यों की तुलना में केन्द्र अधिक शक्तिशाली है।
7. भारत में जम्मू कश्मीर एक ऐसा राज्य हैं जहाँ राज्य विधान सभा की अनुमति के बगैर भारतीय संविधान के कई प्रावधानों को लागू नहीं किया जा सकता।
8. भारतीय संविधान में विधायी अधिकारों को तीन हिस्से में बाँटा गया है - संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची।
9. भारत में उपर्युक्त तीन सूचियों के अतिरिक्त बाकी बचे विषय केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।



- 
10. भारत में 40 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा हिन्दी है।
  11. एक से अधिक राजनीतिक दलों के द्वारा मिलकर बनाई गई सरकार, को गठबंधन सरकार कहते हैं।
  12. अनुसूचित भाषाएँ - वे 22 भाषाएँ जिन्हें भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में रखा गया है, अनुसूचित भाषाएँ कहते हैं।
  13. भारत में 1992 में संविधान संशोधन करके पंचायतों को ज्यादा शक्तिशाली और प्रभावी बनाया गया।
  14. नये संविधान संशोधन के द्वारा पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गईं।

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. सत्ता का विकेन्द्रीकरण किसे कहते हैं ?
2. नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों के लिए लगभग कितने लोगों का चुनाव होता है ?
3. भारत में किस राज्य को विशेष दर्जा प्राप्त है ?
4. स्थानीय शासन वाली कौन-कौन सी संस्थाएँ शहरों में काम करती हैं ?
5. एकात्मक शासन व्यवस्था किसे कहते हैं ?
6. बेल्जियम में किस प्रकार की सरकार है ?
7. पंचायत समिति का गठन कैसे होता है ?
8. नगर निगम के प्रमुख को क्या कहते हैं ?
9. समवर्ती सूची के विषयों पर कानून कौन बनाता है ?

---

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. केन्द्र और राज्य से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को देना।
2. 36 लाख
3. जम्मू कश्मीर
4. नगरपालिका और नगर निगम
5. ऐसी व्यवस्था जिसमें शासन का एक ही स्तर होता है।
6. संघीय सरकार
7. कई पंचों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है।
8. मेयर
9. केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार।

### 3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. भारतीय संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बँटवारा किस प्रकार किया गया है ?
2. स्थानीय सरकारों के महत्व का वर्णन कीजिए ?
3. भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती जुलती एक विशेषता और उससे अलग एक विशेषता को बताएँ ?
4. 1992 के संविधान संशोधन द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकेन्द्रीकरण को प्रभावी बनाने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?
5. संघवाद या संघीय शासन व्यवस्था क्या है ? इसकी विशेषताएँ लिखिए।
6. भारत की भाषा नीति क्या है ?
7. 1992 से पूर्व विकेन्द्रीकरण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

- 
8. एकात्मक और संघात्मक सरकारों के बीच अंतर स्पष्ट करें।
  9. केन्द्र और राज्यों के सम्बन्धों में आए बदलावों का वर्णन कीजिए।
  10. पंचायतों की मुख्य परेशानियों का वर्णन करें।
  11. भारत एक संघीय व्यवस्था वाला देश है इस तथ्य को साबित करने वाले मुख्य सिद्धांतों को लिखें।
  12. संघवाद की किन्हीं तीन बुराइयों की व्याख्या कीजिए।

**3/5 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1. संघ सूची - प्रतिरक्षा, विदेश, बैंकिंग, संचार, मुद्रा आदि - राष्ट्रीय महत्व के विषय।  
राज्य सूची - पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि, सिंचाई - प्रान्तीय महत्व के विषय।  
समवर्ती सूची - शिक्षा, वन, मजदूर संघ, विवाह, गोद लेना।  
अवशिष्ट शक्तियाँ - वे विषय जो ऊपर के तीन सूचियों में नहीं हैं तथा जिन पर कानून बनाने का अधिकार केंद्र सरकार को है।
2.
  - 1) अनेक समस्याओं का निपटारा स्थानीय स्तर पर हो जाता है।
  - 2) लोगों को इस बात की जानकारी होती है कि पैसा कहाँ और कैसे खर्च करना है।
  - 3) स्थानीय स्तर पर लोगों को फैसलों में सीधे भागीदार बनाना संभव हो जाता है।
  - 4) सत्ता में अधिक से अधिक लोगों को भागीदार बनाना।
  - 5) स्थानीय शासन सत्ता के विकेन्द्रीकरण के अनुरूप है।

- 
3. भारत में बेल्जियम से मिलती-जुलती विशेषता यह है कि दोनों देशों में संपूर्ण देश के लिए एक संघ सरकार का गठन किया गया है। अलग विशेषता यह है कि बेल्जियम की केन्द्र सरकार की अनेक शक्तियाँ देश के दो क्षेत्रीय सरकारों को सुपुर्द कर दी गई हैं, जबकि भारत में केंद्र सरकार अनेक मामलों में राज्य सरकार पर नियंत्रण रखती है।
4. 1) स्थानीय निकायों के चुनाव नियमित रूप से कराना अनिवार्य है।  
2) कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।  
3) हर राज्य में पंचायत और नगरपालिका चुनाव कराने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।  
4) राज्य सरकारों को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा स्थानीय निकायों को देना पड़ा।
5. 1) संघीय व्यवस्था में सत्ता केन्द्रीय सरकार और अन्य सरकारों में बंटी होती है।  
2) संघीय व्यवस्था में दो या दो से अधिक स्तर की सरकारें होती हैं।  
3) केंद्र सरकार राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर कानून बनाती है और राज्य सरकारें राज्य से संबंधित विषयों पर।  
4) दोनों स्तर की सरकारें अपने-अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर अपना काम करती हैं।  
5) केन्द्र तथा राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं।
6. 1) भारत में किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा न देकर हिंदी और अन्य 21 भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा दिया गया है।
-

- 
- 2) अंग्रेजी को राजकीय भाषा के रूप में मान्यता दी गई है, विशेषकर गैर हिन्दी भाषी प्रदेशों को देखते हुए।
  - 3) सभी राज्यों की मुख्य भाषा का विशेष ख्याल रखा गया है।
- 7.
- 1) सभी राज्यों में गाँव के स्तर पर ग्राम पंचायतें और शहरों में नगरपालिकाओं की स्थापना की गई थी।
  - 2) स्थानीय संस्थाएँ राज्य सरकारों के अधीन रखी गई थी।
  - 3) स्थानीय संस्थाओं के चुनाव नियत समय पर नहीं कराए जाते थे।
  - 4) स्थानीय संस्थाओं के पास न अपना अधिकार था और न संसाधन।
8. एकात्मक शासन व्यवस्था :-
- 1) इसमें केन्द्र सरकार शक्तिशाली होती है।
  - 2) इसके अंतर्गत संविधान संशोधन केन्द्र सरकार कर सकती है।
  - 3) शक्तियाँ एक जगह पर केंद्रित होती हैं।
  - 4) इसमें एक ही नागरिकता होती है।
  - 5) केन्द्र सरकार राज्यों से शक्तियाँ ले सकती हैं।
- संघात्मक शासन व्यवस्था :-
- 1) इसमें केन्द्रीय सरकार अपेक्षाकृत कमजोर होती है।
  - 2) इसमें केन्द्र सरकार अकेले संविधान संशोधन नहीं कर सकती है।
  - 3) शक्तियाँ कई स्तरों पर विभाजित होती हैं।
  - 4) कई संघीय व्यवस्था वाले देशों में दोहरी नागरिकता होती है।
  - 5) दोनों स्तर की सरकारें अपने अधिकार क्षेत्र में स्वतंत्र होती हैं।
-

- 
9. 1) विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों की सरकारें।  
2) गठबन्धन सरकारों के आने से केन्द्र सरकार अपनी मनमानी नहीं कर सकती है।  
3) केन्द्रीय राजस्व में राज्यों को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी।  
4) केन्द्र - राज्य तनाव में कमी।  
5) केन्द्र - राज्य सम्बन्धों में सुधार।  
6) केन्द्र सरकार की योजनाओं में राज्यों के हितों का ख्याल।
10. 1) जागरूकता का अभाव।  
2) धन का अभाव।  
3) अधिकारियों की मनमानी।  
4) जन सहभागिता में कमी।  
5) केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराना।  
6) चुनाव नियमित रूप से नहीं होते।
11. 1) भारत में केन्द्र, राज्य और स्थानीय, तीन स्तरों पर सरकारें हैं।  
2) भारत में एक लिखित एवं विस्तृत संविधान है।  
3) प्रत्येक स्तर की सरकार के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट वर्णित हैं।  
4) संविधान के मौलिक प्रावधानों को कोई एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती।  
5) सर्वोच्च न्यायालय को संविधान की व्याख्या का अधिकार।
-

- 
- 6) केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच विधायी शक्तियों को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में बांटा जाना।
  - 7) वित्तीय स्वायत्तता के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों के लिए अलग-अलग स्रोत।
- 12.
- 1) केन्द्रीय सरकार का अधिक शक्तिशाली होना।
  - 2) संविधान संशोधन का अधिकार केवल केन्द्र को ही प्राप्त होना।
  - 3) संसद को अधिक अधिकार होना।
  - 4) धन संबंधी अधिकारों का केन्द्र के पास अधिक होना।
  - 5) केन्द्र सरकार का राज्य सरकारों के मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप।

## “लोकतंत्र और विविधता”

स्मरणीय बातें :-

1. समरूप समाज - एक ऐसा समाज जिसमें सामुदायिक, सांस्कृतिक या जातीय विभिन्नताएँ ज्यादा गहरी नहीं होती।
2. एफ्रो-अमेरिकी - उन अफ्रीकी लोगों की संतान जिन्हें 17वीं सदी में अमेरिका में लाकर गुलाम बनाया गया था।
3. नस्लभेद - किसी देश अथवा समाज में नस्ल के आधार पर कुछ लोगों को नीच या हीन समझना।
4. रंगभेद - रंग के आधार पर भेदभाव करना।
5. दलित - भारत के निर्धन, भूमिहीन और सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोग।
6. अश्वेत शक्ति आंदोलन - नस्ल आधारित भेदभाव के उन्मूलन के लिए अमेरिका में 1966 से 1975 के बीच चलाया गया हिंसक आंदोलन।
7. प्रवासी - अस्थायी तौर पर आर्थिक अवसरों के लिए दूसरे देशों या नगरों में जाकर बसने वाले लोग।
8. विभाजित समाज - एक ऐसा समाज जिसमें सामुदायिक, सांस्कृतिक या जातीय विभिन्नताएँ बहुत गहरी होती हैं।
9. बहुमत समाज - विभिन्न विचारों एवं पंथों वाला समाज।
10. अपवर्जक भेदभाव - समाज के किसी वर्ग या जाति से दूरी बनाए रखना या अपने समूह से निष्कासित करना।



- 
11. अलगाववाद - एक क्षेत्र या जन-समूह का अपने बड़े समूह या देश से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व बनाने की इच्छा।

**1 अंक वाले प्रश्न :-**

1. 1968 ई. में ओलंपिक खेल का आयोजन कहाँ हुआ था ?
2. टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस कौन थे ? उन्होंने किस खेल में पदक जीते थे ?
3. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था ?
4. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन किसके नेतृत्व में चलाए गए थे ?
5. मैक्सिको ओलंपिक में टॉमी स्मिथ द्वारा पहना गया काला मफलर जैसा परिधान किस बात का प्रतीक था ?
6. वह कौन सा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी था जिसने टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस के समर्थन में विरोध जताया था ?
7. यूगोस्लाविया के विभाजन का मुख्य आधार क्या था ?
8. श्रीलंका में किस तरह के सामाजिक विभेद हैं ?
9. समरूप समाज का अस्तित्व किस देश में है ?
10. आयरलैंड में किस-किस धर्म के अनुयायी रहते हैं ?
11. स्मिथ और कार्लोस का ओलंपिक पदक वापस क्यों ले लिया गया था ?
12. हाल में ही किस यूनिवर्सिटी ने अपने कैम्पस में स्मिथ, कार्लोस और नार्मन की मूर्तियाँ लगवाई हैं ?
13. किस देश में धर्म और वर्ग में गहरी समानता है ?
14. उत्तरी आयरलैंड की आबादी में प्रोटेस्टेंट और कैथोलिकों का प्रतिशत कितना है ?

---

### 3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. सामाजिक भेदभाव की उत्पत्ति के दो प्रमुख कारण बताइए ?
2. भारत में भिन्नताओं को दर्शाने वाले प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
3. सामाजिक विभाजनों की राजनीति के परिणाम तय करने वाले तीन कारकों को लिखिए ?
4. लोकतंत्र से आप क्या समझते हैं। यह कितने प्रकार का होता है ? संक्षेप में बताइए।,
5. “सामाजिक विभाजन हमेशा खतरनाक नहीं होते हैं।” अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
6. टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस ने 1968 के मैक्सिको ओलंपिक खेल में, संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले रंगभेद के मामले के प्रति अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान किस प्रकार आकर्षित किया ?
7. सामाजिक अंतर कब और कैसे सामाजिक विभाजनों का रूप ले लेते हैं ?
8. विभिन्नताओं में सामंजस्य व टकराव में अंतर स्पष्ट करें।
9. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन के विकास का वर्णन कीजिए ?

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. मैक्सिको
2. एफ्रो-अमरीकी, 200 मीटर के दौड़ में
3. नस्ल आधारित भेदभाव की समाप्ति।
4. मार्टिन लूथर किंग जूनियर।
5. अश्वेत शक्ति का।
6. पीटर नार्मन।

- 
7. धार्मिक और जातीय विभाजन।
  8. भाषाई एवं धार्मिक।
  9. जर्मनी और स्वीडन।
  10. कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट।
  11. राजनीतिक बयान देने के कारण जो ओलंपिक भावना के विरुद्ध था।
  12. सैन होज़ स्टेट यूनिवर्सिटी।
  13. उत्तरी आयरलैंड।
  14. 53 प्रतिशत एवं 44 प्रतिशत

**3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1.
  - 1) जन्म पर आधारित - हम सिर्फ इस आधार पर उस समुदाय के सदस्य हो जाते हैं जिसमें हमारा जन्म हुआ है।
  - 2) पसंद या चुनाव पर आधारित - जैसे-धर्म, व्यवसाय खेल इत्यादि का चुनाव हम अपनी पसंद से करते हैं।
2.
  - 1) जातीय भिन्नता - आर्य, अनार्य, मंगोल, मुगल, पारसी आदि।
  - 2) भाषाओं की भिन्नता - 22 अनुसूचित भाषाएँ और 1500 अन्य भाषाएँ भारत में बोली जाती हैं ?
  - 3) धर्म की भिन्नता - हिन्दू धर्म, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, इस्लाम आदि।
3.
  - 1) लोगों में राष्ट्रीय पहचान की भावना के प्रति विश्वास।
  - 2) राजनीतिक दलों का संविधान के दायरे में रहकर कार्य करना।
  - 3) सरकार विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रति कैसा रूख अपनाती है।

- 
- 4) लोकतंत्र शासन की एक ऐसी पद्धति है, जिसमें जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के द्वारा शासन करती है।

लोकतंत्र के प्रकार :-

- 1) प्रत्यक्ष लोकतंत्र - जिसमें जनता स्वयं शासन में भागीदार होती है। जैसे- स्विटजरलैंड के कुछ कैंटन।
  - 2) अप्रत्यक्ष लोकतंत्र - इसमें जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के द्वारा शासन चलाती है। जैसे - भारत।
- 5.
- 1) उत्तरी आयरलैंड और नीदरलैंड दोनों ईसाई बहुल देश हैं तथा प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक खेमें में बंटे हैं।
  - 2) उत्तरी आयरलैंड में धर्म और वर्ग के बीच गहरी समानता है। वहाँ का कैथोलिक समुदाय गरीब है तथा लंबे समय से भेदभाव के शिकार हैं।
  - 3) नीदरलैंड में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों ही समान रूप से अमीर और गरीब हैं। इसलिए वहाँ कोई भेदभाव नहीं है।
  - 4) आयरलैंड में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के बीच भारी मारकाट चलती है।
- 6.
- 1) बिना जूतों के केवल मोजे पहनकर अश्वेतों की गरीबी को दर्शाया।
  - 2) स्मिथ ने अश्वेत लोगों के आत्मगौरव को बताने के लिए अपने गले में काला मफलर पहना था।
  - 3) कार्लोस ने मारे गए अश्वेतों की याद में काले मनकों की एक माला पहनी थी।

- 
7. 1) जब कुछ सामाजिक अंतर दूसरी अनेक विभिन्नताओं से ऊपर और बड़े हो जाते हैं।
- 2) अमेरिका में श्वेत और अश्वेत के बीच का भारी अंतर जो सामाजिक विभाजन का मुख्य कारण है।
- 3) जब एक तरह का सामाजिक अंतर अन्य अंतरों से ज्यादा महत्वपूर्ण बन जाता है।

8. सामंजस्य :-

- 1) इसके अंतर्गत सामाजिक विभिन्नताओं में एकता दिखाई देती है।
- 2) इसमें लोग यह महसूस करने लगते हैं कि वे विभिन्न समुदायों से संबंध रखते हैं।
- 3) इससे गहरी सामाजिक विभाजन की संभावना घट जाती है।
- 4) जैसे- अमेरिका में श्वेत और अश्वेत का अंतर।

टकराव :-

- 1) इसके अंतर्गत सामाजिक विभिन्नताओं से टकराव उत्पन्न होता है।
- 2) इसमें कई समूह एक मुद्दे पर समान नजरिया रखते हैं तो दूसरे मुद्दे पर उनके नजरियों में अंतर हो जाता है।
- 3) इसमें सामाजिक विभाजन की संभावना बढ़ जाती है।
- 4) जैसे- नीदरलैंड में वर्ग और धर्म के बीच ऐसा मेल नहीं दिखाई देता है।

9. 1) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका में नस्लीय भेदभाव बढ़ गया।
- 2) अश्वेत लोगों पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगा दिए गए थे।

- 
- 3) 1980 के दशक में अमेरिका में लगभग 33 प्रतिशत काले लोग, 20 प्रतिशत हिस्पानी और 12 प्रतिशत श्वेत गरीब एवं बेघर थे।
  - 4) 1950 के दशक में नागरिक अधिकारों के लिए शक्तिशाली आंदोलन हुए।
  - 5) 1954 में वहाँ के सर्वोच्च न्यायालय ने 'अलग परंतु समान' के सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया।
  - 6) नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नेतृत्व में आंदोलन चलाया गया।
  - 7) 1960 के दशक में कानून बनाकर इस भेदभाव को खत्म किया गया।

## “जाति, धर्म और लैंगिक मसले”

स्मरणीय बातें :-

1. श्रम का लैंगिक विभाजन - लिंग के आधार पर काम का बँटवारा। जैसे- घर के अंदर के अधिकतर काम औरतें करती हैं।
2. नारीवादी - औरत और मर्द दोनों के लिए एक समान अधिकारों की माँग करना या नारी सशक्तिकरण की माँग।
3. स्वीडन, नार्वे और फिनलैंड जैसे देशों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी का स्तर काफी ऊँचा है।
4. पितृ-प्रधान समाज - ऐसा समाज जिसमें परिवार का मुखिया पिता होता है और उन्हें औरतों की तुलना में अधिक अधिकार होता है।
5. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरुष साक्षरता की दर 76 प्रतिशत तथा महिलाओं में साक्षरता की दर 54 प्रतिशत थी।
6. 2001 की जनसंख्या के अनुसार भारत में लिंग अनुपात 927 थी।
7. लोकसभा में महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है जबकि राज्य विधान सभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम है।
8. भारत के ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं की संख्या 10 लाख से ज्यादा है।
9. पारिवारिक कानून - विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से संबंधित कानून।
10. साम्प्रदायिकता - जब किसी धर्म के मानने वाले लोग अपने धर्म को दूसरों के धर्मों से श्रेष्ठ समझने लगते हैं।

- 
11. धर्मनिरपेक्षता - ऐसी व्यवस्था जिसमें राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होता। सभी धर्मों को एक समान महत्व दिया जाता है तथा नागरिकों को किसी भी धर्म को अपनाने की आजादी होती है।
  12. वर्ण व्यवस्था - विभिन्न जातीय समूहों का समाज में पदानुक्रम।
  13. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार - किसी राज्य में एक निश्चित आयु के बाद सभी लोगों को एक समान मत देने का अधिकार।
  14. जातिवाद - जाति के आधार पर लोगों में भेदभाव करना।

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ क्या कहलाती हैं ?
2. भारत में औरतों के लिए आरक्षण की व्यवस्था किन प्रतिनिधि संस्थाओं में है ?
3. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत के किन राज्यों में लिंगानुपात 800 से भी कम है ?
4. स्थानीय सरकारों में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है ?
5. लिंगानुपात किस कहते हैं ?
6. 'धर्म को राजनीति से कभी भी अलग नहीं किया जा सकता' - ये शब्द किसने कहे हैं ?
7. एक ऐसे समुदाय के लोग जो साधारतया पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका बाकी समाज से अधिक मेल जोल नहीं है, क्या कहते हैं ?
8. उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं जिसमें लोग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन करते हैं ?



---

### 3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. जीवन में उन विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है।
2. जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं किये जा सकते। कारण लिखिए।
3. भारत को एक धर्म निरपेक्ष राज्य बनाने वाले विभिन्न प्रावधान कौन-कौन से हैं ?
4. भारत सरकार ने नारी असमानता को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?
5. बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ जारी हैं ?
6. साम्प्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूपों का वर्णन करें।
7. नारीवादी आंदोलन किस कहते हैं ? इसकी विशेषताओं और प्रभाव को बताइए ?
8. भारत में स्वतंत्रता के उपरांत महिलाओं की स्थिति में कुछ सुधार हुए हैं परंतु वे अभी भी पुरुषों से काफी पीछे हैं। इस कथन को विभिन्न तथ्यों और साक्ष्यों से समझाइए।
9. अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियों की विशेषताएँ लिखिए। देश की आबादी में उनके प्रतिशत क्या हैं ?
10. भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। कारण बताइए।

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. लैंगिक विभाजन।
2. पंचायती राज की संस्थाओं में।
3. पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और गुजरात।

- 
4. 33 प्रतिशत
  5. प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या।
  6. महात्मा गाँधी।
  7. अनुसूचित जनजाति।
  8. शहरीकरण।

**3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1.
  - 1) महिलाओं के ऊपर पूरा घरेलू दायित्व।
  - 2) पुरुषों का अत्यधिक नियंत्रण।
  - 3) व्यवस्थापिकाओं में कम प्रतिनिधित्व।
  - 4) कन्या भ्रूण हत्या
  - 5) स्त्री शिक्षा को कम महत्व।
  - 6) पारिश्रमिक वितरण में असमानता।
2.
  - 1) मतदाताओं में जागरूकता - कई बार मतदाता जातीय भावना से ऊपर उठकर मतदान करते हैं।
  - 2) मतदाताओं द्वारा अपने आर्थिक हितों और राजनीतिक दलों को प्राथमिकता।
  - 3) किसी एक संसदीय क्षेत्र में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत न होना।
  - 4) मतदाताओं द्वारा विभिन्न आधारों पर मतदान करना।
3.
  - 1) भारत का कोई राजकीय धर्म नहीं है।
  - 2) भारत में सभी धर्मों को एक समान महत्व दिया गया है।

- 
- 3) प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता है।
  - 4) भारतीय संविधान धार्मिक भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है।
- 4.
- 1) दहेज को अवैध घोषित करना।
  - 2) पारिवारिक सम्पत्तियों में स्त्री-पुरुष को बराबर हक।
  - 3) कन्या भ्रूण हत्या को कानूनन अपराध घोषित करना।
  - 4) समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक का प्रावधान।
  - 5) नारी शिक्षा पर विशेष जोर देना।
  - 6) बेटी पढ़ाओ, देश बढ़ाओ जैसी योजना।
- 5.
- 1) आज भी हमारे देश में कुछ जातियों के साथ अछूतों जैसा बर्ताव किया जाता है।
  - 2) आज भी अधिकतर लोग अपनी जाति या कबीले में विवाह करते हैं।
  - 3) कुछ जातियाँ अधिक उन्नत हैं तो कुछ खास जातियाँ अत्यधिक पिछड़ी हुई।
  - 4) कुछ जातियों का अभी भी शोषण हो रहा है।
  - 5) चुनाव अथवा मंत्रिमंडल के गठन में जातीय समीकरण को ध्यान में रखना।
- 6.
- 1) कट्टर पंथी विचारधारा वाले लोग।
  - 2) धार्मिक आधार पर मतों का ध्रुवीकरण।
-

- 
- 3) धर्म के आधार पर लोगों को चुनाव में प्रत्याशी घोषित करना।
  - 4) साम्प्रदायिक हिंसा और खून खराबा।
  - 5) साम्प्रदायिक दिशा में राजनीति की गतिशीलता।
  - 6) साम्प्रदायिकता के आधार पर राजनीतिक दलों का अलग-अलग खेमों में बँट जाना। जैसे- आयरलैंड में नेशलिस्ट और यूनियनिस्ट पार्टी।
7. महिलाओं के राजीतिक और वैधानिक दर्जे को ऊँचा उठाने, उनके लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग करने और उनके व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन में बराबरी की माँग करने वाले आंदोलन को नारीवादी आंदोलन कहते हैं।

विशेषताएँ :-

- 1) यह आंदोलन महिलाओं के राजनैतिक अधिकार और सत्ता पर उनकी पकड़ की वकालत करता है।
- 2) इसमें महिलाओं को घर की चार-दीवारी के भीतर कैद रखने और घर के सभी कामों का बोझ डालने का विरोध सम्मिलित है।
- 3) यह पितृसत्तात्मक परिवार को मातृसत्तात्मक बनाने की ओर अग्रसर है।
- 4) महिलाओं की शिक्षा तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में उनके व्यवसाय, सेवा आदि का समर्थक है।
- 5) यह महिलाओं के हर प्रकार के शोषण का विरोध करता है।

- 
8. 1) साक्षरता की दर - महिलाओं में साक्षरता की दर 54 प्रतिशत है जबकि पुरुषों में 76 प्रतिशत।
- 2) ऊँचा वेतन और ऊँची स्थिति के पद, इस क्षेत्र में पुरुष महिलाओं से बहुत आगे हैं।
- 3) असमान लिंग अनुपात - अभी भी प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 933 है।
- 4) घरेलू और सामाजिक उत्पीड़न
- 5) जन प्रतिनिधि संस्थाओं में कम भागीदारी अथवा प्रतिनिधित्व।
- 6) महिलाओं में पुरुषों की तुलना में आर्थिक आत्मनिर्भरता कम।
9. अनुसूचित जातियाँ : वे जातियाँ जो हिन्दू सामाजिक व्यवस्था में उच्च जातियों से अलग और अछूत मानी जाती हैं। जो दलित के रूप में मानी जाती हैं तथा जिनका अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।
- अनुसूचित जनजातियाँ : ऐसा समुदाय जो साधारणतया पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका बाकी समाज से अधिक मेलजोल नहीं है। साथ ही उनका विकास नहीं हुआ है।
- अनुसूचित जातियों का प्रतिशत 16.2 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत 8.2 प्रतिशत है।
10. 1) महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता का अभाव है।
- 2) पुरुष अभी भी महिलाओं को आगे आने नहीं देते।
- 3) राजनीतिक दल महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपात में टिकट नहीं देते।
- 4) महिलाओं में शिक्षा का अभाव है।

---

## राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

### राजनीतिक दल

याद रखने योग्य बातें :-

राजनीतिक दल	एजेंडा
1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885 में गठित)	इस दल ने धर्मनिरपेक्षता और कमजोर वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को अपना मुख्य एजेंडा बनाया है। यह दल नई आर्थिक नीतियों का समर्थक है।
2. भारतीय जनता पार्टी (1980 में गठित)	भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर मजबूत और आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य। पार्टी जम्मू कश्मीर को क्षेत्रीय और राजनीतिक स्तर पर विशेष दर्जा देने के खिलाफ है। यह देश में रहने वाले सभी धर्म के लोगों के लिए समान नागरिक संहिता बनाने और धर्मांतरण पर रोक लगाने के पक्ष में है।
3. बहुजन समाज पार्टी (1984 में गठित)	पार्टी साहू महाराज, महात्मा फूले, पेरियार रामास्वामी नायकर और अम्बेडकर के विचारों और शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है। दलितों और कमजोर वर्ग के लोगों के कल्याण और उनके हितों की रक्षा के मुद्दों पर सबसे ज्यादा सक्रिय है।

- 
4. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवाद - लेनिनवाद में आस्था।  
मार्क्सवादी समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की  
(1964 में गठित) समर्थक तथा साम्राज्यवाद और सांप्रदायिकता  
विरोधी। यह पार्टी भारत में सामाजिक आर्थिक  
न्याय का लक्ष्य साधने में लोकतांत्रिक चुनावों  
को सहायक और उपयोगी मानती है।
  
  5. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवाद लेनिनवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र  
(1925 में गठित) में आस्था, अलगाववादी और सांप्रदायिक ताकतों  
की विरोधी यह पार्टी संसदीय, लोकतंत्र को  
मजदूर वर्ग, किसानों और गरीबों के हितों को  
आगे बढ़ाने का एक उपकरण मानती है।
  
  6. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, गांधीवादी, धर्म निरपेक्षता, समता,  
(1999 में गठित) सामाजिक न्याय और संघवाद में आस्था। यह  
पार्टी भारत में जन्मे नागरिकों के लिए आरक्षण  
चाहती है।
  
  2. राजनीतिक दल का अर्थ - एक ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने और  
सरकार में राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करती है।
  3. राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से 1) नेता 2) सक्रिय नेता 3)  
अनुयायी या समर्थक।
  4. अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए  
गए उम्मीदवारों के बीच लड़ा जाता है।
  5. दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते  
हैं और मतदाता अपनी पसंद की नीतियाँ और कार्यक्रमों का चुनाव करते  
हैं।
-

- 
6. दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। संविधान संशोधन में भी इनका योगदान होता है।
  7. चुनाव में कम सीटें पाने वाले दल को विपक्षी दल कहते हैं।
  8. भारत में चुनाव आयोग द्वारा पंजीकृत दलों की संख्या 750 से ज्यादा है।
  9. कई देशों में केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इसे एक दलीय व्यवस्था कहते हैं। उदाहरण- चीन, जहाँ कम्युनिस्ट पार्टी का शासन है।
  10. कुछ देशों में सत्ता दो मुख्य दलों के बीच बदलती रहती है इसे दो दलीय व्यवस्था कहते हैं। उदाहरण - संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन।
  11. जब अनेक दलों को सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं - उदाहरण - भारत।
  12. शासक दल - जिस दल का शासन हो यानि जिसकी सरकार बनती है।
  13. दल-बदल - विधायिका के लिए किसी दल विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर अन्य किसी दल में चले जाना।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी एक प्रांतीय दल का नाम लिखें।
2. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है ?
3. किसी देश के लिए कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका कौन निभाता है ?

### लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।
2. राष्ट्रीय राजनीतिक दल और प्रांतीय दलों में अंतर स्पष्ट करें।
3. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी में



---

अन्तर स्पष्ट करें।

4. विभिन्न प्रकार की दलीय व्यवस्था का उल्लेख करें।
5. वर्तमान में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियों की व्याख्या करें।
6. प्रांतीय दल भारत में संघवाद को मजबूत करने में किस प्रकार सहायता करते हैं।
7. राजनीतिक दलों एवं नेताओं को सुधारने के लिए सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का उल्लेख कीजिए।
8. लोकतंत्र की गुणवत्ता जन सहभागिता के स्तर पर निर्भर करती है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? उत्तर के समर्थन में तर्क दें।

### उत्तर माला

#### 1 अंक वाले प्रश्न

1. सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा या मिजो नेशनल फ्रंट।
2. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या हिंदुत्व एक प्रमुख तत्व है।
3. राजनीतिक दल

#### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1.
  - ★ चुनाव लड़ना
  - ★ कानून बनाना
  - ★ सरकार बनाना व चलाना
  - ★ विपक्ष की भूमिका
  - ★ जनमत का निर्माण
2. **प्रांतीय राजनीतिक दल :-** जब किसी दल को किसी राज्य विधान सभा चुनाव की कुल मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है अथवा वह कम से कम दो सीटों पर विजयी होता है तो उसे प्रांतीय

---

राजनीतिक दल कहते हैं।

**राष्ट्रीय राजनीतिक दल** – जब किसी दल को लोकसभा चुनाव में किन्हीं चार राज्यों की विधान सभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है और चार लोकसभा सीटें जीत ले तो उसे राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहते हैं।

3. **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी :-**

- 1) इसका गठन 1925 में हुआ
- 2) इसका जनाधार केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है।
- 3) 2004 के चुनाव में इसे 1.4 प्रतिशत वोट और लोकसभा की 10 सीटें हासिल हुईं।

**भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी :-**

- 1) इसका गठन 1964 में हुआ।
- 2) पश्चिम बंगाल, केरल, त्रिपुरा में मजबूत आधार है।
- 3) 2004 के चुनाव में इसने करीब 6 फीसदी वोट और लोकसभा की 43 सीटें हासिल की।

4.
  - 1) **एक दलीय प्रणाली** – देश में केवल एक दल को ही सरकार बनाने की अनुमति होती है। जैसे-चीन।
  - 2) **दो दलीय प्रणाली** – देश में दो दलों को मान्यता प्राप्त होती है। जैसे ब्रिटेन तथा अमेरिका।
  - 3) **बहुदलीय प्रणाली** – देश में दो से अधिक दलों की व्यवस्था होती है। जैसे – भारत और फ्रांस।

5.
  - 1) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव।

- 
- 2) वंशवादी उत्तराधिकार।
  - 3) धन एवं बल का प्रयोग।
  - 4) सार्थक विकल्प का अभाव।
  - 5) दल के सामान्य सदस्यों की उपेक्षा।
6. राष्ट्रीय दल प्रांतीय दलों के साथ गठबंधन करने को मजबूर हुए हैं। 1996 के बाद से लगभग प्रत्येक प्रांतीय दल को एक या दूसरी राष्ट्रीय स्तर की गठबंधन सरकार का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। इससे हमारे देश में संघवाद और लोकतंत्र मजबूत हुए हैं।
7.
  - 1) दल परिवर्तन पर नियन्त्रण (दल-बदल विरोधी कानून द्वारा)
  - 2) दल बदल करने पर अपनी सीट खोनी पड़ती है।
  - 3) सम्पत्ति की घोषणा करना।
  - 4) आपराधिक मामले से सम्बन्धित शपथ-पत्र दायर करना अनिवार्य तौर पर।
  - 5) आयकर का रिटर्न भरना भी जरूरी बना दिया है।
8. हाँ, क्योंकि -
  - 1) लोकतंत्र का उद्देश्य जनता का जनता के द्वारा शासन है।
  - 2) लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिये बिना राजनीतिक दलों में सुधार लाना कठिन।
  - 3) सामान्य जनता की भागीदारी आवश्यक।
  - 4) उपयुक्त उम्मीदवार का चयन।
  - 5) असहभागिता से सत्ता गलत एवं अक्षम लोगों के हाथों में चली जाती है।
-

## लोकतंत्र के परिणाम

---

याद रखने योग्य बातें :-

1. आज विश्व के 100 देश किसी ना किसी तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्था चलाने का दावा करते हैं। इनका औपचारिक संविधान है। इनके यहां चुनाव होते हैं और राजनीतिक दल भी हैं। साथ ही वे अपने नागरिकों को कुछ बुनियादी अधिकारों की गारंटी भी देते हैं।
2. लोकतंत्र में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ कायदे कानूनों के अनुसार हों।
3. कोई नागरिक यह जानना चाहे कि फैसले लेने में नियमों का पालन हुआ है या नहीं तो वह इसका पता लगा सकता है। उसे न सिर्फ यह जानने का अधिकार है बल्कि उसके पास इसके साधन भी उपलब्ध हैं, इसे पारदर्शिता कहते हैं।
4. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था निश्चित रूप से अन्य शासनों से बेहतर है। यह वैध शासन व्यवस्था है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था लोगों की अपनी शासन व्यवस्था है। इसी कारण सम्पूर्ण विश्व में लोकतंत्र के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है।
5. लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर आधारित होती है। प्रतिनिधियों के चुनाव में हर व्यक्ति का स्तर बराबर होता है।
6. तानाशाही का समर्थन करने वाली राजनैतिक विचारधारा को निरंकुशतावाद कहते हैं।
7. लिंग भेद, जातिभेद और साम्प्रदायिक प्रवृत्ति सामाजिक असमानता के रूप हैं।

- 
8. कानून के शासन से आशय है कि एक देश के संविधान के प्रति अटूट निष्ठा के साथ शासन करना।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. लोकतंत्र की परिभाषा लिखो।
2. तानाशाही का समर्थन करने वाली विचारधारा को क्या कहते हैं ?
3. लोकतंत्र अच्छा है क्योंकि ?
4. किस प्रकार की सरकार सबसे बेहतर मानी जाती है ?
5. 'नागरिक स्वतंत्रता' क्या है ?
6. सामाजिक असमानता का कोई एक रूप लिखिए।
7. बहुमत के शासन का क्या अर्थ है ?
8. कुछ लोगों का अथवा एक दल का शासन क्या कहलाता है ?

### लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. लोकतंत्र की विशेषताएँ लिखिए ?
2. लोकतांत्रिक व्यवस्था को तानाशाही से बेहतर क्यों माना जाता है ?
3. लोकतंत्र के सामाजिक परिणाम लिखिए ?
4. लोकतंत्र किस प्रकार एक वैध सरकार को जन्म देता है ?
5. लोकतंत्र किस प्रकार नागरिकों को शांतिपूर्ण और सद्भावनापूर्ण जीवन देता है ?
6. लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को कैसे बनाये रखता है ?
7. शिकायतें किस प्रकार लोकतंत्र को सफल बनाने में सहयोग देती हैं ?
8. लोकतंत्र के सिद्धान्तों को जीवन के सभी क्षेत्रों में कैसे लागू किया जा सकता है ?
9. तानाशाही सरकार की तुलना में लोकतांत्रिक सरकार की कमियाँ बताएँ।

---

## उत्तर माला

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. जनता का शासन, जनता के लिये व जनता के द्वारा
2. निरंकुशतावाद
3. यह नागरिकों को समानता का अधिकार देता है।
4. लोकतांत्रिक सरकार।
5. छः प्रकार के स्वतन्त्रताओं में से कोई एक।
6. लिंग भेद या जातिभेद
7. बहुमत का निर्णय होना।
8. तानाशाही।

### लघु/ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1.
  - ★ नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।
  - ★ व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।
  - ★ इससे फैसलों में बेहतर आती है।
  - ★ इसमें गलतियों को सुधारने का अवसर होता है।
2.
  - ★ लोकतंत्र में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव होते हैं।
  - ★ लोकतंत्र में नीति तथा निर्णयों पर खुली बहस होती है।
  - ★ लोकतंत्र में वैध सरकार होती है।
  - ★ लोकतंत्र में नागरिकों की स्थिति बेहतर होती है।
3.
  - ★ लोकतांत्रिक व्यवस्था सद्भावनापूर्ण जीवन उपलब्ध कराती है।
  - ★ इसमें सामाजिक टकरावों की संभावना कम रहती है।
  - ★ व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है।

- 
- ★ लोकतंत्र में समाज के कमजोर वर्गों को समानता का दर्जा देने पर बल दिया जाता है।
4.    1) लोकतान्त्रिक सरकार एक जवाबदेह सरकार है।  
      2) नागरिकों को निर्णय निर्माण प्रक्रिया की जाँच करने के अधिकार और साधन प्राप्त होते हैं।  
      3) लोकतंत्र एक जिम्मेदार सरकार है। यह नागरिकों के विचारों और उम्मीदों का ध्यान रखती है।  
      4) लोकतान्त्रिक सरकार एक वैध सरकार है क्योंकि यह जनता द्वारा चुनी जाती है।
5.    1) प्रत्येक नागरिक को मत देने और चुनाव लड़ने का अधिकार है।  
      2) यह नागरिकों को सामाजिक समानता उपलब्ध कराता है।  
      3) लोकतंत्र टकरावों तथा आपसी मतभेद को समाप्त करने में मदद करता है।  
      4) लोकतंत्र में बहुमत को सदा अल्पमत के साथ काम करने की जरूरत होती है ताकि सरकार सभी की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व कर सके।
6.    1) लोकतंत्र सम्मान एवं स्वतंत्रता की भावना को जन्म देता है।  
      2) लोकतंत्र में सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाता है।  
      3) लोकतंत्र ने महिलाओं को पुरुषों के समान दर्जा प्रदान किया है।  
      4) लोकतंत्र में जाति आधारित असमानताओं एवं क्रूरताओं का कोई नैतिक एवं कानूनी आधार नहीं है।
-

- 
7. 1) बहुत समय से स्त्रियों को समान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता से वंचित रखा गया था। मगर 'लोकतंत्र' ने सभी अधिकार सुनिश्चित कर दिये।
- 2) समाज के कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रावधान करना।
- 3) उचित प्रतिनिधित्व देने से विभिन्न जातीय समूहों के बीच टकराव कम हुआ है। मतभेदों को दूर करने के लिए लोकतंत्र संवैधानिक तरीका उपलब्ध कराता है।
8. 1) किसी लोकतांत्रिक फैसले में उन सभी लोगों से राय-विचार करने तथा सहमति प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल है जो इस फैसले से प्रभावित होने वाले हैं।
- 2) सभी व्यक्तियों को निर्णय निर्माण प्रक्रिया में भाग लेने का समान अधिकार है।
- 3) किसी भी धनी या शक्तिशाली लोगों को विशेष अधिकार प्राप्त नहीं है।
9. 1) तानाशाही की तुलना में लोकतंत्र में निर्णय लेने में कुछ अधिक समय लगता है क्योंकि तानाशाही में औपचारिकता नहीं होती।
- 2) तानाशाही सरकार की तुलना में लोकतांत्रिक सरकार ज्यादा खर्चीली है क्योंकि यहाँ निश्चित अवधि के बाद चुनाव होते हैं।
- 3) तानाशाही में उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार हो सकता है परंतु लोकतंत्र में हर स्तर पर भ्रष्टाचार हो सकता है।



## लोकतंत्र की चुनौतियाँ

मुख्य बातें :-

1. **चुनौती** - वह मुश्किल है जो लोकतंत्र में आती रहती है और उसे दूर किय जा सकता है।
2. **बुनियादी आधार की चुनौती** - इस चुनौती में मौजूदा गैर-लोकतांत्रिक सरकार को गिराने, सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक सम्प्रभु तथा कारगर शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनौती है।
3. **विस्तार की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक, शासन के बुनियादी सिद्धांतों को सभी छात्रों, सभी सामाजिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना शामिल हैं
4. **लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रथाओं को मजबूत करना शामिल है।
5. **लोकतंत्र** - एक ऐसी शासन व्यवस्था जहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को क्या कहते हैं ?
2. प्रत्येक लोकतंत्र के समक्ष किसकी मुख्य चुनौती होती है ?
3. लोगों को राजनीतिक सुधार लागू करने में सशक्त बनाने वाला कौन सा कानून श्रेष्ठतम है।
4. राजनीतिक सुधार किसे कहते हैं ?

---

### लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. लोकतंत्र की चुनौतियों पर हम कैसे विजय प्राप्त कर सकते हैं ? समझाएँ।
2. लोकतंत्र की चुनौतियाँ कौन-कौन सी हैं ?
3. लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है ?
4. अच्छे लोकतंत्र की विशेषताएँ लिखिए ?
5. शिकायतों को लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण किस प्रकार माना जाता है ? तीन तथ्यों की सहायता से स्पष्ट करें।
6. सबसे बढ़िया कानून कौन से है ? भारत से उदाहरण दे कर स्पष्ट करें।
7. भारतीय लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ?

### उत्तरमाला

#### 1 अंक वाले प्रश्न

1. लोकतंत्र की चुनौतियाँ
2. विस्तार की चुनौती
3. सूचना का अधिकार, 2005
4. लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के बारे में सभी सुझाव या प्रस्ताव 'लोकतांत्रिक सुधार या राजनीतिक सुधार' कहे जाते हैं।

### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. ★ सैद्धान्तिक रूप से सुधार मुख्यतः राजनीतिक दलों के द्वारा ही लाये जाने चाहिए।  
★ जनादेश के अनुसार समुचित संवैधानिक आधार अपनाया जाना चाहिए।

- 
- ★ पंजायती राज व्यवस्था के द्वारा प्रशासन में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास।
  - ★ सामाजिक जरूरतों के अनुसार नियमों में समय-समय पर बदलाव।
2.
    - 1) बुनियादी चुनौती - जहाँ लोकतंत्र नहीं है वहाँ इसे स्थापित करना।
    - 2) विस्तार की चुनौती - सभी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों को लागू करना।
    - 3) लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती - लोकतंत्र में जनता तथा संस्थाओं को सशक्त करना।
  3.
    - 1) लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनकी कार्य पद्धतियों को मजबूत बनाना।
    - 2) लोगों द्वारा लोकतंत्र से जुड़ी अपनी उम्मीदों को पूरा करना।
    - 3) लोगों की भागीदारी में वृद्धि।
    - 4) सरकारी फैसलों में पारदर्शिता।
  4.
    - धर्म, नस्ल, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं
    - एक निश्चित कार्यकाल के बाद चुनाव सम्पन्न।
    - एक से अधिक दल।
    - स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका।
  5.
    - 1) शिकायत के द्वारा सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया अच्छी हो जाती है।
-

- 
- 2) इससे विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता सशक्त होती है और लोकतंत्र में सुधार होते हैं।
  - 3) शिकायतों द्वारा नागरिक सजग हैं ज्ञात होता है।
6. सबसे बढ़िया कानून वे हैं जो लोगों को लोकतांत्रिक सुधार करने की ताकत देते हैं। सूचना का अधिकार कानून लोगों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण है। यह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाता है।
- 7.
- 1) भ्रष्टाचार
  - 2) जातिवाद
  - 3) क्षेत्रवाद
  - 4) भाषावाद
  - 5) आतंकवाद

---

## अर्थशास्त्र कक्षा 10वीं

### अध्याय - 1

## “विकास”

याद रखने योग्य बातें :-

1. अर्थव्यवस्था - एक ढाँचा जिसके अन्तर्गत लोगों की आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।
2. आर्थिक विकास, एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक अर्थव्यवस्था की वास्तविक 'प्रति व्यक्ति आय' दीर्घ अवधि में बढ़ती है।
3. लोगों या समूहों का प्राथमिक लक्ष्य - अधिक आय पाना। इसके अतिरिक्त बराबरी, स्वतंत्रता, सुरक्षा व आदर भाव अन्य लक्ष्य हैं।
4. आर्थिक नियोजन - देश के साधनों का लाभ उठाकर देश के विकास को योजनाबद्ध रूप से बढ़ाना।
5. 
$$\left. \begin{array}{l} \text{प्रतिव्यक्ति आय} \\ \text{या} \end{array} \right\} = \frac{\text{कुल राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

औसत आय
6. देशों के मध्य तुलना करने के लिए उनकी आय सबसे महत्वपूर्ण विशिष्टता समझी जाती है।
7. देशों के मध्य विकास को नापने के लिए औसत आय के साथ सार्वजनिक सुविधाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाएँ, जन्म व मृत्यु दर, जीवन प्रत्याशा, प्रदूषण मुक्त वातावरण आदि मानकों का भी प्रयोग किया जाता है।
8. प्रत्येक देश के लिए औसत आय की गणना, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा डॉलर में की जाती है।

9. मानव विकास सूचकांक - आय व अन्य कारकों की समाकेतिक सूची,,  
जिसके आधार पर किसी देश को उसकी गुणवत्ता के आधार पर वर्गीकरण  
किया जाता है।

**1 अंक वाले प्रश्न :-**

1. अन्य राज्यों की अपेक्षा केरल में शिशु मृत्यु दर कम क्यों है ?
2. क्या सिर्फ औसत आय के आधार पर विकास की गणना करना सही है ?
3. जीवन प्रत्याशा से क्या अभिप्राय है ?
4. जी.डी. पी (GDP) का क्या अर्थ है ?
5. भारत में सर्वाधिक उच्च मानव विकास सूचकांक किस राज्य का है ?
6. मानव विकास सूचकांक की गणना किस संगठन के द्वारा की जाती है ?
7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है ?
8. जन सुविधाओं का क्या अर्थ है ?
9. अनवीकरणीय संसाधनों का उचित उपयोग क्यों जरूरी है ?

**3/5 अंक वाले संभावित प्रश्न :-**

1. “विकास के लक्ष्य भिन्न-भिन्न होते हैं और कभी-कभी ये परस्पर  
विरोधी भी हो सकते हैं”, इस कथन को स्पष्ट करो।
2. एक विकासशील और विकसित देश की मुख्य विशेषताएँ क्या होती हैं ?
3. आय के अतिरिक्त और कौन से कारक हैं जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण  
भूमिका निभाते हैं।

- 
4. आर्थिक विकास के लिए साक्षरता क्यों अनिवार्य है ? स्पष्ट कीजिए
  5. निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए -
    - क) शिशु मृत्यु दर
    - ख) निवल उपस्थिति अनुपात
    - ग) साक्षरता दर

### उत्तर माला

#### एक अंक वाले प्रश्न :-

1. यहाँ स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था है।
2. नहीं, क्योंकि उससे आय की असमानताओं का पता नहीं चलता।
3. व्यक्ति के संभावित जीवित रहने का औसत वर्ष।
4. किसी देश का सकल घरेलु उत्पाद।
5. केरल राज्य का।
6. यू.न.डी.पी. (UNDP)
7. राशन वितरण की वह प्रणाली जिसके द्वारा उचित मूल्यों पर गरीबों को सरकारी दुकानों के माध्यम से राशन बाँटा जाता है।
8. वे सुविधाएँ जो मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक होती हैं।
9. क्योंकि ये संसाधन सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं और इन्हें पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता।

---

उत्तर माला :-

(3/5 अंक वाले प्रश्न)

1. प्रत्येक व्यक्ति या समूह के विकास के लक्ष्य भिन्न भिन्न हो सकते हैं और कई बार इनकी प्रकृति परस्पर विपरीत भी हो सकती है। एक के लिए विकास का लक्ष्य दूसरे के लिए विनाश का कारण भी बन सकता है।  
उदाहरण- नदी पर बाँध बनाना, वहाँ के किसानों के विस्थापन का कारण बन सकता है।

2. विकसित देश :-

1. नई तकनीक व विकसित उद्योग।
2. उच्च स्तरीय रहन-सहन
3. उच्च प्रति व्यक्ति आय
4. साक्षरता दर उच्च।

विकासशील देश :-

1. औद्योगिक रूप से पिछड़े हुए।
2. निम्न प्रति व्यक्ति आय।
3. साक्षरता दर निम्न
3. आय के अतिरिक्त बेहतर जीवन के लिए परिवार, रोज़गार, मित्रता, सुरक्षा व समानता की भावना, शांतिपूर्ण माहौल आदि भी महत्वपूर्ण हैं।  
क्योंकि मुद्रा से केवल भौतिक वस्तुएँ ही खरीदी जा सकती हैं।



- 
4. इससे ज्ञान व दक्षता प्राप्त होती है।  
रोज़गार का स्तर बढ़ता है।  
नई तकनीकों का प्रयोग व स्तर बढ़ता है।  
लोगों में स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि के प्रति जागरूकता बढ़ती है।  
नए-नए उद्योगों को स्थापित करने की क्षमता बढ़ती है।
5. क) शिशु मृत्यु दर किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पूर्व मरने वाले शिशुओं का अनुपात।  
ख) निचल उपस्थिति अनुपात - 6-10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुल बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत/अनुपात।

## “भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक”

याद रखने योग्य बातें :-

1. आर्थिक गतिविधि - ऐसे क्रियाकलाप जिनको करके जीवनयापन के लिए आय की प्राप्ति की जाती है।
2. प्राथमिक क्षेत्रक - वह क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग करके वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है। इसे कृषि व सहायक क्षेत्रक भी कहा जाता है।
3. द्वितीयक क्षेत्रक - वह क्षेत्र है जिसमें उद्यम, प्राथमिक उद्योगों से प्राप्त वस्तुओं को दूसरे अंतिम प्रकार में परिवर्तित करते हैं। इसे औद्योगिक क्षेत्रक भी कहा जाता है।
4. तृतीयक क्षेत्रक या सेवा क्षेत्रक, प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक के लिए उत्पादन सहायक गतिविधियों में सहायता करता है। इसे सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है।
5. सेवा क्षेत्रक में उत्पादन सहायक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य सेवाएं भी हो सकती हैं। जैसे - डॉक्टर, वकील आदि की सेवा, कॉल सेंटर, सॉफ्टवेयर विकसित करना आदि।
6. सार्वजनिक क्षेत्र - जिसमें अधिकांश परिसम्पत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है और सरकार ही सभी सेवाएँ उपलब्ध करवाती है।
7. निजी क्षेत्र - वह क्षेत्र जिसमें परिसम्पत्तियों का स्वामित्व और सेवाओं का वितरण एक व्यक्ति या कम्पनी के हाथों में होती है।

- 
8. सकल घरेलु उत्पाद - किसी विशेष वर्ष में प्रत्येक क्षेत्रक द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं व सेवाओं का मूल्य उस वर्ष में क्षेत्रक के कुल उत्पादन की जानकारी प्रदान करता है।
  9. भारत में पिछले चालीस वर्षों में सबसे अधिक वृद्धि तृतीयक क्षेत्रक में हुई है।
  10. इस तीव्र वृद्धि के कई कारण हैं जैसे - सेवाओं का समुचित प्रबंधन, परिवहन, भंडारण की अच्छी सुविधाएँ, व्यापार का अधिक विकास, शिक्षा की उपलब्धता आदि।
  11. कृषि क्षेत्र में अल्प बेरोजगारी की समस्या अधिक है अर्थात् यदि हम कुछ लोगों को कृषि क्षेत्र से हटा भी देते हैं तो उत्पादन में विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।
  12. इसे प्रच्छन्न या छिपी हुई बेरोजगारी भी कहा जाता है।
  13. शिक्षित बेरोजगार जब शिक्षित, प्रशिक्षित व्यक्तियों को उनकी योग्यता के अनुसार काम नहीं मिलता।
  14. कुशल श्रमिक - जिसने किसी कार्य के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अकुशल श्रमिक - जिन्होंने कोई प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है।
  15. संगठित क्षेत्रक - वे उद्यम या कार्य आते हैं, जहाँ रोजगार की अवधि निश्चित होती है। ये सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं तथा निर्धारित नियमों व विनियमों का अनुपालन करते हैं।
  16. असंगठित क्षेत्रक - छोटी-छोटी और बिखरी हुई ईकाइयाँ, जो अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण से बाहर रहती हैं, से निर्मित होता है। यहाँ प्रायः सरकारी नियमों का पालन नहीं किया जाता।
  17. दोहरी गणना की समस्या - ये समस्या तब उत्पन्न होती है जब राष्ट्रीय आय की गणना के लिए सभी उत्पादों के उत्पादन मूल्य को जोड़ा जाता
-

- 
- है। क्योंकि इसमें कच्चे माल का मूल्य भी जुड़ जाता है। अतः समाधान के लिए केवल अंतिम उत्पाद के मूल्य की गणना की जानी चाहिए।
18. असंगठित क्षेत्रक - भूमिहीन किसान, कृषि श्रमिक, छोटे व सीमान्त किसान, काश्तकार, बँटाईदार, शिल्पी आदि। शहरी क्षेत्रों में औद्योगिक श्रमिक, निमाण श्रमिक, व्यापार व परिवहन में कार्यरत, कबाड़ व बोझा ढोने वाले लोगों को संरक्षण की आवश्यकता होती है।
  19. ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम 2005 - केन्द्रीय सरकार ने भारत के 200 जिलों में काम का अधिकार लागू करने का एक कानून बनाया है।
  20. काम का अधिकार - सक्षम व जरूरतमंद बेरोज़गार ग्रामीण लोगों को प्रत्येक वर्ष 100 दिन के रोज़गार की गारन्टी सरकार के द्वारा। असफल रहने पर बेरोज़गारी भत्ता दिया जाएगा।

### 1 अंक वाले प्रश्न :-

1. सेवा क्षेत्रक में शामिल गतिविधियों के दो उदाहरण दीजिए।
  2. अर्थव्यवस्था में प्रत्येक क्षेत्रक के अंतिम उत्पाद की ही गणना क्यों की जाती है ?
  3. सार्वजनिक व निजी क्षेत्रक को किस आधार पर वर्गीकृत किया जाता है ?
  4. रोज़गार सृजन में किस क्षेत्र का भारत में प्रथम स्थान है ?
  5. संगठित क्षेत्र की दो विशेषताएँ बताइए ?
  6. रोजगार गारन्टी अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया ?
  7. आर्थिक गतिविधियाँ जो तृतीयक क्षेत्र में नहीं आती का एक उदाहरण दीजिए।
  8. सार्वजनिक क्षेत्रक में सरकार का मुख्य उद्देश्य क्या होता है ?
-

- 
9. 'टिस्को' जैसी कम्पनी में कौन सा एक्ट लागू नहीं होगा ?
  10. प्रच्छन्न बेरोजगारी को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
  11. भारत में सेवा क्षेत्रक की क्या विशेषता है ?
  12. 'सवेतन छुट्टी' का प्रावधान किस क्षेत्रक में पाया जाता है ?

**3/5 अंक वाले प्रश्न :-**

1. सार्वजनिक व निजी क्षेत्रक में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. असंगठित क्षेत्रक में मजदूरों के सामने आने वाली कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।
3. संगठित व असंगठित क्षेत्रकों में रोजगार की परिस्थितियों में क्या अन्तर पाया जाता है ?
4. राष्ट्रीय रोजगार गारन्टी अधिनियम के तीन प्रावधान बताइए।
5. "यद्यपि आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रकों में विभाजित किया गया है लेकिन वे परस्पर एक दूसरे पर निर्भर हैं" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
6. शहरी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने की कोई तीन विधियाँ सुझाइए।
7. तेजी से बढ़ती जनसंख्या किस प्रकार बेरोजगारी को प्रभावित करती है ?
8. "आप एक संगठित क्षेत्र के कर्मचारी हैं।" असंगठित क्षेत्र के किसी कर्मचारी की अपेक्षा आप को कौन से लाभ प्राप्त होंगे ?
9. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार सार्वजनिक क्षेत्रक राष्ट्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है" ?
10. छिपी हुई बेरोजगारी क्या है ? ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में इसका एक-एक उदाहरण दीजिए।

---

**उत्तर माला (1 अंक वाले प्रश्न) :-**

1. परिवहन , संचार व बैंकिंग।
2. दोहरी गणना की समस्या से बचने के लिए।
3. उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर।
4. प्राथमिक क्षेत्रक का।
6. वर्ष 2005 में।
7. मधुमक्खी पालन आदि
8. सामाजिक कल्याण व सुरक्षा प्रदान करना।
9. राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम।
10. अल्प बेरोज़गारी या छिपी हुई बेरोज़गारी।
11. सकल घरेलु उत्पाद में सर्वाधिक हिस्सेदारी।
12. संगठित क्षेत्रक में।

**उत्तर माला (3/5 अंक वाले प्रश्न)**

1. सार्वजनिक क्षेत्रक :-
  - 1) परिसम्पत्तियों पर सरकार का नियंत्रण
  - 2) सभी सेवाएँ सरकार उपलब्ध करवाती है।
  - 3) इसका उद्देश्य अधिकतम सामाजिक कल्याण होता है ?
  - 4) रोजगार सुरक्षा दी जाती है।
  - 5) सवैतनिक छुट्टी व अन्य सेवाएँ दी जाती हैं।

---

निजी क्षेत्रक :-

- 1) परिसम्पत्तियों पर निजी स्वामित्व।
  - 2) सारी चीजें एक व्यक्ति या कम्पनी उपलब्ध करवाती है।
  - 3) अधिकतम लाभ कमाना इसका उद्देश्य होता है।
  - 4) रोज़गार व श्रमिक असुरक्षित होते हैं।
  - 5) सवैतनिक छुट्टी व अन्य सेवाएँ सामान्यतः नहीं दी जाती।
- 2.
- 1) यह क्षेत्रक सरकारी नियमों व विनियमों को नहीं मानता।
  - 2) न्यूनतम वेतन मिलता है।
  - 3) रोज़गार की अवधि व कार्य समय सीमा निश्चित नहीं होती।
  - 4) किसी प्रकार की छुट्टी या लाभ का प्रावधान नहीं होता।
  - 5) निश्चित कार्य क्षेत्र व अच्छी सेवा सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होता।

3. संगठित क्षेत्रक :-

असंगठित क्षेत्रक

- |                             |                                    |
|-----------------------------|------------------------------------|
| 1) अधिक वेतन प्राप्ति।      | 1) कम वेतन प्राप्ति                |
| 2) नौकरी सुरक्षित           | 2) नौकरी सुरक्षित नहीं।            |
| 3) कार्य की स्थितियाँ अच्छी | 3) निम्न स्तरीय कार्य परिस्थितियाँ |
| 4) कर्मचारी योजनाओं का लाभ  | 4) कर्मचारी योजनाओं का लाभ नहीं    |
| 5) कार्य अवधि निश्चित       | 5) कोई निश्चित कार्य अवधि नहीं।    |

(काम के घंटे)

---

#### 4. राष्ट्रीय रोजगार

- 1) राष्ट्रीय गारन्टी योजना के अन्तर्गत 100 दिनों के रोजगार की गारन्टी।
- 2) रोजगार न मिलने या कम मिलने पर बेरोज़गारी भत्ता दिया जाना।
- 3) अपने गाँव या आस-पास के क्षेत्र में ही कार्य स्थल होना।

#### 5. यह कथन पूर्णतः सत्य है क्योंकि :-

- 1) प्राथमिक क्षेत्रक को उत्पादन बढ़ाने व वितरण के लिए नई तकनीकों व परिवहन की आवश्यकता होती है।
- 2) विनिर्माण उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राथमिक क्षेत्रक से ही प्राप्त होता है।
- 3) प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक की सहायता से ही सेवा क्षेत्रक में नए-नए रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। जैसे- भंडारण, बैंकिंग, यातायात आदि।
- 4) तीनों क्षेत्रक परस्पर निर्भर हैं, किसी एक की भी अनुपस्थिति का अन्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

#### 6. 1) क्षेत्रीय शिल्प उद्योग व सेवाओं को प्रोत्साहन देना।

- 2) पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहन देना।
- 3) अनावश्यक सरकारी नीतियों व नियमों में परिवर्तन।
- 4) मूलभूत सुविधाएँ, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना।
- 5) आसान शर्तों पर ऋण या आर्थिक सहायता प्रदान करना।



- 
7. 1) रोज़गार के अवसर, जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़ते।  
2) कृषि व शहरी क्षेत्रों में प्रच्छन्न बेरोजगारी बढ़ जाती है।  
3) संसाधनों पर बोझ बढ़ जाता है।  
4) अधिक व्यक्ति उपलब्ध होने से रोज़गार से प्राप्त आय निम्न स्तर पर आ जाती है।  
5) वस्तुओं व सेवाओं की कीमत बढ़ जाती है और उपलब्धता कम हो जाती है।
8. 1) काम के निश्चित घंटे होंगे।  
2) निश्चित समय से अधिक काम करने पर अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।  
3) चिकित्सा सुविधाएँ व पेंशन सुविधा मिलेगी।  
4) सवेतन अवकाश, भविष्य निधि का सेवानुदान मिलेगा।  
5) कार्य स्थल पर उचित वातावरण व न्यूनतम सुविधाएँ प्राप्त होगी।  
6) अनुचित शोषण नहीं होगा।
9. 1) इसमें ढाँचागत सुविधाओं, कृषि व उद्योगों को बढ़ावा दिया जाता है।  
2) लोगों को सुविधाएँ न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध करवाई जाती हैं।  
3) आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन व विक्रय में सरकारी सहायता व अनुदान दिया जाता है।
-

- 
- 4) अधिकतम् सामाजिक कल्याण का उद्देश्य रखकर योजनाएँ बनाई जाती हैं।
- 5) श्रमिकों को अच्छी कार्य सुविधाएँ, वेतन आदि प्रदान किया जाता है।
10. जब लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यरत होते हैं परन्तु वास्तव में बेरोज़गार होते हैं अर्थात् एक ही काम में जरूरत से ज्यादा लोग लगे होते हैं, उसे प्रचछन्न बेरोज़गारी कहते हैं उदाहरण- ग्रामीण क्षेत्र में चार व्यक्तियों की आवश्यकता वाले खेत में परिवार के अधिक व्यक्ति लगे हुए हैं। शहरी क्षेत्र में किसी दुकान पर 2 की आवश्यकता के स्थान पर तीन व्यक्ति कार्य कर रहें हों। शहरी क्षेत्र में एक व्यक्ति के पास कपड़े की एक छोटी सी दुकान है। उसमें एक व्यक्ति की जरूरत है परंतु दो लोग काम में लगे हुए हैं।

## मुद्रा व साख

---

याद रखने योग्य बातें :-

1. वस्तुओं के बदले वस्तुओं का लेन-देन वस्तु विनिमय प्रणाली कहलाता है।
2. मुद्रा के आविष्कार से वस्तु विनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी कठिनाई “आवश्यकताओं का दोहरा संयोग” का समाधान संभव हुआ।
3. जब एक व्यक्ति किसी चीज को बेचने की इच्छा रखता हो, वही वस्तु दूसरा व्यक्ति भी खरीदने की इच्छा रखता हो अर्थात् मुद्रा का उपयोग किये बिना, तो उसे आवश्यकताओं का दोहरा संयोग कहा जाता है।
4. कागजी मुद्रा, कागज के उपयोग से बने विभिन्न प्रकार के अंकित मूल्य के नोटों से है।
5. सोना, चाँदी, निकल, ताँबा आदि किसी भी धातु के उपयोग से बनी मुद्रा को धात्विक मुद्रा कहते हैं।
6. विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करने के कारण, मुद्रा को विनिमय का माध्यम कहा जाता है।
7. मुद्रा विनियम के माध्यम के रूप में तभी मान्य होती है जब उस देश की सरकार उसे इस कार्य के लिए प्राधिकृत करती है व कानूनी मान्यता प्रदान करती है।
8. भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया केन्द्रीय सरकार की ओर से विभिन्न मूल्यों के करेंसी नोट जारी करता है।
9. उधार देने या निवेश करने के ध्येय से जनता से माँगने पर या चैक आदि के माध्यम से राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जमाएँ स्वीकार करने को बैंकिंग कहते हैं।
10. बैंक, सहकारी समितियाँ आदि ऋण के औपचारिक स्रोत हैं।

- 
11. अनौपचारिक ऋण में साहूकार, दोस्त, रिश्तेदारों आदि से लिया गया ऋण आता है।
  12. समर्थक ऋणाधार - ऐसी सम्पत्ति है, जिसका मालिक कर्जदार है और वह इस सम्पत्ति का उपयोग उधारदाता को गारन्टी प्रदान करने के लिए करता है।
  13. समर्थक ऋणाधार के उदाहरण - कृषि भूमि, इमारतें, गाड़ी, पशु, मकान, ज़ेवर, बैंको में जमा माँग आदि हितों की रक्षा के लिए, अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होते हैं।
  15. बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक स्वयं सहायता समूह का एक सफल उदाहरण।
  16. ग्रामीण बैंक के संस्थापक व 2006 में नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस। उचित शर्तों के साथ ऋण उपलब्ध करवाया जाए तो, लाखों छोटे लोग अपनी लाखों छोटी बड़ी गतिविधियों के जरिये विकास का बड़ा चमत्कार कर सकते हैं।

### 1 अंक वाले संभावित प्रश्न

1. मुद्रा के आविष्कार से 'वस्तु विनिमय प्रणाली' की किस कठिनाई का समाधान हुआ ?
  2. मुद्रा को विनिमय का माध्यम क्यों कहा जाता है ?
  3. बैंक अपने पास कितना नकद कोष रखते हैं ?
  4. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विनिमय के लिए कौन सी करेंसी का प्रयोग किया जाता है ?
  5. विनिमय के रूप में कोई मुद्रा कब मान्य होती है ?
  6. अनौपचारिक ऋण किन स्रोतों से प्राप्त कर सकते हैं ?
  7. बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक किसका उदाहरण है ?
  8. अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋण अधिक महँगा क्यों होता है ?
  9. आत्मनिर्भर समूहों में बचत व ऋण संबंधित निर्णय कौन लेता है ?
-

- 
10. सिक्कों के प्रयोग से पहले, कौन सी वस्तु मुद्रा के रूप में प्रयोग की जाती थी ?

### 3/5 अंक वाले प्रश्न

1. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्या-क्या कार्य करता है ?
2. समर्थक ऋणाधार क्या है ? उदाहरण सहित बताओ।
3. साख के औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ बताइये।
4. क्या कारण है कि कुछ व्यक्तियों या समूहों को बैंक कर्ज देने को तैयार नहीं होते ?
5. वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएँ बताइये ?
6. क्या सलीम व स्वप्ना दोनों के लिए ऋण एक ही परिस्थिति उत्पन्न करता है ? व्याख्या करें।
7. कर्ज-जाल कब उत्पन्न होता है ? उदाहरण देकर बताइए।
8. ऋण की शर्तें किसे कहा जाता है ? यह किस प्रकार भिन्न हो सकती है ?
9. गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है ?
10. भारत में औपचारिक ऋण क्षेत्र को विस्तृत करना क्यों आवश्यक है ?

### उत्तर माला

#### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. “आवश्यकताओं के दोहरे संयोग” की।
2. क्योंकि यह विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करती है।
3. कुल राशि का 15 प्रतिशत।
4. डॉलर का
5. जब उस देश की सरकार उसे इस कार्य के लिए प्राधिकृत करती है।
6. महाजन, दोस्त, रिश्तेदारों आदि से।
7. स्वयं सहायता समूह का।

- 
8. ऋण प्राप्तकर्ता की आय का अधिक हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है ?
  9. समूह के सदस्य।
  10. अनाज

### 3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. — सरकार की ओर से मुद्रा जारी करता है।  
 — बैंको व समितियों की कार्य प्रणाली पर नज़र रखता है।  
 — ब्याज की दरों व ऋण की शर्तों पर निगरानी रखता है।  
 — बैंक कितना नकद शेष अपने पास रखे हुए हैं इसकी सूचना रखता है।  
 — ऋण किस प्रकार वितरित किये जा रहे हैं इस पर नज़र रखता है।
2. उधार दाता, उधार प्राप्तकर्ता से समर्थक ऋणाधार के रूप में ऐसी परिसम्पत्तियों की माँग करता है जिन्हें बेचकर वह अपनी ऋण राशि की वसूली कर सके। ये परिसम्पत्तियाँ ही समर्थक ऋणाधार कहलाती हैं।  
 उदाहरण :- कृषि भूमि, जेवर, मकान, पशुधन, बैंक जमा आदि।
3.
 

साख के औपचारिक क्षेत्र	अनौपचारिक क्षेत्र
1) बैंक, सहकारी समितियाँ	महाजन, साहूकार, रिश्तेदार
2) पूर्व निश्चित ब्याज दर	अनिश्चित व अधिक ब्याज दर
3) उधार लेने वाले का शोषण नहीं	उधार लेने वाले का शोषण होता है।
4) ऋण वापसी के लिए अनावश्यक दबाव नहीं।	कर्ज-जाल में फँसने की संभावना।
4. 1) ग्रामीण क्षेत्रों में बैंको की अनुपस्थिति।

- 
- 2) समर्थक ऋणाधार न होना।
  - 3) जरूरी कागजात न होना।
  - 4) ऋण की शर्तें पूरी न कर पाना।
- 5.
- 1) वस्तु विनिमय के लिए दोहरे संयोग की शर्त का पूरा होना आवश्यक।
  - 2) धन या मूल्य के संचयन में कठिनाई।
  - 3) अविभाज्य वस्तुओं का विनिमय कठिन।
  - 4) वस्तुओं को भविष्य में प्रयोग के लिए संग्रहित करना (लम्बे समय तक) कठिन।
  - 5) सेवाओं का मूल्य निर्धारण व विनिमय में कठिनाई।
- 6.
- 1) सलीम के लिए ऋण ने सकारात्मक भूमिका निभाई।
  - 2) उसने लाभ भी कमाया व ऋण भी चुकाया।
  - 3) स्वप्ना के लिए ऋण की नकारात्मक भूमिका थी।
  - 4) वह ऋण चुकाने व लाभ कमाने में असमर्थ थी।
  - 5) वह ऋण-जाल में फंस गई, उसे जमीन बेचनी पड़ी।
- 7.
- जब कर्जदार अपना पिछला ऋण चुकाने में असमर्थ होता है।
  - पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया कर्ज ले लेता है।
  - उसे ऋण अदायगी के लिए अपनी परिसम्पत्ति बेचनी पड़ जाती है।
  - उसकी आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो जाती है।
- 8.
- ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से “ऋण की शर्तें कहा जाता है। ऋण की शर्तें विभिन्न व्यक्तियों या समूहों के लिए अलग अलग हो सकती है।
-

- 
9.     1)    गरीबों को संगठित रूप में कार्य के लिए प्रेरित करना।  
          2)    स्वरोज़गार के लिए प्रेरित करना।  
          3)    शोषण से बचाना।  
          4)    कर्जदारों को कर्ज-जाल से बचाना।  
          5)    महिलाओं को स्वावलंबी बनाना व रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाना।
10.    1)    अनौपचारिक स्रोतों से ऋण प्राप्ति आसान होती है परन्तु शोषण अधिक होता है।  
          2)    ब्याज की दरे अनिश्चित व उच्च होती है।  
          3)    गरीब, अशिक्षित लोग आसानी से ऋण जाल में फंस जाते हैं।  
          4)    ग्रामीण क्षेत्रों में साहूकारों पर निर्भरता कम करने के लिए।  
          5)    छोटे कर्जदारों को आसानी से ऋण उपलब्ध करवाने के लिए।



## वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

याद रखने योग्य बातें :-

1. बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ- वह कंपनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।
2. वैश्वीकरण अपने देश की अर्थव्यवस्था का संसार के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना।
3. उदारीकरण सरकार द्वारा अवरोधों और प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।
4. निवेश-परिसंपत्तियों जैसे-भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।
5. विदेशी निवेश बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते हैं।
6. मुक्त व्यापार - जब दो देशों के बीच व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है तो उसे मुक्त व्यापार कहते हैं।
7. निजीकरण - सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से निजी क्षेत्र में बेचना।
8. डब्लू.टी.ओ. विश्व व्यापार संगठन।
9. विश्व बैंक - अपने सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय सहायता देने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्था।
10. चालू खाता - एक वित्त वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार के साथ ही भुगतानों का स्थानांतरण।

- 
11. पूंजी खाता - स्टॉक, बांड, भूमि तथा बैंक जमा राशियों की खरीद और बिक्री का अभिलेख।
  12. निर्यात कोटा - एक देश द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की निर्धारित मात्रा।
  13. लचीलापन - कानून में सरकार द्वारा ढील जो उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है उसे लचीलापन कहते हैं।
  14. सेज (SEZ) विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone) जिसका उद्देश्य है विदेशी कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. एक कंपनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, क्या कहलाती है ?
2. भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को क्या कहते हैं ?
3. वैश्वीकरण क्या है ?
4. व्यापार अवरोधक का एक उदाहरण दीजिए ?
5. भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई ?
6. भारतीय अर्थव्यवस्था कैसी अर्थ व्यवस्था है ?
7. विदेशी व्यापार किनके बीच होता है ?
8. किसी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी का उदाहरण दीजिए ?
9. अमरीकी कंपनी फोर्ड मोटर्स भारत कब आई ?
10. किस क्षेत्र को वैश्वीकरण से सब से कम लाभ हुआ है ?
11. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विदेशों में निवेश क्यों करती हैं ?
12. वैश्वीकरण के द्वारा लोगों को आपस में जोड़ने का क्या परिणाम होगा ?

---

### लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण रखती हैं ?
2. किन कारणों से भारत में आर्थिक सुधार की आवश्यकता पड़ी ?
3. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका समझाएँ।
4. वैश्वीकरण के कारण प्रतिस्पर्धा के कुप्रभावों का उल्लेख करो ?
5. वैश्वीकरण को न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
6. वैश्वीकरण का लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है ?
7. भारत सरकार ने स्वतंत्रता के पश्चात विदेश व्यापार और विदेशी विनिमय पर अवरोधक क्यों लगाए ?
8. उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप भारत में कौन-कौन से मुख्य परिवर्तन आए हैं ?
9. विश्व व्यापार संगठन क्या है ? इसके क्या कार्य हैं ? क्या यह वास्तव में अपने कार्यों को पूरा कर रहा है ?
10. विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट करें।
11. विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. बहुराष्ट्रीय कंपनी
2. निवेश
3. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।

- 
4. आयात पर कर
  5. 1991 में
  6. मिश्रित
  7. दो या दो से अधिक देशों के बीच
  8. टाटा मोटर्स (मोटर गाड़ियाँ)
  9. 1995 में
  10. कृषि क्षेत्रक
  11. अधिक लाभ के लिए
  12. उत्पादकों में पहले से अधिक प्रतियोगिता।

### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. उत्पादन पर नियंत्रण करने की विधियाँ
  - 1) संयुक्त उपक्रम विधि
  - 2) स्थानीय कम्पनियों को खरीदना।
  - 3) छोटे उत्पादकों से माल खरीदना।
  - 4) अपने ब्रांड का इस्तेमाल करके।
2.
  - 1) राजकोषीय घाटे में वृद्धि
  - 2) प्रतिकूल भुगतान संतुलन में वृद्धि
  - 3) विदेशी मुद्रा भंडार में कमी
  - 4) कीमतों में वृद्धि
  - 5) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का कार्य संतोषजनक न होना।
  - 6) भारतीय कम्पनियों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना।

- 
- 3.
- 1) परिवहन तकनीक में कई सुधारों ने दूर-दूर स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना संभव बनाया है।
  - 2) सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार से विभिन्न देश आपस में जुड़कर तुरंत सूचना प्राप्त कर लेते हैं।
  - 3) इंटरनेट टेक्नालोजी से व्यापार में गति आई है।

4. कृप्रभाव

- 1) प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे उद्योगों जैसे बैटरी, प्लास्टिक, खिलौने, टायरों आदि के उत्पादकों पर बुरा प्रभाव पड़ा। फलस्वरूप काफी इकाइयाँ बंद हो गईं।
- 2) श्रमिकों की बेरोज़गारी में वृद्धि।
- 3) श्रमिकों को अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया।
- 4) श्रमिकों को संरक्षण और लाभ नहीं मिल रहा।
- 5) श्रमिकों का अधिक घंटों तक काम करना आम बात हो गई।

5. सरकार की भूमिका -

- 1) वैश्वीकरण की नई नीति के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयत्न किया गया ताकि पूँजी, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का विश्व के विभिन्न देशों से आदान-प्रदान हो सके।
- 2) सरकार ने माल के आयात पर से अनेक प्रतिबन्ध हटा दिए।
- 3) आयातित माल पर कर कम कर दिए।
- 4) विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया गया।

- 
- 5) तकनीकी क्षेत्र को हर ढंग से उन्नत करने का प्रयत्न किया गया।
6. 1) उपभोक्ताओं के सामने पहले से अधिक विकल्प हैं।  
2) उपभोक्ताओं को कम कीमत पर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं।  
3) लोग पहले की तुलना में आज उच्चतर जीवन स्तर का मजा ले रहे हैं।  
4) उद्योगों और सेवाओं में नये रोज़गार उत्पन्न हुए हैं।  
5) उद्योगों को कच्चे माल इत्यादि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुई हैं।
7. 1) विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों की रक्षा करना।  
2) स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों ने भारतीय उद्योग धन्धों को चौपट कर दिया था। स्वतंत्रता के बाद यहाँ भारतीय उद्योग स्थापित किए गए। उद्योगों के विकास के लिए विदेशी व्यापार पर रोक आवश्यक थी।  
3) स्वतंत्रता के बाद भारत 562 टुकड़ों में बंटा हुआ था। यहाँ परिवहन तथा संचार के साधन अस्त व्यस्त थे।  
4) स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में भारत के वैदेशिक संबंध इतने सुदृढ़ नहीं बन पाए थे कि विश्व के अन्य देशों के साथ व्यापार विकसित हो सके।
8. 1) उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप निजी निवेश बढ़ने का अधिक अवसर मिला।
-

- 
- 2) विदेशी विनिमय कोष (भंडार) बढ़ गया।
  - 3) आई टी उद्योग का विस्तार हुआ।
  - 4) सरकारी राजस्व में वृद्धि।
- 9.
- 1) विश्व व्यापार संगठन (डब्लू टी ओ) एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना और मुक्त व्यापार की सुविधा देना है।
  - 2) कार्य : विश्व व्यापार संगठन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है और यह देखता है कि इन नियमों का पालन हो रहा है अथवा नहीं।
  - 3) वास्तविकता – विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोध को बरकरार रखा है। दूसरी ओर विश्व व्यापार संगठन के नियमों ने विकासशील देशों को व्यापार अवरोधों को हटाने के लिए विवश किया है।
- 10.
- 1)★ **विदेशी व्यापार :-** विदेशों से वस्तुओं को खरीदने और बेचने को विदेशी व्यापार कहते हैं।
  - ★ **विदेशी निवेश :-** अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से जब बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ मेजबान देश में धन से उत्पादन इकाई की स्थापना करती हैं, उसे विदेशी निवेश कहते हैं।
  - ★ इसके अन्तर्गत आयात और निर्यात की दोनों प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं।
  - ★ विदेशी निवेश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किया गया पूँजी निवेश आता है।

- 
- ★ यह उत्पादन के लिये अवसर प्रदान करता है।
  - ★ यह पूँजी की कमी को दूर करता है।
- 11.
- 1) औद्योगिक क्षेत्रों जिन्हें विशेष आर्थिक क्षेत्र कहा जाता है की स्थापना की जा रही है।
  - 2) विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ, बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, भण्डारण, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।
  - 3) विशेष आर्थिक क्षेत्र में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने वाली कंपनियों को आरंभिक पाँच वर्षों तक कोई कर नहीं देना पड़ता है।
  - 4) विदेशी निवेश आकर्षित करने हेतु सरकार ने श्रम-कानूनों में लचीलापन लाने की अनुमति दे दी है।



## उपभोक्ता अधिकार

याद रखने योग्य बातें :-

1. उपभोक्ता - वह व्यक्ति जो बाजार से चीजें खरीद कर उनका उपयोग करता है।
2. उत्पादक - वह व्यक्ति जो चीजों का निर्माण करता है।
3. उपभोक्ता जागरूकता - उपभोक्ताओं का अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत होना।
4. उपभोक्ता अधिकार - इसमें उपभोक्ता हित से जुड़े प्रसंगों और वस्तुओं की जानकारी सम्मिलित है।
5. कोपरा - उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986।
6. एफ ए ओ - खाद्य एवं कृषि संगठन।
7. डब्लू एच ओ - विश्व स्वास्थ्य संगठन
8. आई एस ओ - अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन
9. आई एस आई - भारतीय मानक संस्थान
10. बी एस आई - भारतीय मानक ब्यूरो
11. पी डी एस - सार्वजनिक वितरण प्रणाली
12. एन सी सी - राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग
13. रैल्फ नाडर - उपभोक्ता आन्दोलन का जन्मदाता।
14. मानकीकरण - उत्पादों की गुणवत्ता, आकार तथा बनावट निश्चित करने की प्रक्रिया।

- 
15. राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस - 24 दिसम्बर
  16. विश्व उपभोक्ता दिवस - 15 मार्च

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. संयुक्त राष्ट्र ने उपभोक्ता सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देशों को कब अपनाया ?
2. उपभोक्ता आंदोलन का प्रारंभ क्यों हुआ ?
3. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम कानून कब बना ?
4. एम. आर. पी का क्या अर्थ है ?
5. उपभोक्ता कल्याण संगठन के विश्व स्तरीय संस्थान को क्या कहते हैं ?
6. भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है ?
7. बिजली के सामान पर कौन से शब्द चिन्ह देखे जा सकते हैं ?
8. राज्य स्तरीय अदालतों में कितनी राशि तक के मुकदमों की सुनवाई होती है ?
9. उपभोक्ता आंदोलन का उदय व्यवस्थित रूप में कब हुआ ?
10. उपभोक्ता निवारण प्रक्रिया से संबंधित कोई समस्या बताइए ?
11. कोपरा का अर्थ क्या है ?
12. एगमार्क क्या है ?
13. उत्पादक के घटकों की विस्तृत जानकारी किसके द्वारा सुनिश्चित की जाती है ?
14. हॉल मार्क का चिन्ह किस पर लगाया जाता है ?
15. जिला स्तर की अदालतों में कितनी राशि तक के मुकदमों की सुनवाई होती है ?

---

### लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. पाँच तरीके बताइए जिनमें उपभोक्ताओं का दुकानदारों द्वारा वस्तु खरीदते समय शोषण किया जाता है ?
2. कोपरा का पूरा नाम बताओ। यह उपभोक्ताओं की कैसे मदद करता है ?
3. उपभोक्ता के कर्तव्य लिखो।
4. उपभोक्ता के अधिकार बताओ।
5. भारत सरकार ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा के हित में क्या कदम उठाये हैं, बताओ।
6. मान लीजिए आपको कैमिस्ट से कुछ दवाइयों को खरीदने के लिए कहा जाता है। आप दवाइयाँ खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखेंगे ?
7. उपभोक्ता संरक्षण परिषद् और उपभोक्ता अदालत में क्या अंतर है ?
8. आर टी आई - सूचना का अधिकार से क्या अर्थ है ?
9. उपभोक्ताओं के शोषण के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए ?
10. न्याय पाने के लिए उपभोक्ता को कहाँ जाना चाहिए ?

### 1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 1985 में
2. उपभोक्ताओं के असंतोष के कारण
3. 1986 में
4. अधिकतम खुदरा मूल्य
5. उपभोक्ता इंटरनेशनल
6. 24 दिसंबर

- 
7. आई एस आई शब्द चिन्ह
  8. 20 लाख से 1 करोड़ तक
  9. 1960 के दशक में
  10. जटिल, खर्चीली और समय साध्य
  11. उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम
  12. खाद्य तेलों की शुद्धता का प्रमाण
  13. सूचना पाने का अधिकार
  14. आभूषणों पर
  15. 20 लाख रुपये तक

### लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. उपभोक्ता शोषण के तरीके -
  - 1) घटिया किस्म की वस्तु देना
  - 2) कम माप करना।
  - 3) ऊँची कीमत वसूल करना।
  - 4) नकली वस्तु देना
  - 5) मिलावटी/ दोषपूर्ण वस्तु देना
  - 6) जमाखोरी
  - 7) असत्य या अधूरी सूचना देना।
  - 8) बुरा व्यवहार

- 
- 2.
- 1) कोपरा का पूरा नाम उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम है।
  - 2) दुकानदारों की मनचाही कीमत वसूलने, घटिया वस्तु देने, कम तोलने, मिलावट को रोकने तथा नकली वस्तुओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए यह अधिनियम बनाया गया।
  - 3) इसके अंतर्गत त्रि-स्तरीय उपभोक्ता अदालतों की स्थापना की गई है।
3. उपभोक्ता के कर्तव्य :-
- 1) उपभोक्ता को वस्तु के गुण के बारे में देखना चाहिए ?
  - 2) उसे वस्तु के साथ गारंटी कार्ड भी लेना चाहिए ?
  - 3) रसीद भी लेनी चाहिए ?
  - 4) वस्तु पर अंकित आई. एस. आई या एगमार्क का चिन्ह भी देखना चाहिए।
4. उपभोक्ता के अधिकार :-
- 1) चयन का अधिकार
  - 2) सूचना का अधिकार
  - 3) निवारण का अधिकार
  - 4) प्रतिनिधित्व का अधिकार
  - 5) सुरक्षा का अधिकार
  - 6) उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार
-

- 
5.     1)    कानूनी कदम : 1986 का उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम  
          2)    प्रशासनिक कदम : सार्वजनिक वितरण प्रणाली  
          3)    तकनीकी कदम : वस्तुओं का मानकीकरण  
          4)    सूचना का अधिकार अधिनियम (2005)  
          5)    त्रि-स्तरीय उपभोक्ता अदालतों की स्थापना।
6.     1)    दवाई बनाने की तारीख देखेंगे।  
          2)    दवाई पर समाप्त होने वाली तारीख देखेंगे।  
          3)    अधिकतम खुदरा मूल्य देखेंगे।  
          4)    समुचित रसीद लेंगे।
7.     1)    उपभोक्ता संरक्षण परिषद् :- ये उपभोक्ता का मार्गदर्शन करती है कि कैसे उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दर्ज करायें। यह जनता को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करती है।  
          2)    उपभोक्ता अदालत - लोग उपभोक्ता अदालत में न्याय पाने के लिए जाते हैं। दोषी को दण्ड दिया जाता है।  
          3)    उन पर जुर्माना लगाती है या सज़ा देती है।
8.     सन् 2005 के अक्टूबर में भारत सरकार ने एक कानून लागू किया जो आर टी आई या सूचना पाने का अधिकार के नाम से जाना जाता है। जो अपने नागरिकों को सरकारी विभागों के कार्यकलापों की सभी सूचनाएं पाने का अधिकार सुनिश्चित करता है।
-

- 
9.     1)   सीमित सूचना  
          2)   निम्न साक्षरता  
          3)   सीमित पूर्ति  
          4)   सीमित प्रतियोगिता  
          5)   जागरूकता का अभाव
10.    1)   न्याय पाने के लिए उपभोक्ता को उपभोक्ता अदालत जाना चाहिए।  
          2)   कोपरा के अंतर्गत उपभोक्ता विवादों के निपटारे के लिए जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर एक त्रिस्तरीय न्यायिक तंत्र स्थापित किया गया है।  
          3)   जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है।  
          4)   राज्य स्तरीय अदालतें 20 लाख से एक करोड़ तक।  
          5)   राष्ट्रीय स्तर की अदालतें 1 करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमों को देखती हैं।

---

सैट - 1  
**सामाजिक विज्ञान अभ्यास प्रश्न**

पत्र-1

समय : 3 घंटे

कक्षा-10

अधिकतम अंक : 80

---

**सामान्य निर्देश :**

- 1) इस प्रश्न-पत्र में कुल 27 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  - 2) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
  - 3) प्रश्न संख्या 1 से 7 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर कम से कम शब्दों में दें।
  - 4) प्रश्न संख्या 8 से 18 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 80 शब्दों में दें।
  - 5) प्रश्न संख्या 19 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 120 शब्दों में दीजिए।
  - 6) प्रश्न संख्या 26 एवं 27 मानचित्र से संबंधित प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 26 इतिहास से संबंधित 2 अंक का प्रश्न है जबकि प्रश्न संख्या 27 भूगोल से संबंधित 3 अंक का प्रश्न है। मानचित्र कार्य पूरा करने के पश्चात् उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।
- 

- |   |   |
|---|---|
| 1. विकेन्द्रीकरण से आप क्या समझते हैं ?   | 1 |
| 2. किस आधार पर संसाधनों का वर्गीकरण संभावी संसाधन, विकसित संसाधन, भंडार और संचित कोष में किया जाता है ? | 1 |
| 3. विभिन्न देशों/राज्यों के बीच तुलना का एक पैमाना बताइए।   | 1 |
-



- 
4. सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रम अपने इस्पात को किसके माध्यम से बेचते हैं ? 1
5. भारत के दक्षिणी भाग में स्थित एक मुख्य बंदरगाह का नाम बताइए जो एक अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन भी है। 1
6. अनुबंधित श्रम को किस वर्ष समाप्त किया गया ? 1

अथवा

20वीं सदी में हथरघा कपड़े के उत्पादन में वृद्धि के क्या कारण थे ?

अथवा

चॉल से आप क्या समझते हैं ?

7. बेगार का क्या अर्थ है ? 3
8. बाल्कन क्षेत्र की विशेषताओं को लिखिए। 3

अथवा

वियतनाम की आर्थिक वृद्धि में मुख्य बाधाएँ क्या थीं ?

9. भारतीय कपड़ा उद्योग को 19वीं सदी की शुरुआत में कड़ी स्पर्धा क्यों झेलनी पड़ी ? तीन कारण स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

1929 के विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के क्या कारण थे ?

अथवा

अठारहवीं सदी के मध्य से लंदन की आबादी क्यों फैलने लगी ? कोई तीन कारण बताइए।

- 
10. परिवहन प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को किस प्रकार उत्प्रेरित किया है ? उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 3
  11. भूमि निम्नीकरण की समस्या के समाधान के कोई तीन उपाय सुझाइए। 3
  12. “ऊर्जा हमारे आधुनिक जीवन की एक अपरिहार्य आवश्यकता है।” तीन उदाहरण देकर इस कथन की व्याख्या कीजिए। 3
  13. औद्योगिक अवस्थिति को प्रभावित करने वाले प्रमुख मानवीय कारकों का वर्णन कीजिए। 3
  14. 1992 में संविधान संशोधन द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्थानीय निकाय को किस प्रकार ज्यादा शक्तिशाली और प्रभावी बनाया गया ? 3
  15. सामाजिक अंतर कब और कैसे सामाजिक विभाजनों का रूप ले लेते हैं ? 3
  16. किसी दल को एक राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता कैसे मिलती है ? भारत के किन्हीं दो राष्ट्रीय दलों के नाम लिखिए। 3
  17. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3
  18. माँग जमा क्या है ? माँग जमा की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3
  19. यूरोप में राष्ट्रवाद के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका किस प्रकार निभाई ? पाँच उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए। 5

अथवा

‘पूर्व की ओर चलो आंदोलन’ की किन्हीं पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

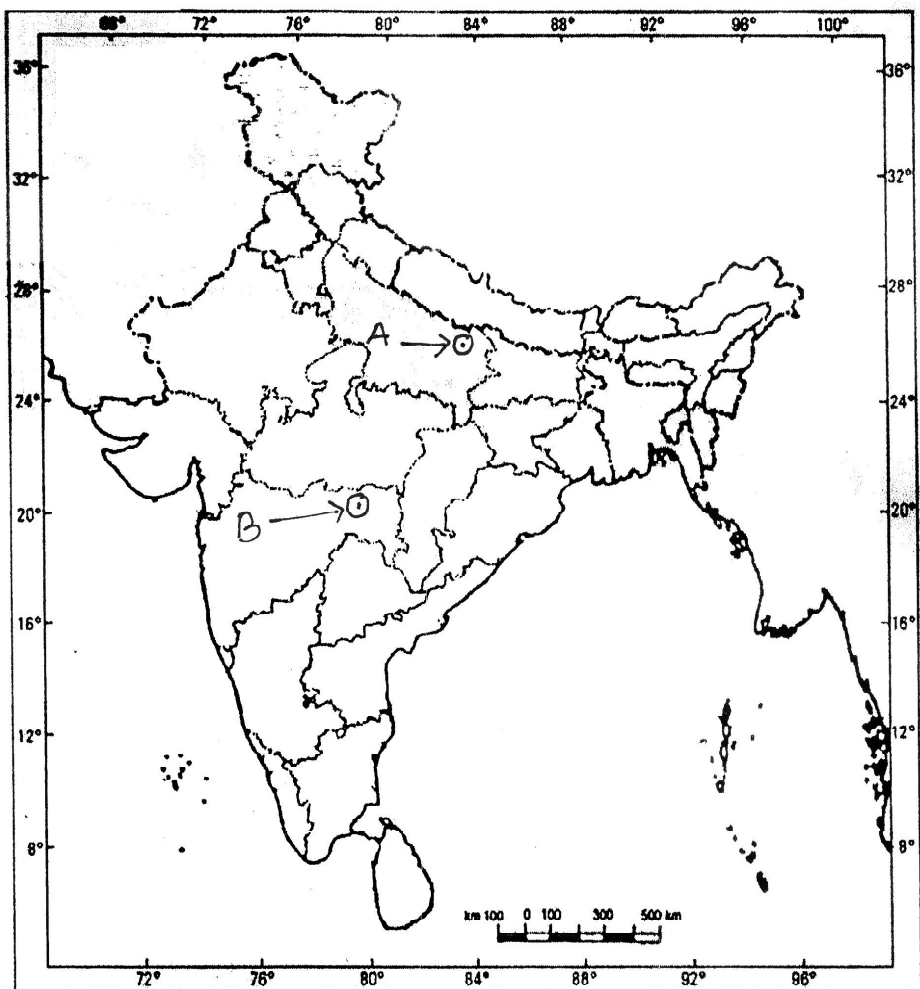
- 
- 20 गाँधीजी ने 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' क्यों प्रारंभ किया ? सविनय अवज्ञा आंदोलन की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5
- 21 अन्य शासन व्यवस्थाओं की तुलना में लोग लोकतांत्रिक शासन को अधिक पसंद क्यों करते हैं ? किन्हीं पाँच कारणों की व्याख्या कीजिए। 5
- 22 सत्ता की साझेदारी से आप क्या समझते हैं ? सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है ? 5
- 23 वर्षा जल संग्रहण किसे कहते हैं ? वर्षा जल संग्रहण के पाँच उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। 5
- 24 खनिज संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ? खनिज संसाधनों के संरक्षण के कोई चार उपाय बताइए। 5
- 25 वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं ? वैश्वीकरण ने भारत को किस प्रकार लाभान्वित किया है ? 5

- 26 भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में A और B दो लक्षण दिए गए हैं। इन लक्षणों को दी गई जानकारी की मदद से पहचानिए और मानचित्र पर उनके सही नाम लिखिए: 2

(A) वह घटना जिसके कारण महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन को समाप्त करने का निर्णय लिया था।

(B) वह स्थान जहाँ दिसम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

### Political Map of India



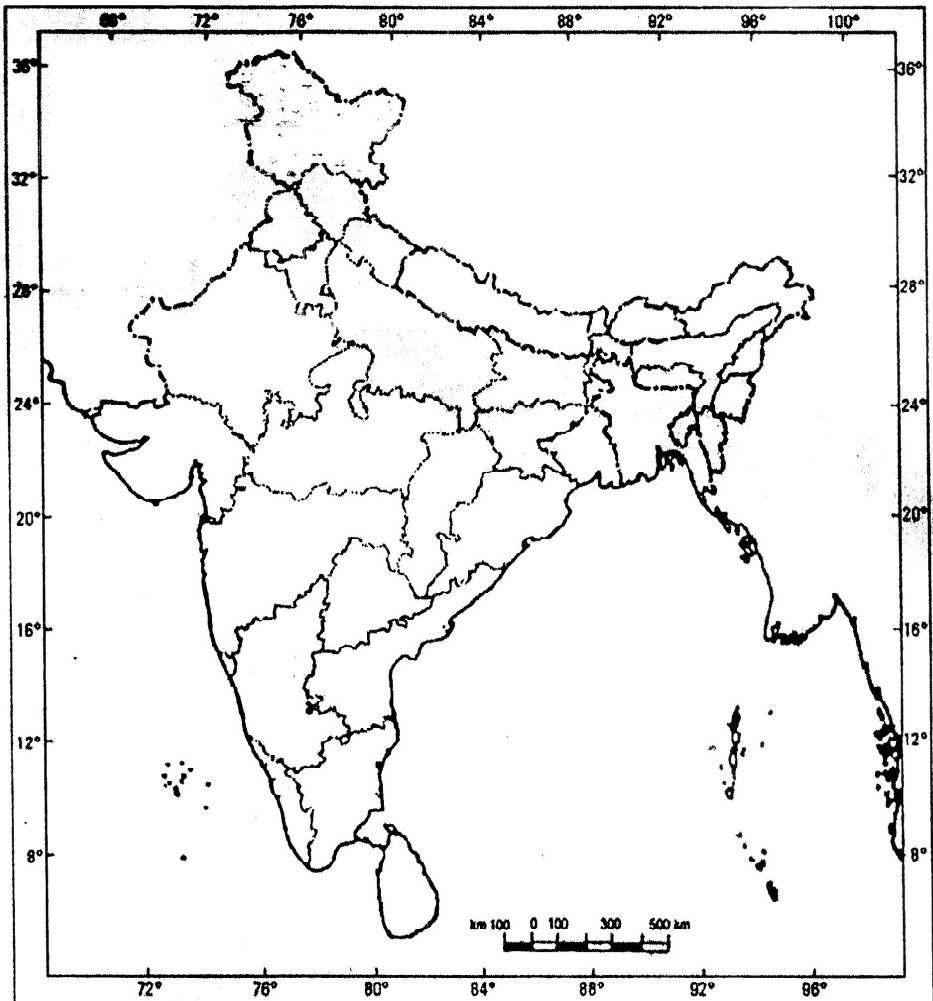
27 भारत के दिए हुए राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाइए: 3

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क-मोहाली

(ख) एक बंदरगाह-विशाखापत्तनम

(ग) एक ताप विद्युत गृह-तूतीकोरिन

भारत का राजनीति मानचित्र



---

सैट - 2

## सामाजिक विज्ञान अभ्यास प्रश्न

पत्र-॥

समय : 3 घंटे

कक्षा-10

अधिकतम अंक : 80

---

### सामान्य निर्देश :

- 1) इस प्रश्न-पत्र में कुल 27 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  - 2) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
  - 3) प्रश्न संख्या 1 से 7 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर कम से कम शब्दों में दें।
  - 4) प्रश्न संख्या 8 से 18 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 80 शब्दों में दें।
  - 5) प्रश्न संख्या 19 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 120 शब्दों में दीजिए।
  - 6) प्रश्न संख्या 26 एवं 27 मानचित्र से संबंधित प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 26 इतिहास से संबंधित 2 अंक का प्रश्न है जबकि प्रश्न संख्या 27 भूगोल से संबंधित 3 अंक का प्रश्न है। मानचित्र कार्य पूरा करने के पश्चात् उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।
- 

- |   |   |
|---|---|
| 1. एक लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषता क्या होती है ?         | 1 |
| 2. भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण कब किया गया था ?        | 1 |
| 3. 'रॉलट एक्ट' किस वर्ष पारित किया गया था ?                     | 1 |
| 4. किन संस्थानों को ब्रेटन वुड्स की जुड़वाँ संतान कहा जाता है ? | 1 |

अथवा

---

स्पनिंग जैनी क्या था ?

अथवा

- ब्रिटेन के दो औद्योगिक शहरों के नाम बताइए। 1
5. संसाधनों के अत्यधिक इस्तेमाल का एक कारण बताइए। 1
6. बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजना के पक्ष में एक तर्क दीजिए। 1
7. माँग जमा क्या है ? 1
8. 'कॉर्न लॉ' को समाप्त करने के बारे में ब्रिटिश सरकार के फैसलों पर टिप्पणी कीजिए। 3

अथवा

अठारहवीं सदी में नए आविष्कारों की श्रृंखला ने सूती वस्त्र उद्योग की उत्पादन प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित किया ?

अथवा

- उन्नीसवीं सदी के मध्य में बंबई की आबादी में भारी वृद्धि क्यों हुई ?
9. मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में क्या मदद की ? 3

अथवा

- 1740 के बाद गरीब लोग भी उपन्यास पढ़ने लगे। व्याख्या कीजिए।
10. संघीय शासन व्यवस्था की तीन मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3
11. बेल्जियम और श्रीलंका की राजनीतिक घटनाओं से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? किन्हीं तीन शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए।
12. भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के किन्हीं तीन उपायों की व्याख्या कीजिए।

- 
- 13 ताप विद्युत और जल विद्युत में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3
- 14 पाइपलाइन परिवहन के किन्हीं तीन लाभों को स्पष्ट कीजिए। 3
- 15 लोकतंत्र के सामने कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ? किन्हीं तीन चुनौतियों का वर्णन कीजिए। 3
- 16 भारत में तृतीयक क्षेत्रक की बढ़ती महत्ता की व्याख्या कीजिए। 3
- 17 हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की जरूरत क्यों है ? कोई तीन तर्क देकर उसकी व्याख्या कीजिए। 3
- 18 उपभोक्ताओं के प्रमुख अधिकारों को बताइए एवं उनकी संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 3
- 19 महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन क्यों समाप्त किया ? किन परिस्थितियों में गाँधी जी ने 1932 में सविनय अवज्ञा आंदोलन को पुनः प्रारंभ किया ? व्याख्या कीजिए। 5
- 20 1815 के बाद क्रांतिकारियों ने यूरोप के बहुत से राज्यों में किस प्रकार अपने विचारों का प्रसार किया ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

वियतनाम में धर्मिक समूहों ने उपनिवेशन के विरुद्ध विचार उत्पन्न करने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

- 21 एकात्मक और संघीय शासन व्यवस्था में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

दबाव समूह और राजनीतिक दलों में किस प्रकार का संबंध होता है ? व्याख्या कीजिए।



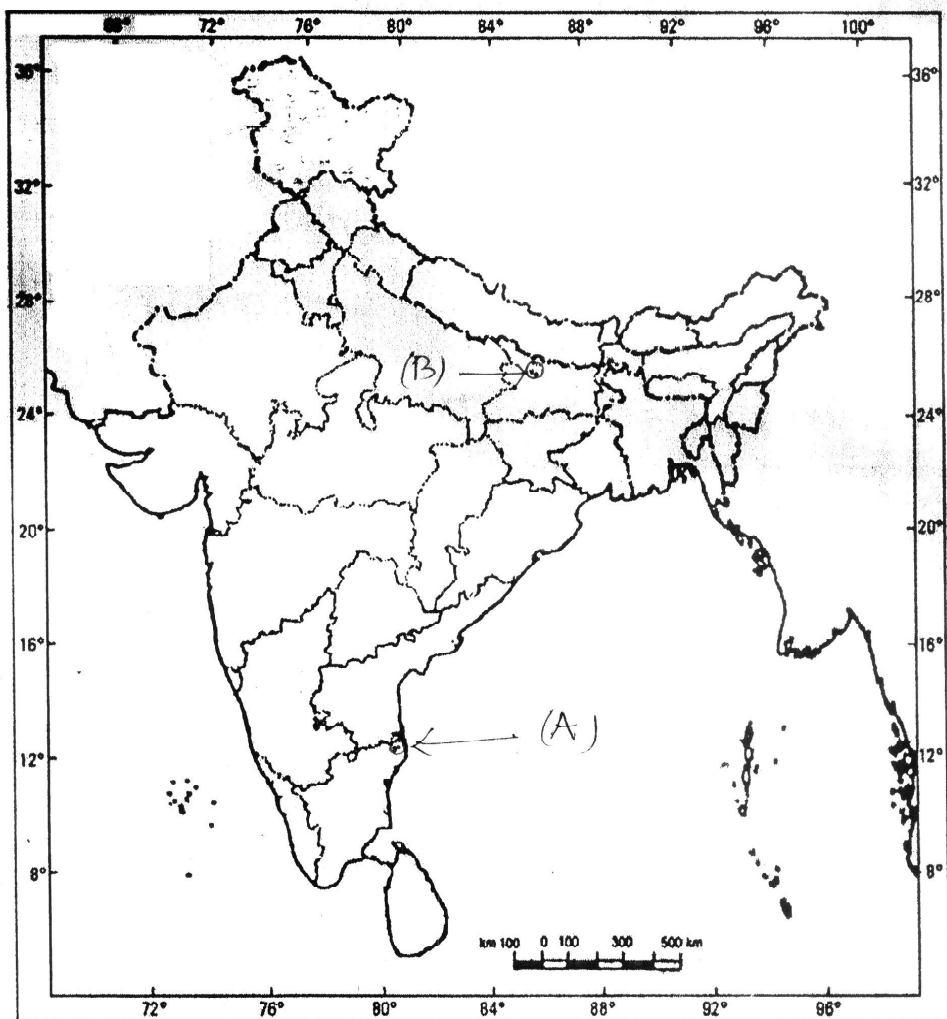
- 
- 22 भारत में महिलाएँ अभी भी कई तरह से भेदभाव और दमन का शिकार होती हैं। पाँच उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए। 5
- 23 विदेशी निवेश से आप क्या समझते हैं ? भारत सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए किस प्रकार प्रयास कर रही है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 5
- 24 उपभोक्ता अधिकार से आप क्या समझते हैं ? भारत में उपभोक्ता के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए किन्हीं चार उपायों की व्याख्या कीजिए। 5
- 25 भारत में सड़कों की क्षमता के आधार पर इन्हें कितने वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है ? संक्षेप में इसकी व्याख्या कीजिए। 5

26 भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में A और B दो लक्षण दिए गए हैं। इन लक्षणों को दी गई जानकारी की मदद से पहचानिए और मानचित्र पर उनके सही नाम लिखिए : 2

(A) वह स्थान जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

(B) वह स्थान जो नील की खेती करने वाले किसानों के आंदोलन से संबंधित है।

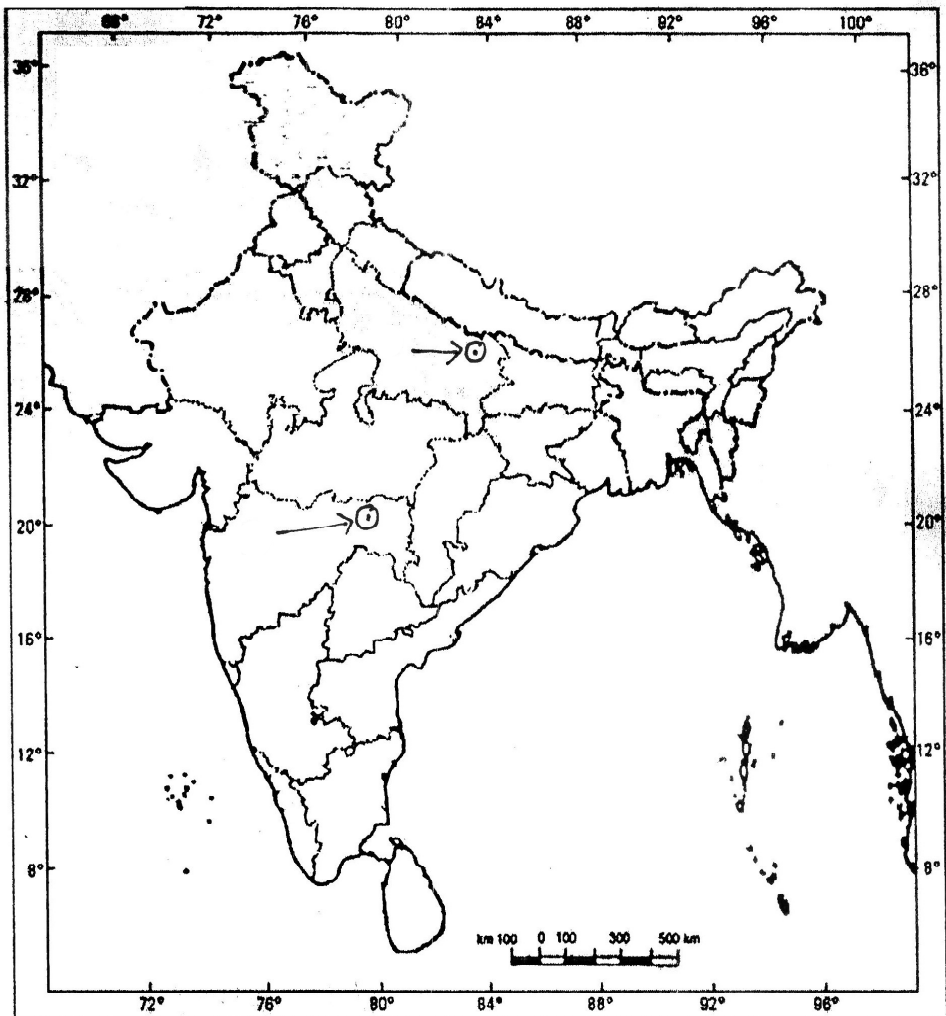
### Political Map of India



27 निम्नलिखित लक्षणों को भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर उपयुक्त चिन्हों से दिखाइए और उनके नाम लिखिए : 3

- (क) नरोरा - आणविक ऊर्जा संयंत्र
- (ख) राउरकेला- लोहा और इस्पात संयंत्र
- (ग) कांडला-प्रमुख समुद्री पतन

### Political Map of India



---

सैट - 3

## सामाजिक विज्ञान अभ्यास प्रश्न

पत्र-III

समय : 3 घंटे

कक्षा-10

अधिकतम अंक : 80

---

### सामान्य निर्देश :

- 1) इस प्रश्न-पत्र में कुल 27 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  - 2) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
  - 3) प्रश्न संख्या 1 से 7 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनका उत्तर कम से कम शब्दों में दें।
  - 4) प्रश्न संख्या 8 से 18 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 80 शब्दों में दें।
  - 5) प्रश्न संख्या 19 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 120 शब्दों में दीजिए।
  - 6) प्रश्न संख्या 26 एवं 27 मानचित्र से संबंधित प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 26 इतिहास से संबंधित 2 अंक का प्रश्न है जबकि प्रश्न संख्या 27 भूगोल से संबंधित 3 अंक का प्रश्न है। मानचित्र कार्य पूरा करने के पश्चात् उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।
- 

1. गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किस महत्वपूर्ण घटना के साथ किया था ? 1
2. 'चैपमैन' किसे कहते थे ? 1

अथवा

पहला धारावाहिक उपन्यास 'पिकविक पेपर्स' किसने लिखा था ?

---

- 
3. पूर्व-पश्चिम गलियारे से जुड़े दो दूरस्थ स्थानों के नाम लिखिए ? 1
  4. उत्खात भूमि से क्या तात्पर्य है ? 1
  5. नागार्जुन सागर बाँध किस नदी पर निर्मित है ? 1
  6. 'साथ आकर संघ बनाने' का एक उदाहरण दीजिए। 1
  7. निजी क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य क्या होता है ? 1
  8. अफ्रीका में रैंडरपेस्ट के आने का वहाँ के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा ?  
किन्हीं तीन बिन्दुओं में उल्लेख कीजिए। 3

#### अथवा

- उन्नीसवीं सदी में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीय व्यापारियों पर लगाए गए किन्हीं तीन प्रतिबंधों का उल्लेख कीजिए।
9. शहरों में असहयोग आंदोलन के मंद होने के किन्हीं तीन कारणों को स्पष्ट कीजिए। 3
  10. कृषि का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और उत्पादन में क्या योगदान है ? 3
  11. ऊर्जा के परंपरागत साधनों की अपेक्षा ऊर्जा के गैर-परंपरागत साधनों के चार लाभों की व्याख्या कीजिए। 3
  12. किस प्रकार उद्योग और कृषि एक दूसरे के पूरक हैं ? किन्हीं तीन बिन्दुओं में इसे स्पष्ट कीजिए। 3
  13. जीवन के उन विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें, जिनसे भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है। 3
-

- 
- 14 राजनीतिक दल अपना कामकाज बेहतर ढंग से करें, इसके लिए मुख्य सुझाव दीजिए। 3
- 15 व्यक्ति की गरिमा और आजादी के मामले में लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य शासन प्रणाली से बेहतर है। व्याख्या कीजिए।
- 16 धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ? 3
- 17 खुली बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी में अंतर स्पष्ट कीजिए। 3
- 18 मुद्रा विनिमय प्रणाली वस्तु विनिमय प्रणाली से अधिक श्रेष्ठ क्यों है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 3
- 19 व्याख्या कीजिए कि, किस प्रकार ब्रिटेन में 'कॉर्न लॉ' की समाप्ति ने वैश्विक कृषि अर्थ व्यवस्था को जन्म दिया ? 5

अथवा

प्रथम विश्वयुद्ध ने भारत में उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा की। इस कथन की उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

अथवा

लंदन के विकास के साथ अपराधों में किस तरह से वृद्धि हुई ? इसके क्या कारण थे तथा इस पर किस प्रकार नियंत्रण स्थापित किया गया ?

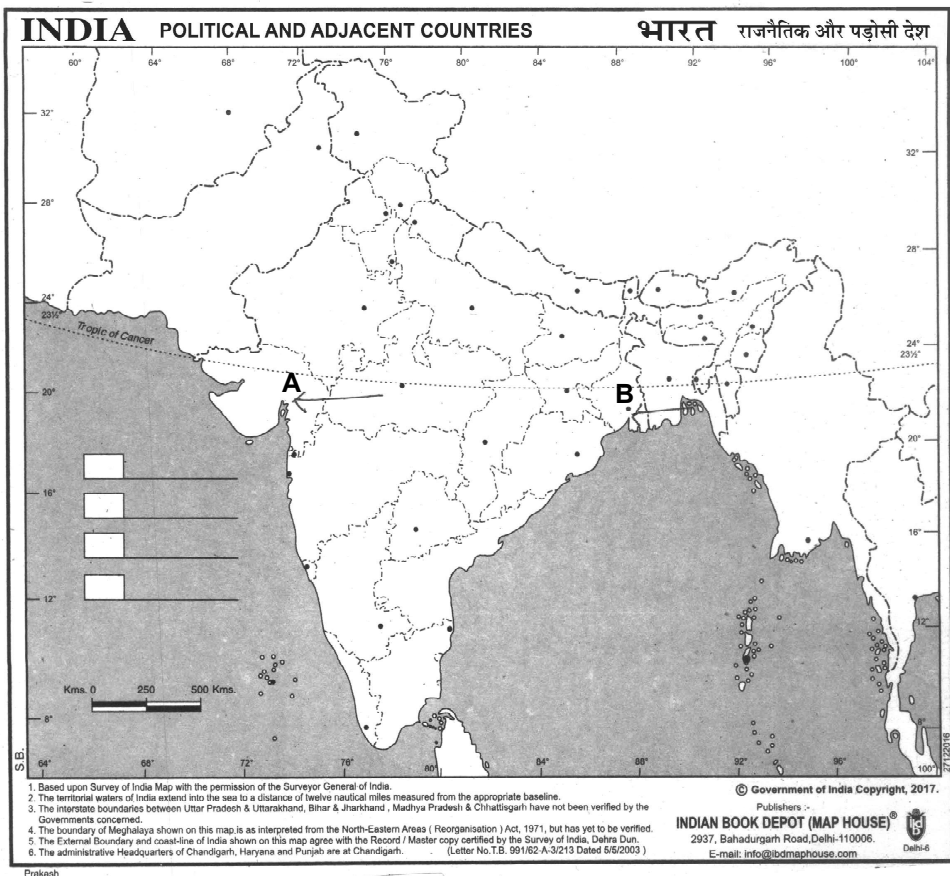
- 20 सविनय अवज्ञा आंदोलन में शामिल विभिन्न सामाजिक समूह कौन-से थे ? उन्होंने आंदोलन में हिस्सा क्यों लिया ? उनके लिए स्वराज के क्या मायने थे ? 5

- 
- 21 पाइपलाइन परिवहन के किन्हीं तीन लाभों को स्पष्ट कीजिए। भारत के किन्हीं दो पाइपलाइन परिवहन का नाम लिखिए। 5
- 22 साम्प्रदायिकता राजनीति में किस प्रकार अनेक रूप धारण कर लेती है ? पाँच रूपों को स्पष्ट कीजिए। 5
- 23 “सभी देशों और सभी परिस्थितियों में कोई भी दलीय व्यवस्था आदर्श नहीं है।” इस कथन की पाँच तर्कों के साथ न्यायसंगत पुष्टि कीजिए। 5
- 24 भारत में ग्रामीण परिवारों के साख के लिए प्रमुख स्रोत कौन-कौन से हैं ? प्रत्येक की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5
- 25 वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं ? क्या इसका प्रभाव सभी देशों पर एक समान पड़ा है ? किन्हीं चार बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए। 5

26 भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र में A और B दो लक्षण दिए गए हैं। इन लक्षणों को दी गई जानकारी की मदद से पहचानिए और मानचित्र पर उनके सही नाम लिखिए : 2

(A) वह स्थान जहाँ 1918 में सूती कपड़ा कारखाने के मजदूरों का सत्याग्रह आयोजित किया गया था।

(B) वह स्थान जहाँ सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।





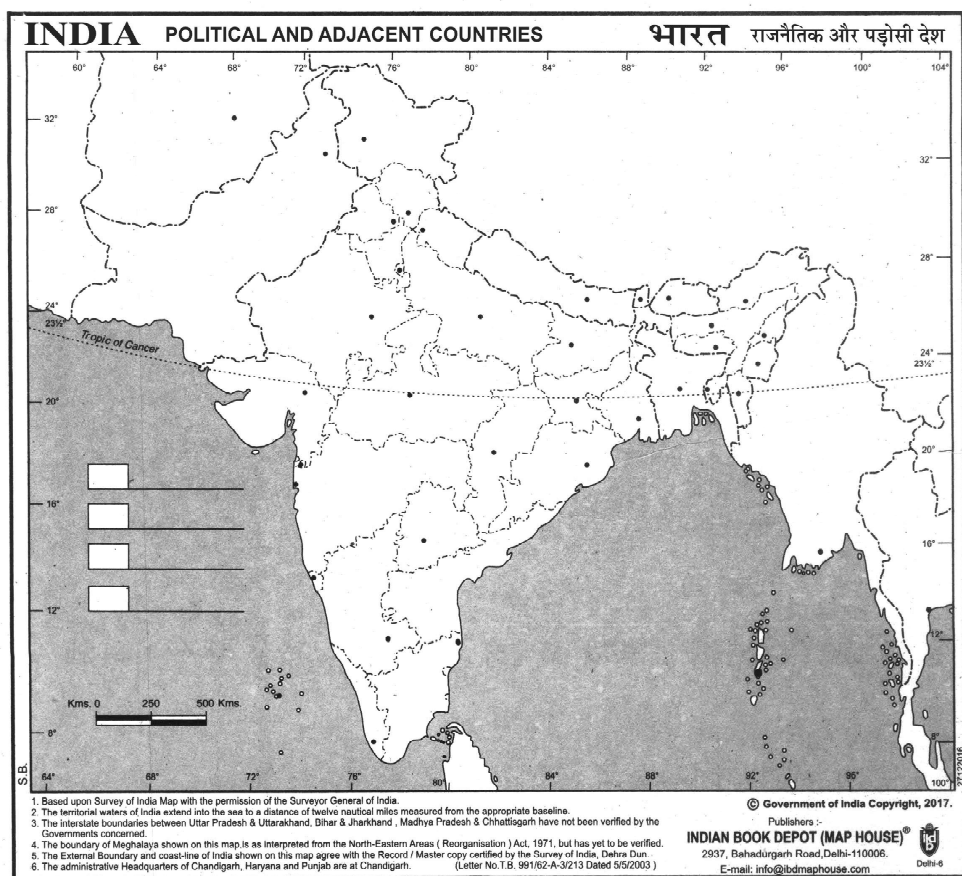
27 निम्नलिखित स्थानों को भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए एवं उनके नाम लिखिए :

3

(क) कुद्रेमुख लौह अयस्क खान

(ख) नेवेली कोयला खान

(ग) मुंबई सूती वस्त्र उद्योग



---

सैट - 1

## सामाजिक विज्ञान

कक्षा-10

### अंक योजना

1. ऐसी व्यवस्था जिसमें सत्ता को विभिन्न सरकारों के मध्य बांटा जाता है।
2. विकास के स्तर के आधार पर।
3. प्रति व्यक्ति आय।
4. सेल
5. चेन्नई
6. 1921

अथवा

नई तकनीक आने के कारण

अथवा

मुंबई में गरीबों के लिए बना हुआ एक कमरे का बहुमंजिला मकान।

7. बिना मजदूरी दिए श्रमिकों को काम करने के लिए बाध्य करना।
8. यूरोप के दक्षिण-पूर्वी भाग को प्रथम विश्व युद्ध तक बाल्कन क्षेत्र कहा जाता था। इस क्षेत्र में भौगोलिक और जातीय विविधताएँ बहुत अधिक थीं। इसके अंतर्गत आधुनिक अल्बानिया, बुल्गारिया, रूमानिया, क्रोएशिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, मेसीडोनिया, ग्रीस (यूनान), स्लोवेनिया और मोंटेनीग्रो इत्यादि आते थे। इस क्षेत्र के लोग विभिन्न भाषाएँ बोलते थे। स्लाव सबसे प्रभावशाली समूह था।

---

अथवा

- (क) जनसंख्या वृद्धि की तीव्र दर
  - (ख) निम्न कृषि उत्पादकता
  - (ग) किसानों के ऊपर अत्यधिक कर्ज
9. (क) भारतीय बाजार में मेनचेस्टर से आयातित मालों की भरमार
- (ख) 1860 के दशक में भारतीय बुनकरों को अच्छे कपास न मिलना।
  - (ग) भारतीय बुनकारों द्वारा निर्मित कपड़े मशीनों द्वारा निर्मित कपड़े से महँगे होते थे।

अथवा

1929 के आर्थिक मंदी के कारण

- (क) अत्यधिक उत्पादन
- (ख) प्रथम विश्वयुद्ध के बाद वस्तुओं की माँग में कमी
- (ग) कृषि उत्पादों की गिरती कीमत
- (घ) रोजगार के अवसर में कमी
- (ङ.) विभिन्न देशों द्वारा अमेरिका से कर्ज लेकर उत्पादन को बढ़ाना, परंतु खरीदार का ना मिलना।

अथवा

18वीं सदी के मध्य से लंदन की आबादी बढ़ने के कारण :

- (क) विभिन्न पेशे से जुड़े हुए लोगों का लंदन में होना
- (ख) लंदन में औद्योगिक विकास का तेज होना

- 
- (ग) विशाल कारखानों के लगने के कारण रोजगार के अवसर में वृद्धि
- (घ) इंग्लैंड की राजधानी होने के कारण वहाँ अनेक राजनयिक, पूँजीपति और व्यापारी निवास करते थे।
10. परिवहन प्रौद्योगिकी एवं सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण को इस प्रकार उत्प्रेरित किया है :
- (क) परिवहन के कारण वस्तुओं के आयात-निर्यात में सुगमता आई।
- (ख) समुद्री मार्ग के विकास से आयात-निर्यात सस्ती हो गई।
- (ग) कंटेनर सेवा के विकास से दुलाई लागत में भारी बचत हुई।
- (घ) दूरसंचार सुविधाओं जैसे टेलीग्राफ, टेलीफोन, मोबाइल फोन, फैक्स आदि के विकास से विश्व भर में एक-दूसरे से संपर्क करने एवं सूचनाओं के आदान प्रदान में आसानी हुई है।
11. भूमि निम्नीकरण को रोकने के उपाय :
- (क) वृक्षारोपण को बढ़ावा देना
- (ख) पशुचारण के लिए उचित चारागाह की व्यवस्था
- (ग) औद्योगिक अवशिष्ट को शोधन के बाद छोड़ना
- (घ) शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों में कँटीले झाड़ियों को लगाना।
12. (क) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र जैसे कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्य आदि के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है।
- (ख) आधुनिक युग में विकास की कोई भी योजना ऊर्जा के बिना अधूरी है।
- (ग) घरेलू कार्यों के लिए भी ऊर्जा की आवश्यकता होती है।
-

- 
- (घ) जीवन में जैसे-जैसे भौतिक सुख-सुविधाओं की वृद्धि हो रही है, हमें वैसे ही ऊर्जा की जरूरत भी होती है।
13. औद्योगिक अवस्थिति को प्रभावित करने वाले प्रमुख मानवीय कारक :
- बाजार
  - परिवहन के साधन
  - सस्ते श्रमिक
  - सरकारी नीतियाँ
14. 1992 के संविधान संशोधन के द्वारा स्थानीय निकाय को निम्नलिखित प्रकार से शक्तिशाली एवं प्रभावी बनाया गया :
- (क) स्थानीय निकाय का चुनाव निश्चित समय पर कराना अनिवार्य कर दिया गया है।
- (ख) स्थानीय निकाय में विभिन्न जातियों के लिए सीटें आरक्षित की गई हैं।
- (ग) इसमें महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गई है।
- (घ) राज्य सरकारों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने राजस्व का एक निश्चित भाग स्थानीय निकाय को दें।
- (ङ.) हर राज्य में पंचायत और नगरपालिका चुनाव कराने के लिए राज्य चुनाव आयोग का गठन किया गया है।
15. सामाजिक अंतर निम्नलिखित परिस्थितियों में सामाजिक विभाजनों का रूप लेते हैं:
-

- 
- (क) जब कुछ सामाजिक अंतर दूसरी भिन्नताओं से ऊपर और बड़े हो जाते हैं।
- (ख) जब समाज के सभी वर्गों के साथ एक समान बर्ताव नहीं होता है। जैसे अमेरिका या दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत।
- (ग) जब कुछ लोग निरंतर भेदभाव और अन्याय के शिकार होते हैं।
- (घ) जब देश में विकास सभी क्षेत्रों तक नहीं पहुँचता है।
16. जब किसी दल को लोकसभा चुनाव में पड़े कुल मत का अथवा चार राज्यों के विधन सभा चुनाव में पड़े कुल मत का 6 प्रतिशत प्राप्त होता है और लोकसभा के चुनाव में कम से कम चार सीटों पर विजय मिलती है, तो उस दल को राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलती है।

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय दल :

- भारतीय जनता पार्टी
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

17. प्राथमिक क्षेत्रक :

- (क) इसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का प्रत्यक्ष उपयोग किया जाता है।
- (ख) इसमें कृषि, मत्स्य, पशुपालन, खनन, वानिकी आदि आते हैं।
- (ग) प्राथमिक क्षेत्रक द्वितीयक क्षेत्रक को कच्चा माल प्रदान करत है।
- (घ) यह मुख्य आर्थिक क्रिया होती है।

---

द्वितीयक क्षेत्रक :

- (क) इसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों को विनिर्मित करके उसका उपयोग किया जाता है।
- (ख) इसमें उद्योग, विनिर्माण कार्य जैसे- बाँध, पुल, भवन आदि आते हैं।
- (ग) द्वितीयक क्षेत्रक के कई उत्पाद प्राथमिक क्षेत्रक में काम आते हैं। जैसे ट्रैक्टर, मशीनें आदि।
- (घ) यह गौण आर्थिक क्रिया होती है।

18. बैंक अपने ग्राहकों से उसकी जमा राशि को निकालने के लिए माँग स्वीकार करता है, जिसे माँग जमा कहते हैं।

इसकी प्रमुख विशेषताएँ :

- (क) इन्हें बिना किसी सूचना के चैक द्वारा निकलवाया जा सकता है।
- (ख) ये जमाएँ विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती हैं।
- (ग) बचत खाते और चालू खाते में व्यावसायिक बैंक माँग जमा स्वीकार करते हैं।

19. यूरोप में राष्ट्रवाद के विचार के निर्माण में संस्कृति की भूमिका :

- (क) यूरोप में कला, काव्य, कहानियों, संगीत आदि ने राष्ट्रवादी भावनाओं को निर्मित किया। जैसे- जर्मनी।
- (ख) रूमानी कवियों और कलाकारों ने साझी संस्कृति की अनुभूति को राष्ट्र का आधार बनाया। जैसे- ग्रीक।

- 
- (ग) स्थानीय बोलियों और लोक साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया गया। जैसे- पोलैंड, जर्मनी आदि।
  - (घ) राष्ट्रवाद की भावना को संगीत के माध्यम से जिंदा रखा गया।
  - (ङ.) राष्ट्र की सच्ची आत्मा लोकगीतों, जनकाव्य और लोकनृत्यों से प्रकट होती थी।

अथवा

पूर्व की ओर चलो आंदोलन की विशेषताएँ :

- (क) वियतनामी छात्र आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए जापान गए।
- (ख) विद्यार्थियों का मुख्य लक्ष्य वियतनाम से फ्रांसीसियों को बाहर निकालना था।
- (ग) अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने विदेशी सहायता भी प्राप्त की।
- (घ) क्रांतिकारियों ने बाहर के देशों से हथियार प्राप्त किया।
- (ङ.) महिलाओं ने राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर आंदोलन में भाग लिया।

20. खराब सामाजिक और राजनीतिक स्थिति, साइमन कमीशन में किसी भारतीय का ना होना, अंग्रेजों द्वारा नेहरू रिपोर्ट को अस्वीकार करना, नमक के ऊपर भारी कर लगाना आदि कारणों के विरुद्ध गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ किया।



---

विशेषताएँ :

- (क) गाँधी जी द्वारा साबरमती से दांडी तक पैदल यात्रा करना।
- (ख) समुद्र के किनारे नमक बनाकर नमक कानून को तोड़ा।
- (ग) शराब की दुकानों, अफीम के अड्डों और विदेशी कपड़े वाली दुकानों पर धरना दिया गया।
- (घ) गाँधी जी द्वारा ब्रिटिश सरकार के सामने 11 माँगों को रखा गया।

21. लोगों द्वारा लोकतांत्रिक शासन को अधिक पसंद करने के कारण :

- (क) लोकतंत्र नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।
- (ख) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।
- (ग) इससे फैसलों में बेहत्तरी आती है।
- (घ) विभिन्न प्रकार की विविधताओं में सामंजस्य बिठाने का प्रयास करता है।
- (ङ.) टकरावों को टालने का तरीका बताता है।
- (च) इसमें गलतियों को सुधारने की गुंजाइश रहती है।

22 देश की सत्ता में विभिन्न सामाजिक समूहों को भागीदार बनाना, सत्ता की साझेदारी कहते हैं। सत्ता की साझेदारी निम्न कारणों से जरूरी है :

- (क) सत्ता की साझेदारी से विभिन्न सामाजिक समूहों में टकराव को रोका जा सकता है।

---

(ख) सत्ता की साझेदारी से राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व आता है।

(ग) यह लोकतंत्र की भावना के अनुकूल है।

(घ) यह देश की एकता और अखण्डता कायम रखने में सहायक है।

(ङ.) बहुसंख्यक के हितों के साथ-साथ अल्पसंख्यकों के हितों का भी ध्यान रखा जाता है।

23. वर्षा के जल को विभिन्न तकनीकों के द्वारा बचाकर रखना एवं इकट्ठा करना, जिससे भविष्य में उसका उपयोग विभिन्न कामों के लिए किया जाए, वर्षा जल संग्रहण कहते हैं।

वर्षा जल संग्रहण के उद्देश्य :

(क) जल की बढ़ती माँग को पूरा करना

(ख) धरातल पर जल के बहाव को कम करना

(ग) सड़कों को जल भराव से बचाना

(घ) भौम जल के स्तर को बढ़ाना

(ङ.) भौम जल प्रदूषण को घटाना

(च) बाढ़ जैसी समस्याओं को कम करना

24. खनिजों का भंडार सीमित है और उसके निर्माण में लाखों-करोड़ों वर्ष लग जाते हैं जबकि उसकी माँग लगातार बढ़ रही है, इसलिए खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता है।

---

संसाधनों के संरक्षण के उपाय :

- (क) धातुओं के चक्रीय उपयोग को बढ़ावा देना
- (ख) किसी खनिज के स्थान पर अन्य वस्तुओं का उपयोग करना।
- (ग) खनन तथा संशोधन की प्रक्रियाओं में होने वाली बर्बादी को कम करने का प्रयत्न करना
- (घ) खनिजों के स्थान पर वैकल्पिक संसाधनों का प्रयोग करना

25. किसी देश की अर्थव्यवस्था को संसार के अन्य अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को वैश्वीकरण कहते हैं।

वैश्वीकरण से भारत को होने वाले लाभ :

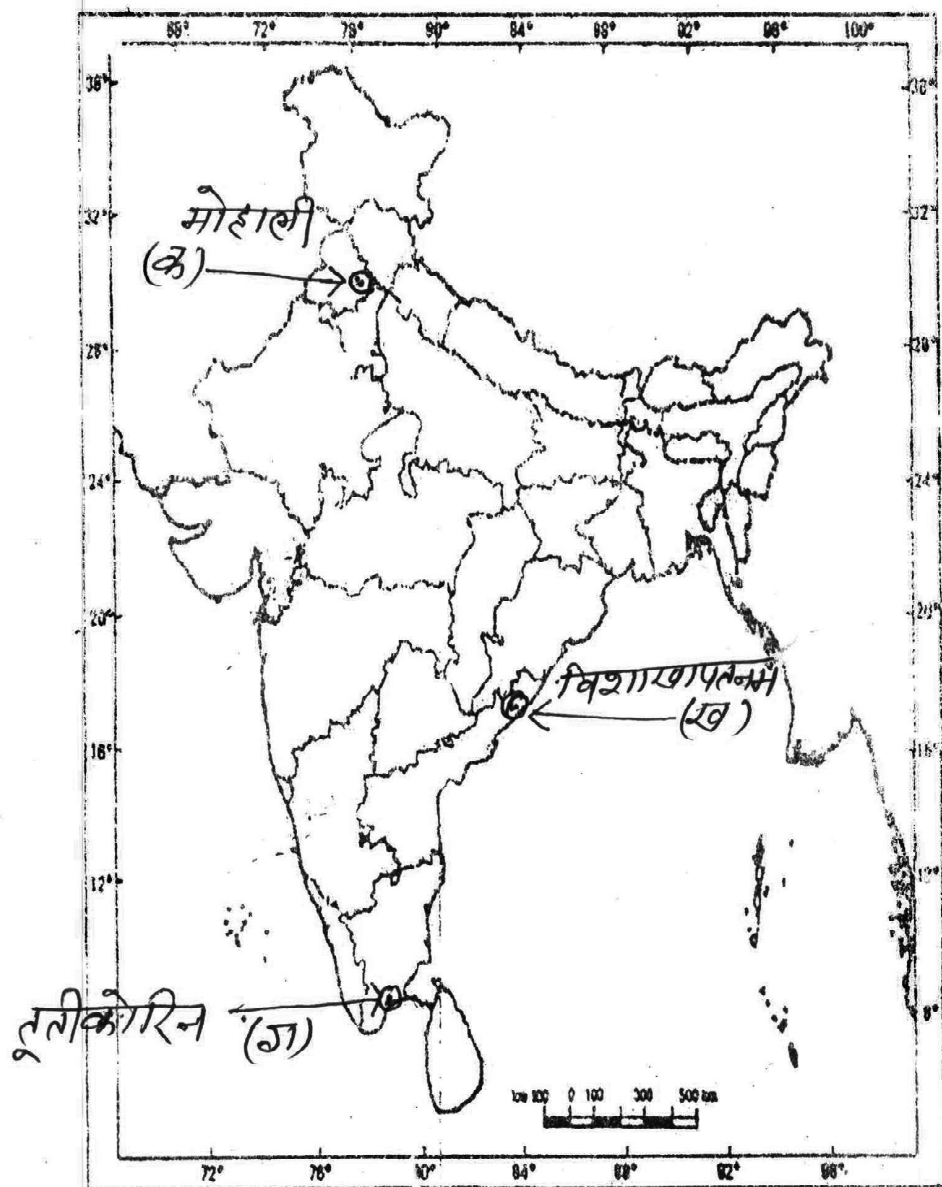
- (क) रोजगार में वृद्धि
- (ख) विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि
- (ग) विदेशी पूँजी निवेश में वृद्धि
- (घ) तकनीकी क्षमता में विकास
- (ङ.) लोगों के जीवन स्तर में सुधार
- (च) उपभोक्ताओं के समक्ष अधिक विकल्प

26. (क) चोरी-चौरा

(ख) नागपुर

27. का उत्तर :

### भारत का राजनीति मानचित्र



## This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]